जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • गुरुवार • 23 अप्रैल 2026 • वर्ष 10 • अंक 346 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

संक्षिप्त समाचार

नीतिश कुमार ने बनाई जेडीयू की नई टीम

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेता,निशांत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार ने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें उनके बेटे निशांत कुमार को जगह फिलहाल नहीं मिली है। जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेताओं को रखा गया है। राज्यसभा सांसद संजय झा जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, पार्टी के वरीय नेता एवं जहानाबाद से पूर्व सांसद चंद्रेश्वर

प्रसाद चंद्रवंशी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष होंगे। वहीं, 12 नेताओं को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। इसमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिशचंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर, हर्षवर्धन सिंह, मौलाना गुलाम रसूल और बलियावी का नाम शामिल है। राजीव रंजन सिंह जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने रहेंगे। वहीं, रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तागुंग और निवेदिता कुमारी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

नेपाल में पीएम बालेन शाह की सरकार को बड़ा झटका

- गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने भारी दबाव के बाद दिया इस्तीफा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब हाल के दिनों में व्यवसायी दीपक भट्टा के साथ उनके कथित व्यावसायिक संबंधों को लेकर विवाद सामने आए हैं। दीपक भट्टा पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जांच चल रही है। गुरुंग ने सोशल मीडिया के जरिए अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर

लिखा मुझसे जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए और पद पर रहते हुए हितों के किसी भी टकराव या जांच प्रक्रिया पर किसी भी तरह के असर से बचने के लिए मैंने आज गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में सार्वजनिक स्तर पर उनके निवेशों, जिनमें शेयरों में निवेश भी शामिल है, उसको लेकर जो सवाल उठाए गए हैं उन्हें उन्होंने गंभीरता से लिया है। सुदन गुरुंग ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में सार्वजनिक स्तर पर उनके निवेशों, जिनमें शेयरों में निवेश भी शामिल है, उसको लेकर जो सवाल उठाए गए हैं उन्हें उन्होंने गंभीरता से लिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री बालेन शाह को सौंपा और इसकी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की।

योगी बोले-ममता दीदी को रामनाम से चिढ़ है

बंगाल की पहचान काबा नहीं मां काली से है

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा- जब भारत आजाद हुआ तो तब पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। उसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने नोचा, अब 15 साल से टीएमसी कंगाल कर रही है। सीएम ने कहा- बुआ-भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है यहां उर्दू चलेगी। मैं कहता हूं कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं मां काली बाड़ी से है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की जोरासांको और चकदहा विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था जिस पर लिखा था- योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। सीएम योगी ने कहा- बंगाल में धड़ल्ले से गोहत्या होती है। भगवान राम के नाम से ममता दीदी को चिढ़ है। शोभायात्रा निकालने की परमीशन नहीं मिलती, टीएमसी के गुंडे गुडा टैक्स वसूलते हैं। ऐसी स्थित यूपी में भी थी सपा के गुंडों को टैक्स देना होता था। विकास ठप था, राम का नाम लेने वालों पर लाठी-गोली चलती थी। आज यूपी में उत्सव है। कहीं रामनवमी का उत्सव, कहीं कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव, कहीं कांवड़ यात्रा का उत्सव। यूपी में सब शांति है माफिया और गुंडा समाप्त है।

कोलकाता के मेयर कहते हैं-यहां तो उर्दू चलेगी

बेटी की इज्जत पर हाथ डालने वाला यमराज के घर जाता

सीएम योगी ने कहा- किसी बहन-बेटी की इज्जत पर हाथ डालता है तो सीधे यमराज के घर जाता है। अन्नदाता किसान खुशहाल है, विकास की बहार है और 500 साल में जो काम नहीं हुआ, मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है। इस बार बंगाल में डबल इंजन सरकार बनने जा रही है।

- **रिजल्ट आते ही बंगाल फिर सोनार बांग्ला बनेगा-** सीएम योगी ने कहा- यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुश्तों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूं 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो बंगाल सोनार बांग्ला बनके अपनी अस्मिता को पहचानेगा। उन्होंने कहा- हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना। अभी जो कठमुल्लापन को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए भारत के लोकतंत्र ने जो ताकत दी है उसका इस्तेमाल कीजिए। सीएम योगी ने नादिया जिले की चकदहा सीट पर रैली की।
- **बुलडोजर माफिया-गुंडों की हड्डियों का हाईवे बना देता -** सीएम योगी ने कहा- यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है तो बुलडोजर उनकी हड्डी-पसली को हाईवे बनाने में उपयोग करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपत्ति पर कब्जा किए उसमें गरीब की भूमि गरीब को दी। सरकार की जमीन सरकार के पास आई और उनकी खुद की कमाई से अर्जित जमीन पर गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। काशी, प्रयागराज में पूरी दुनिया आ रही है। ये तभी होता है जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार होती है। हमने अयोध्या-काशी को संवारा है और बंगाल में गुरुदेव रविंद्र की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी के गुंडों का कब्जा है।

ममता बनर्जी के कामों से खतरे में लोकतंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। आई-पैक पर हुई छापेमारी के समय ममता बनर्जी के प्रतीक जैन के घर में घुसने पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते हैं। उनके कामों से लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि यह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जो मुख्यमंत्री भी हैं और जिन्होंने लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए पूरे सिस्टम का इस्तेमाल किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव भी चल रहे हैं और दो फेज में वोटिंग होनी है। इस

बंगाल चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

साल की शुरुआत में जनवरी महीने में ईडी ने आई-पैक के कई ठिकानों पर छापे मारे थे। इस दौरान, खुद ममता बनर्जी आईपैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर में रेड के समय घुस गई थीं और कुछ फाइलें लेकर आ गई थीं। तब यह बड़ा राजनैतिक मुद्दा बना था। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बनर्जी ने उस जगह से अहम सबूत हटा दिए। कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके कामों ने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया।

राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं

हालांकि, इस तर्क से असहमति जताते हुए जस्टिस कुमार ने कहा, इसमें राज्य का कौन-सा अधिकार शामिल है। यह राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद नहीं है। आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते। किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री, किसी जांच या तफ्तीश के बीच में ही पहुंच जाता है, और आप कहते हैं कि यह असल में राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद है? उन्होंने पूछा, कोई भी मंत्री जांच के बीच में ही चला आता है और आप इसे लोकतंत्र के लिए खतरा मानते हुए भी यह तर्क देते हैं कि यह मूलत : राज्य और केंद्र के बीच का विवाद है।

तीन राज्यों में कितनी सीट पाएगी कांग्रेस, शाह ने बताया !

- गृहमंत्री की बड़ी भविष्यवाणी, एक में तो जीरो का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस को लेकर भी बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। बंगाल की सत्ता पर काबिज होने का दावा करने वाली भाजपा के नेता ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहती हूं कि कांग्रेस यहां खाता भी नहीं खोल पाएगी। दमदम में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बता दूं कि बंगाल में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सकेगा। इसके अलावा उन्होंने दो और राज्यों तमिलनाडु और पुदुचेरी को लेकर भी कांग्रेस के बारे में भविष्यवाणी की। अमित शाह ने कहा कि पुदुचेरी और तमिलनाडु में कांग्रेस का आंकड़ा दहाई तक नहीं पहुंचेगा यानी वह 10 या उससे ज्यादा सीटें नहीं हासिल कर सकेगी। बंगाल के दमदम में अमित शाह ने वोटरों से देश के नाम वोट करने करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप लोग अपना वोट घुसपैठिया मुक्त बंगाल के लिए करें।

लेंसकार्ट में तिलक विवाद

एमपी-यूपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में हुआ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है। तेरो कक्का का भारत है क्या, हां! हमारे तो बाप का भारत है।' पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दर्शाता। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है।

पाकिस्तान तो फेल रहा, भारत कर दिखाएगा

राजनाथ सिंह ने दिए ईरान-यूएस के बीच मध्यस्थता के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी से तनाव की स्थिति बनी हुई है। कई दिनों तक हुए हमलों के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन अभी तक शांति स्थापित नहीं हो सकी है। दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान ने इस मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन वह अभी तक पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सका है। इस सबके बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बर्लिन में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कल ऐसा समय भी आ सकता है जब भारत अपनी भूमिका निभाए और इसमें सफलता भी हासिल करे। राजनाथ सिंह के इस बयान के बाद से भारत के द्वारा मध्यस्थता की अटकलें तेज हो गई हैं। ईरान और अमेरिका के रिश्तों पर राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने कोशिश की है, लेकिन हर चीज का एक समय होता है। हो सकता है कि कल ऐसा समय आए जब भारत इसमें अपनी भूमिका निभाए और सफलता भी हासिल करे।

हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों पक्षों से युद्ध समाप्त करने की अपील की है। कूटनीतिक मामलों में हमारे प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण बहुत संतुलित है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर भी राजनाथ ने रखी बात

राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान कोई दूर की घटना नहीं बल्कि यह एक कड़वी सच्चाई है जिसका भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीकी परिवर्तन ने स्थिति को बेहद जटिल एवं परस्पर संबंधित बना दिया है। बदलते परिवेश के अनुकूल ढलने की तत्परता के साथ एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जर्मनी यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में 50 दिनों से अधिक समय से संघर्ष जारी है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

ईवीएम पर गोंद, परफ्यूम लगाने वालों को छोड़ेंगे नहीं

बंगाल-तमिलनाडु चुनाव से पहले चुनाव आयोग की चेतावनी, वोटिंग आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम के बटन पर इत्र, गोंद या किसी भी तरह का पदार्थ लगाना छेड़छाड़ माना जाएगा और यह चुनावी अपराध है। हाल के दिनों में यह दावा सामने आया था कि कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता यह पता लगाने के लिए ऐसा करते हैं कि वोट उनके पक्ष में पड़ा है या नहीं। मंगलवार को अधिकारियों ने कहा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर ऐसी कोई हरकत सामने आती है, तो वहां के पीठासीन अधिकारी को तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी। यह निर्देश तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कल 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिए गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों में आयोग सख्त कार्रवाई करेगा और जरूरत पड़ने पर दोबारा मतदान (री-पोल) का आदेश भी दिया जा सकता है।

बटन पर कुछ भी लगाना सख्त मना

अधिकारियों ने सभी मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि ईवीएम के सभी उम्मीदवारों के बटन साफ और स्पष्ट दिखाई दें। किसी भी बटन पर टेप, गोंद या अन्य कोई चीज नहीं लगी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि बैलेट यूनिट के बटन पर किसी भी तरह का रंग, स्याही, इत्र या रसायन नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि इससे वोट की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। अगर इस तरह की कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो पीठासीन अधिकारी तुरंत उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी देंगे।

पहलगाम हमले के एक साल, दुनिया भर से निंदा

- यूरोप के 27 देश और ईयू आए भारत के साथ, बोले- भूलेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते साल 22 अप्रैल को भीषण आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने चुन-चुन कर उन लोगों को मार डाला था, जो हिंदू थे। उनका धर्म और नाम पूछकर यह कत्लेआम किया गया था। आज इस घटना को एक साल हो गए हैं और दुनिया भर में इसकी निंदा की जा रही है। इस बीच यूरोपियन यूनियन और उसके 27 सदस्य देशों ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। बुधवार को यूरोपियन यूनियन की ओर से एक पोस्ट किया गया।

ये है भारत की ताकत !

एम-17, सी 295 और तेजस ने भी दिखाया अपना दम

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर फिर भारतीय वायु सेना के विमान गरते। एयरफोर्स के फाइटर विमानों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमान की टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास किया। यह अभ्यास युद्ध या राष्ट्रीय आपातकाल जैसी परिस्थितियों में एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के लिए आयोजित किया गया। दोपहर बाद एयर शो की शुरुआत हुई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। एयर शो को लेकर मंगलवार को ही देश की सेना के जांबाज और फाइटर प्लेन सुलतानपुर आए। वहीं, बुधवार को जगुआर, सुखोई, एमआई 17वी-5 और तेजस की गड़गड़ाहट से पूरा इलाका गूंज उठा।

एयरफोर्स के विमान आए नजर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुलतानपुर में बनी एयरस्ट्रिप पर सुखोई 30, जैगुआर, मिराज गरजते हुए टच डाउन किया। इसके साथ ही वायुसेना के एमआई 17 हैलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्टर सी 295, एएन 32 भी देखने को मिले। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बने एयरस्ट्रिप की लंबाई करीब 3.2 किलोमीटर है। यहां एयरस्ट्रिप की सतह की मोटाई लगभग 320 मिलीमीटर है। यह सुखोई, मिराज-2000 और जैगुआर जैसे भारी लड़ाकू विमानों के उतरने और उड़ान भरने के लिए पूरी तरह सक्षम है। युद्ध के दौरान दुश्मन सबसे पहले वायुसेना के एयरबेस को निशाना बनाता है। ऐसे समय में हाईवे पर बनी यह एयरस्ट्रिप वायुसेना के लिए बैकअप रनवे के काम आती हैं, जिससे सेना विमानों का संचालन जारी रखा जा सकता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

नारदीगंज (नवादा)। भारत की जनगणना -2027 को लेकर बुधवार को नारदीगंज प्रखंड अंतर्गत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण इंटर विद्यालय नारदीगंज में शुरु हुआ। इस प्रशिक्षण में छठे व सप्तम बैच के जनगणना कर्मियों को मकान सूचीकरण आनलाइन प्रक्रिया करने के बारें में जानकारी दी जा रही है। आगामी दो मई 2026 से प्रगणक के माध्यम से मकान सूचीकरण आनलाइन प्रक्रिया होना है। जो 31 मई 2026 को आधी रात तक होगी। प्रशिक्षक में मास्टर ट्रेनर अवधेश कुमार, प्रशिक्षक राकेश कुमार,पंकज कुमार व रवि रंजन कुमार के माध्यम से जनगणना करने की जानकारी दी जा रही है। आप सभी स्व विवेक से काम लेंगे।सबकी सहभागिता जरूरी है। जब आप जनगणना गांव में शुरु करेंगे,तो उत्तर और पश्चिम से शुरू करना है। भारत सरकार का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य है। यह महत्वपूर्ण कार्य करने के किये आप सभी को दिया गया है। प्रगणक और पर्यवेक्षक जनगणना का रीढ़ होते हैं। प्रथम दिवस पर उपस्थित प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना अधिनियम एवं परिभाषाओं तथा एचएलओ व एचएलबी के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में 85 जनगणना कर्मियों को शामिल किया गया है। मौके पर जनगणना कर्मियों में पप्पू कुमार,श्लोक कुमार,राजेश कुमार, धीरज कुमार, जावेद अकरम समेत अन्य रहे हैं।

डीएम आशुतोष द्विवेदी ने कदवा प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण , डीएम के निरीक्षण से मचा हड़कंप

कटिहार। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने प्रखंड कार्यालय कदवा का निरीक्षण किया। डीएम आशुतोष द्विवेदी जब कदवा प्रखंड कार्यालय परिसर में पहुंचे तो प्रखंड परिसर में हड़कंप संभव देखा गया प्रखंड के अधिकांश पदाधिकारी कर्मचारी काफी परेशान दिखे। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार सहित सभी पदाधिकारी ने डीएम आशुतोष द्विवेदी को विधिवत स्वागत करते हुए रिसीव किया और प्रखंड कार्यालय के सभी शाखों का क्रमशः कर्मचारी को सफल बनाने में सहयोग किया। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार से प्रखंड से संबंधित कई जानकारी लिये प्रखंड में चल रहे विभिन्न सरकारी योजनाओं का भी जानकारी लेते हुए कई निर्देश भी दिये।साथ ही कार्यालय में संधारित अभिलेख,पंजी का अवलोकन किया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर समाहर्ता,प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय प्रशाखा सहित अन्य पदाधिकारीगण आदि मौजूद रहे।

लायंस क्लब कटिहार ने पृथ्वी दिवस के पर किया वृक्षारोपण

कटिहार। लायंस क्लब कटिहार ने पृथ्वी दिवस के मौके पर वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करते हुए क्लब के अध्यक्ष धरती को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।लायन काजल महासेठ ने कहा कि आज का दिन हमें याद दिलाता है कि धरती को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना और सौर/पवन ऊर्जा को अपनाना एवं भूजल का संरक्षण और वनीकरण के लिए जरूरी है कि हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन हंशु अग्रवाल डालमिया ने कहा कि हर साल 22 अप्रैल को लोगों को प्रदूषण, वनों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बारे में शिक्षित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाना चाहिए। क्लब के पीआरओ लायन प्रिया गुप्ता के हवाले से जानकारी दी गई कि आज स्थानीय गौशाला परिसर मे 50 पेड़ लगाए गये जिसमे नीम, जामुन, अमरुद के साथ अर्जुन के पेड़ भी शामिल है। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन अनिल चमरिया, पंकज पूर्वे, संतोष गुप्ता, स्वर्ण चमरिया,उपाध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता के साथ मनोज महासेठ, मितेश डालमिया उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन बिल को लेकर महिलाओं का जनाक्रोश, विपक्ष पर साधा निशाना

सहरसा। नारी शक्ति वंदन बिल को लेकर बुधवार को सहरसा के टीपी कॉलेज सभागार में महिलाओं द्वारा जनाक्रोश कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहरसा नगर निगम की महापौर सह मधेपुरा लोकसभा प्रभारी बैन प्रिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस सहित महागठबंधन दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इनके सांसदों का रवैया हमेशा से महिला विरोधी रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने कभी आम महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि केवल अपने परिवार तक ही सीमित रखा। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब देश की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी हैं और अपने हक के लिए आवाज उठा रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने विपक्षी दलों के खिलाफ आक्रोश जताते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में उन्हें इसका जवाब दिया जाएगा। इस अवसर पर कविता साहा, किरण सिंह, मंजू कुमारी उर्फ गुड्डी देवी, चंपा साहु सहित कई जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रीन एनर्जी अपनाने की अपील, सहरसा सोलर मेले में वारी सोलर का स्टॉल आकर्षण का केंद्र

सहरसा। सहरसा में बुधवार को आयोजित सोलर मेले में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान श्री जीडीएच पावर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगाए गए स्टॉल पर सोलर ऊर्जा से जुड़ी जानकारी दी गई। कंपनी के प्रोपराइटर सोनू कुमार मस्करा ने लोगों से सोलर ऊर्जा अपनाकर स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने बताया कि वारी सोलर देश की अग्रणी कंपनियों में शामिल है और बेहतर बिजली उत्पादन के लिए जानी जाती है। कंपनी द्वारा बिहार में अब तक 200 से अधिक इंस्टॉलेशन किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 1 किलोवाट सोलर प्रतिदिन औसतन 4 यूनिट तथा गर्मी में 6-7 यूनिट तक बिजली उत्पादन कर सकता है। लागत की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट सोलर लगाने में करीब 70 हजार, 2 किलोवाट में डेढ़ लाख और 3 किलोवाट में लगभग 2.10 लाख रुपये खर्च आता है। फिलहाल ऑफर के तहत 3 किलोवाट सिस्टम 1.90 लाख रुपये में उपलब्ध है। मेले में वारी सोलर के ग्राहकों को सम्मानित भी किया गया। ग्राहक चंदन कुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सोलर लगाने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने लोगों से ग्रीन एनर्जी अपनाने की अपील की।

सड़क हादसे ने छीनी दो जिंदगियां, शव वाहन न मिलने पर बिलखते परिजनों का फूटा गुस्सा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बाइक से गिरने के बाद अज्ञात वाहन कुचल कर हुआ फरार, जांच में जुटी पुलिस

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के केंदुआ गांव के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो घरों के चिराग बुझा दिए। बाइक पर सवार तीन दोस्तों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि तीसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिरदला से रजौली आ रहे 20 से 25 साल के तीनों युवक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। अभी संभल पाते कि पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया और रफ्तार के साथ फरार हो गया। खून से लथपथ तीनों को ग्रामीणों ने ई-रिक्शा पर लादकर रजौली अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ. परितोष कुमार ने बताया कि तीनों को अस्पताल लाया गया था, लेकिन दो की सांसें अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम चुकी थीं। मृतकों की पहचान सिरदला थाना क्षेत्र के गोनपुर गांव निवासी दिनेश चौधरी के पुत्र सूरज कुमार और गणेश चौधरी के पुत्र लीटो कुमार के रूप में हुई।

वहीं तीसरा युवक महेंद्र राजवंशी का पुत्र रोहित कुमार गंभीर हालत में नवादा रेफर किया गया। जवान बेटों के शव देख परिजनों का कलेजा फट गया। जब उन्हें पता चला कि शव को पोस्टमार्टम के लिए पिकअप में ले जाना होगा तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। शव वाहन की मांग करते हुए बिलखते परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी। आंखों में आंसू और दिल में आक्रोश लिए परिजन स्वास्थ्यकर्मियों से उलझ पड़े। मामला यहीं नहीं थमा, गुस्साए परिजन दोनों शवों को स्ट्रेचर पर लादकर बाईपास होते हुए प्राणचक मोड़ पहुंचे और एनएच-20 को जाम कर दिया। हालांकि सीओ कृष्णकांत चौबे एवं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के साथ एएसआई संजय कुमार ने परिजनों को काफी समझाया,तब जाकर परिजन एनएच से शव को हटाया। सड़क पर शव रखकर रोते बिलखते मां-बाप को देख हर किसी की आंखें नम हो गईं। हर कोई यही सवाल कर रहा था कि क्या गरीब के बेटे की लाश को भी सम्मान नहीं मिल सकता। एक पल में दो हंसते खेलते घरों में मातम पसर गया। गांव में चूल्हे नहीं जले। हर जुबां पर बस यही था कि काश समय पर शव वाहन मिल जाता तो शायद परिजनों का गुस्सा इतना न बढ़ता। इस हादसे ने दो जिंदगियां लील गया और पीछे आंसुओं का सैलाब छोड़ गया।

शव को एनएच-20 पर रख जाम करते परिजन

इस संबंध में प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि परिजनों के कहने पर शव वाहन को जिला मुख्यालय से मंगवाया गया। लेकिन जब तक वाहन आता, परिजन उग्र हो गए। अस्पताल में तोड़फोड़ को लेकर थाने में आवेदन दिया गया है। वहीं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। प्रशासन द्वारा परिजनों को समझा-बुझा कर जाम को हटवाया गया है एवं दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

उप विकास आयुक्त ने जीविका योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा उप विकास आयुक्त, नवादा श्रीमती नीलिमा साहू की अध्यक्षता में जीविका परियोजना अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं उससे संबंधित प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा नवादा जिले में जीविका द्वारा संचालित गतिविधियों की विषयवार समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सभी कार्य बिंदुओं पर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि प्राप्त करने का दिशा-निर्देश दिया गया।स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों की जानकारी संकलित कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, ताकि समाज की अन्य महिलाओं के मनोबल एवं व्यक्तिगत उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु नवाचार आधारित कार्यों को प्रोत्साहित किया जा सके।

जीविका दीदियों द्वारा उत्पादित सामग्रियों की बिक्री बढ़ाकर उन्हें अधिक लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर मार्केट एवं हाट-बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।उप विकास आयुक्त ने विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जीविका दीदियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित कराने की दिशा में कार्य करने का भी निर्देश दिया। बैठक में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक चन्दन कुमार सुमन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन विद्यालय आना जरूरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा): नवादा जिले के नरहट प्रखंड में नामांकन अभियान जोर-शोर से संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि क्षेत्र का प्रत्येक बच्चा विद्यालय से जुड़कर अपने शिक्षा के अधिकार का लाभ उठा सके। इसी क्रम में बुधवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय (यूएमएस) पुनौल में विशेष नामांकन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुखिया प्रीति देवी एवं जिला परिषद सदस्य पुष्पा भारती ने स्वयं उपस्थित होकर बच्चों का नामांकन कराया।

इस अवसर पर नामांकन प्रक्रिया में दस्तावेजों से संबंधित आने वाली त्रुटियों को समझा गया तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला परिषद प्रतिनिधि ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि "आपकी जिम्मेदारी केवल बच्चों का नामांकन कराना ही नहीं है, बल्कि उन्हें प्रतिदिन विद्यालय भेजना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि वे नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त कर सकें।"

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार एवं शिक्षक (मास्टर ट्रेनर) अनिल कुमार पासवान ने की। इस अवसर पर पिरामल फाउंडेशन से गांधी फेलो समीक्षा पाठक भी उपस्थित रहीं। उन्होंने समुदाय और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

यह पहल विद्यालय और समुदाय के बीच सहयोग एवं समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जिससे शिक्षा के प्रति जागरूकता और सहभागिता में वृद्धि होने की उम्मीद है।

राजगीर में पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव, साले ने कहा- यह सुसाइड नहीं, हत्या की गई है

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा के राजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत विरचयत गांव में आज एक 41 साल के व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान गांव के ही निवासी प्रहलाद विश्वकर्मा के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि, इस घटना को लेकर मृतक के परिजनों और पुलिस के बयानों में स्पष्ट विरोधाभास नजर आ रहा है, जिससे मामला पूरी तरह संदिग्ध बना हुआ है।

साले ने आत्महत्या की थ्योरी पर उठाए सवालः मृतक के साले निरंजन विश्वकर्मा ने घटना स्थल की स्थिति पर सवाल उठाते हुए इसे हत्या करार दिया है। उनका कहना है कि जिस आम के पेड़ से शव लटका मिला, वह मात्र 5-6 फीट ऊंचा था और मृतक के पैर पूरी तरह जमीन को छू रहे थे। उन्होंने तर्क दिया कि कोई भी व्यक्ति ऐसी स्थिति में खुद फांसी नहीं लगा सकता, क्योंकि दर्द महसूस होते ही इंसान जमीन पर खड़ा हो सकता है। निरंजन ने यह भी बताया कि घटनास्थल पर किसी अनजान व्यक्ति की गंजी और टी-शर्ट बरामद हुई है।

त्रिशूल बनाने पहुंचा था एक ग्राहकः साले ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 10 बजे कोई व्यक्ति मृतक अधेड़ से त्रिशूल बनवाने के सिलसिले में मिलने आया था और उसके कुछ ही समय बाद यह घटना घट गई। मृतक के छोटे बेटे ने पुलिस को एक ड्राइंग भी दिखाई है जो संभवतः उसी त्रिशूल से संबंधित थी।

साढ़ु की बेटी की शादी में नवादा गया है परिवारः वहीं, दूसरी ओर मृतक के साढ़ू अरुण विश्वकर्मा ने बताया कि परिवार के अधिकांश सदस्य शादी समारोह में नवादा गए हुए थे और घर पर प्रहलाद अपने छोटे बेटे के साथ अकेले थे। दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच यह हादसा हुआ। नवादा में साढ़ू की बेटी की शादी 20 अप्रैल को संम्पन्न हुई है। परिवार के लोग घटना के वक्त नवादा में ही थे।

नशे का आदि था मृतकः इस मामले पर राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार का कहना है कि शुरुआती जांच और बेटे के बयान के अनुसार प्रहलाद खुद घर से रस्सी लेकर निकले थे। पुलिस का यह भी कहना है कि मृतक अक्सर नशे की हालत में रहता था, जिससे मामला आत्महत्या की ओर संकेत करता है। पुलिस फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि लिखित आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कौआकोल में पोषण मेला का आयोजन, कुपोषण मुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड मुख्यालय परिसर स्थित ई-किसान भवन में संचालित बाल विकास परियोजना कार्यालय में बुधवार को पोषण मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर आंगनवाड़ी सेविकाओं द्वारा आकर्षक रंगोली, जागरूकता पोस्टर तथा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार, कुपोषण से बचाव एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को सही पोषण के महत्व की जानकारी दी गई तथा सभी ने मिलकर पोषण शपथ ली और कुपोषण को जड़ से समाप्त करने का संकल्प दोहराया। मौके पर सीडीपीओ, पर्यवेक्षिका सहित आंगनवाड़ी सेविकाएं एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पोषण पखवारा के तहत स्कूलों में जागरूकता मेला का आयोजन

बाल मेला में शामिल बच्चे अन्य

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा)। नरहट प्रखंड में पोषण पखवारा के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों में जागरूकता मेला आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को जंक फूड से दूर रहने और मोबाइल स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को भी पोषण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि वे अपने परिवार, विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दे सकें। केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए गए। गारो बीघा स्कूल में यह कार्यक्रम महिला पर्यवेक्षिका सुनीता कुमारी द्वारा संचालित किया गया, जबकि जमुआरा में महिला पर्यवेक्षिका माधवी कुमारी के नेतृत्व में गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और अभिभावकों में पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह जानकारी सीडीपीओ ज्योति सिन्हा द्वारा दी गई।

नवाचार और परंपरा के संगम से निमटांड स्कूल ने रची सफलता की नई इबारत

कन्या पूजन और उत्सव के साथ मना नामांकन पर्व

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पोषक प्रभातफेरी में बच्चे व शिक्षकगण

रजौली। रजौली प्रखंड की सीमाओं को लांघकर जिला स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका उत्क्रमित मध्य विद्यालय निमटांड एक बार फिर अपनी सृजनात्मकता के लिए सुर्खियों में है। बिहार दिवस पर 'उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान' से नवाजे जा चुके प्रधानाध्यापक राजेश कुमार के नेतृत्व में विद्यालय ने विगत बुधवार को नामांकन अभियान को एक यादगार उत्सव में तब्दील कर दिया। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नामांकन से पूर्व छात्र-छात्राओं ने पूरे पोषक क्षेत्र में प्रभात फेरी निकालकर 'आधी रोटी खाएंगे, फिर भी स्कूल जाएंगे' जैसे गगनभेदी नारों से गांव की गलियों को गुंजायमान कर दिया। विद्यालय परिसर में पहुंचते ही अभिभावकों और बच्चों का स्वागत किसी सरकारी प्रक्रिया की तरह नहीं, बल्कि एक पारिवारिक समारोह की भांति किया गया, जहां शीतल पेयजल, अल्पाहार और सुव्यवस्थित प्रतीक्षा कक्ष ने व्यवस्था की संवेदनशीलता को दर्शाया। नामांकन प्रभारी अंजू कुमारी के देखरेख में कुल 35 नए छात्र-छात्राओं का दाखिला हुआ,लेकिन सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण वह रहा जब पहली कक्षा में नामांकित छात्राओं का विधिवत कन्या पूजन किया गया। शिक्षिका मंजू कुमारी द्वारा इन नन्हीं छात्राओं को चंदन-तिलक लगाकर, आरती उतारकर और मुंह मीठा कराकर न केवल श्रृंगार व लेखन सामग्री भेंट की गई, बल्कि बैग और पाठ्यपुस्तकें देकर उनके शैक्षिक सफर को गरिमा प्रदान की गई। बाल संसद की सदस्यों कीर्ति, मानसी और अनुष्का के मधुर स्वागत गान ने जहां माहौल में उत्साह भर दिया, वहीं वरीय शिक्षक सच्चिदानंद प्रसाद के मंगल वचनों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी। शिक्षिका निखत बानो, नीतू कुमारी और सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में पूरा विद्यालय प्रांगण "स्वच्छ विद्यालय, निपुण विद्यालय, श्रेष्ठ विद्यालय" के संकल्प से गूंज उठा, जो यह सिद्ध करता है कि यदि विजन स्पष्ट हो तो एक ग्रामीण विद्यालय भी देश के लिए रोल मॉडल बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दानापुर के सगुना मोड़ पर बंद महिंद्रा शोरूम में आग, बेसमेंट का सामान जलकर राख

दानापुर,पटना। सगुना मोड़ स्थित महिंद्रा शोरूम में बुधवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के समय शोरूम बंद था, लेकिन बेसमेंट में रखे सामान में आग लगने से भारी नुकसान हुआ और पूरा सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शोरूम से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सहायक अग्निशमन अधिकारी विजय शंकर यादव ने बताया कि आग बेसमेंट में लगी थी, जिससे धुआं तेजी से फैल गया और दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि बेसमेंट में रखा पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया है। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। अग्निशमन विभाग पूरे मामले की जांच में जुटा है।

संस्कृत विदुषी शांति देवी की पुण्यतिथि संस्कृतमय वातावरण में मनाई गई

पटना। "सर्वत्र संस्कृतम्" के संकल्प के साथ आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के तहत संस्कृत शिक्षिका एवं विदुषी शांति देवी की पुण्यतिथि श्रद्धा और संस्कृतमय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए संस्कृत और हिंदी के संवर्धन में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि शांति देवी की स्मृति में आयोजित यह कार्यक्रम केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि एक मां के रूप में शांति देवी से मिली प्रेरणा के कारण ही इस अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में किरण ओझा ने कहा कि शांति देवी अपने प्रधानाध्यापिका काल में बच्चों के बीच संस्कृत में संवाद को प्रोत्साहित करती थीं। उनका मानना था कि भाषा का विकास बोलचाल से ही संभव है। प्रत्यूष शुभम् ने कहा कि शांति देवी का पूरा व्यक्तित्व संस्कृत और हिंदी के संस्कारों से ओत-प्रोत था। वहीं पल्लवी किरण ने कहा कि इस अभियान की मूल प्रेरणा ही शांति देवी हैं, जिनके विचार आज भी लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम में रामसेवक पाण्डेय, रामेश्वर पाण्डेय, अभिनव झा और डॉ सुशील कुमार सहित कई वक्ताओं ने शांति देवी के व्यक्तित्व और उनके शैक्षिक योगदान पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम की शुरुआत स्वस्ति वाचन से हुई, जिसे पल्लवी किरण ने प्रस्तुत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रत्यूष शुभम् ने किया। पूरे आयोजन के दौरान संस्कृत भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह संस्कृतमय हो गया।

गंडक में नहाते 4 लोग डूबे, 2 महिलाओं की मौत, सोनपुर में चौठारी रस्म के दौरान हादसा

हाजीपुर। सारण के सोनपुर थाना क्षेत्र में गंडक नदी में नहाने के दौरान एक ही परिवार के चार लोग डूब गए। इनमें से दो महिलाओं की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। यह घटना बैजलपुर स्थित जगदंबा स्थान के निकट चौठारी रस्म के दौरान हुई। मृतक महिलाओं की पहचान बैजलपुर निवासी जनार्दन सिंह की 42 वर्षीय पत्नी बबीता देवी और पटना के बख्तियारपुर निवासी रवि कुमार की 40 वर्षीय पत्नी गुड़िया देवी के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों महिलाओं को नदी से बाहर निकाला और सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, जनार्दन सिंह की बेटी की शादी बीते सोमवार को हुई थी। शादी के चौथे दिन चौठारी की रस्म अदा करने के लिए परिवार के सदस्य गंडक नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। बाकी डूबे हुए दो व्यक्तियों की खोजबीन गंडक नदी में की जा रही है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस और एसडीआरएफ (SDRF) टीम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है और लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

लापरवाही पर 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड, एसआईटी गठित

हाजीपुर। वैशाली पुलिस अधीक्षक ने महनार थाना क्षेत्र में एक आभूषण व्यवसायी रंजीत कुमार के घर हुई घटना के बाद दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों पर कर्तव्य में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप है, जिसमें समय पर सूचना न देना और वरीय पदाधिकारियों को अवगत न कराना शामिल है, जिससे पुलिस कार्रवाई में देरी हुई। प्राथमिक जांच के अनुसार, 20-21 अप्रैल 2026 की मध्य रात्रि में डायल 112 पर तैनात एएसआई शुक्लेश कुमार घटना स्थल पर पहुंचे थे। हालांकि, उन्होंने किसी भी वरीय अधिकारी को इसकी सूचना नहीं दी। इसी प्रकार, अपर थानाध्यक्ष उदय कुमार सिंह को भी घटना की जानकारी प्राप्त हुई थी। इसके बावजूद, उन्होंने आवश्यक सतर्कता नहीं बरती, त्वरित कार्रवाई नहीं की और न ही वरीय अधिकारियों को सूचित किया। वैशाली पुलिस अधीक्षक ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महनार के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

पति ने प्रेमी से कराई पत्नी की शादी, इंस्टाग्राम पर रील भेजकर हुआ प्यार, एनिवर्सरी से एक दिन पहले की दूसरी शादी

हाजीपुर। वैशाली में एक पति ने अपनी ही पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवा दी। घटना जन्दाहा प्रखंड स्थित खोपी पंचायत की है। मुकेश कुमार माझी की शादी 4 साल पहले 22 अप्रैल 2022 में संजू कुमारी से हुई थी। मुकेश महाराष्ट्र में काम करता है। इसी दौरान संजू का संपर्क सोशल मीडिया के माध्यम से बिटण्टीपुर निवासी वरुण कुमार माझी से हुआ। बातचीत के दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। पति जब घर आया और उसे प्रेम संबंध के बारे में पता चला तो उसने दोनों की शादी करवा दी। 21 अप्रैल 2026 को बाबा बटेश्वरनाथ मंदिर परिसर में घरवालों के मौजूदगी में संजू और वरुण का विवाह संपन्न हुई। प्रेमी वरुण कुमार ने बताया कि एक महीने पहले इंस्टाग्राम पर हम दोनों की मुलाकात हुई थी। देखते ही देखते हम दोनों को प्यार हो गया। वो मुझे अपना रील भेजती थी मैं उसे अपना रील भेजता है। ऐसे ही हमारी बातें शुरू हुई। हम दोनों की अब शादी हो गई है, तो सब राजी खुशी है। संजू के पहले पति भी खुश है और मेरा परिवार भी। अब हम दोनों साथ जिएंगे और साथ मरेंगे।। संजू कुमारी ने कहा कि इंस्टाग्राम पर प्यार हो ही गया तो हम क्या करें। वरुण हमें अपना रील वीडियो भेजा करते थे। इसी दौरान हम दोनों की दोस्ती हो गई थी। हम दोनों एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर ही जानते थे। जब सामने से मुलाकात हुई तो दोस्ती प्यार में बदल गई।

फर्जी सिम कार्ड, टेलीग्राम बॉट्स का यूज कर डेटा चोरी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय साइबर सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। ये गिरोह भारतीय नागरिकों की संवेदनशील निजी जानकारी विदेशी अपराधियों को बेच रहा था। इस हाई-टेक कार्रवाई में पुलिस ने उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरोह अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों, फर्जी एपीआई और टेलीग्राम बॉट्स का उपयोग कर देश की सुरक्षा और नागरिकों की गोपनीयता के साथ खिलवाड़ कर रहा था। साइबर सिंडिकेट के खिलाफ ऑपरेशन की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 को केंद्रीय जांच एजेंसी से मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। मुजफ्फरपुर एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा को जानकारी मिली थी कि अहियापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला रिषभ कुमार अपने घर से ही एक अवैध डेटा एक्सचेंज चला रहा है। मामले की गंभीरता और अंतरराष्ट्रीय संलिप्तता को देखते हुए तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में साइबर थाना, जिला आसूचना इकाई (DIU) और बिहार एसटीएफ (STF) के अधिकारियों को शामिल किया गया। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी के नेतृत्व और साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार की अगुवाई में टीम ने रिषभ कुमार के ठिकाने पर छापेमारी कर उसे धर दबोचा।

पटना हाई कोर्ट साउंड पॉल्यूशन पर सख्त, थानेदारों से मांगा हलफनामा

रात 9:30 बजे के बाद लाउडस्पीकर बजाने पर रोक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को लेकर पटना हाई कोर्ट सख्त हो गया है। इस मामले में वकील सुरेंद्र कुमार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने शहर के कई थानों के प्रभारी से हलफनामा मांगा है। हाई कोर्ट के रुख को देखते हुए पुलिस ने किसी भी आयोजन में रात 9:30 बजे के बाद तेज आवाज में लाउडस्पीकर ने पर रोक लगा दी है।

छात्रों की पढ़ाई पर असर, कोर्ट ने लिया संज्ञानः वकील सुरेंद्र कुमार ने याचिका के जरिये कोर्ट को बताया कि ध्वनि प्रदूषण की दिशा में पटना के शहरी इलाके खासकर के पिरबहोर, कदमकुंआ, गांधी मैदान, आलमगंज, मुसलहपुर, जहां स्टूडेंट सबसे ज्यादा रहते हैं, वहां देर रात तक तेज ध्वनि में गाने वगैरह बजते रहते हैं। इससे रात में पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स परेशान रहते हैं। उनकी स्टडी प्रभावित होती है।

कदमकुआं थाना को फटकारः सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कदमकुआं थाना क्षेत्र में लापरवाही को लेकर थानेदार को फटकार भी लगाई। साथ ही सभी संबंधित थानों को अपने-अपने क्षेत्र में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी हलफनामे के जरिए देने का निर्देश दिया। इसके बाद सभी थानेदारों ने हल्फनाम के जरिये अपने अपने क्षेत्र में ध्वनि प्रदूषण रोकने की दिशा में उठाये गए कदम के बारे में अवगत कराया है। साथ ही इसे सख्ती से लागू कराने की भी बात स्वीकार की है।

9:30 बजे के बाद तेज आवाज पर रोकः कोर्ट के रुख को देखते हुए पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। अब किसी भी आयोजन में रात 9:30 बजे के बाद तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाने पर रोक लगाने की हिदायत दी जा रही है। आयोजकों को पहले से ही इस नियम की जानकारी दी जा रही है।

10 मई को अगली सुनवाईः इस मामले में अगली सुनवाई जस्टिस राजीव राय के कोर्ट में 10 मई होगी। इधर, जिन थानेदारों ने अभी तक हल्फ नाम नहीं दिया है, वो अपने पड़ोस के थानेदारों से कैसे क्या फाइल करनी है, इसके बारे में पूछ रहे हैं। इससे साफ है कि कोर्ट के रुख ने थानेदारों को सकते में ला दिया है। पुलिस महकमे में हलचल बढ़ गई है और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तेजी दिखाई दे रही है।

बिहटा में गैस सिलेंडर के लिए उमड़ी भीड़, 200 मीटर लंबी कतार में घंटों इंतजार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहटा। प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को गैस गोदाम के बाहर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। गैस सिलेंडर लेने के लिए करीब 200 मीटर लंबी कतार लग गई, जिसमें बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी अपने-अपने सिलेंडर के साथ भीषण गर्मी में घंटों इंतजार करते नजर आए। लाइन में खड़े उपभोक्ताओं ने बताया कि वे सुबह से ही गैस लेने के लिए पहुंचे हैं, लेकिन वितरण की धीमी प्रक्रिया के कारण उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। तेज धूप और गर्मी के चलते खासकर बुजुर्गों और महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस दौरान गैस गोदाम के कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है और सभी उपभोक्ताओं को व्यवस्थित तरीके से वितरण किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि भीड़ अधिक होने के कारण वितरण में समय लग रहा है।

इसी बीच बिहटा प्रखंड के बनवारीपुर गांव से आई एक बुजुर्ग महिला भी घंटों लाइन में खड़ी नजर आईं। उन्होंने बताया कि गर्मी के कारण हालत खराब हो रही है, लेकिन जरूरत के कारण इंतजार करना मजबूरी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाए, ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जेईई मेन अंतिम परिणाम में गोल इंस्टीट्यूट का जलवा, छात्रों ने लहराया सफलता का परचम

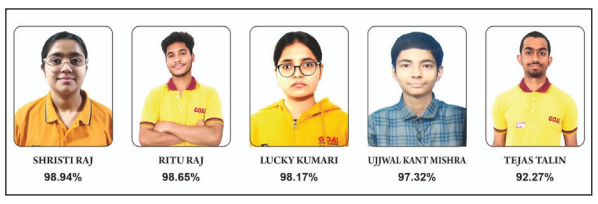

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। जेईई मेन के अंतिम परिणाम में गोल इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस बार भी संस्थान के कई छात्रों ने 95 प्रतिशतांक से अधिक अंक हासिल कर उत्कृष्ट परिणाम दर्ज किया, जिससे कोचिंग की शैक्षणिक गुणवत्ता पर मुहर लग गई है। इस वर्ष के परिणाम में श्रृष्टि राज ने 98.94 प्रतिशतांक, ऋतुराज कुमार ने 98.65 प्रतिशतांक, लकी कुमारी ने 98.17 प्रतिशतांक और उज्ज्वल कांत मिश्रा ने 97.77 प्रतिशतांक प्राप्त कर शीर्ष प्रदर्शन किया, जबकि तेजस ने 92.27 प्रतिशतांक के साथ उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इसके अलावा भी कई विद्यार्थियों ने उच्च प्रतिशतांक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वालों में अपनी जगह बनाई, जिससे संस्थान का नाम और ऊंचा हुआ है। गोल इंस्टीट्यूट के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक बिपिन सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम छात्रों की मेहनत, अनुशासन और संस्थान की सुव्यवस्थित शैक्षणिक प्रणाली का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि गोल का उद्देश्य केवल छात्रों का चयन कराना नहीं, बल्कि उन्हें श्रेष्ठ परिणाम के लिए तैयार करना है। सहायक निदेशक रंजय सिंह ने भी छात्रों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि लगातार बेहतर परिणाम संस्थान की टीम के समर्पण और छात्रों के विश्वास का परिणाम है। वहीं अनुसंधान एवं विकास प्रमुख आनंद वत्स और शैक्षणिक प्रमुख गौरव सिंह ने कहा कि नियमित परीक्षा श्रृंखला, सतत अभ्यास और अवधारणाओं की स्पष्ट समझ पर आधारित पढ़ाई ही इस सफलता की असली कुंजी रही है।

'पप्पू यादव को सार्वजनिक मांफी मांगनी चाहिए'

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- सांसद ने महिलाओं पर की थी टिप्पणी, श्रेयसी सिंह बोली- ऐसी बातें निंदनीय, उनकी सोच को दर्शाती

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने पिछले दिनों ने महिलाओं पर टिप्पणी की थी। जिसके बाद बीजेपी ऑफिस में बुधवार को महिला नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व मंत्री श्रेयसी सिंह, विधायक मैथिली ठाकुर, मोहनिया विधायक संगीता कुमारी और एमएलसी अनामिका सिंह बीजेपी कार्यालय में मौजूद रहीं। इन्होंने पप्पू यादव की टिप्पणी को महिलाओं का अपमान बताया और कहा कि सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। इसके अलावा कांग्रेस नेतृत्व पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा को मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

पप्पू यादव अपने बयान पर कायम हैंः 'महिलाओं की बिना नेताओं के बेड से गुजरे पॉलिटिक्स में एंट्री नहीं होती है।' ये कहने वाले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अपने बयान पर कायम हैं। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ गलत नहीं कहा। मैंने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, दुनिया में जो हो रहा है वो देखते हुए कहा। ये मेरी व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं थी। मैं हमेशा मां-बहनों के साथ खड़ा हूं। मैं इस बात पर भी कायम हूं कि नारी को देवी बनाया गया, लेकिन उसे कभी इज्जत नहीं मिली। महिलाओं के साथ हमेशा शोषण हो रहा है।'

महिलाओं की प्रति कैसी सोच है ये दिखता है- श्रेयसीः श्रेयसी सिंह ने कहा कि जिस तरह से महिलाओं, खासकर राजनीति में सक्रिय महिलाओं को लेकर टिप्पणी की गई है। ये पूरी तरह से निंदनीय है। यह बयान न सिर्फ महिलाओं का अपमान है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि संबंधित नेता की निजी जिंदगी में महिलाओं के प्रति कैसी सोच और व्यवहार है।

ओछी मानसिकता का परिचय है- संगीताः मोहनिया की विधायक संगीता कुमारी ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी बेहद ओछी मानसिकता को दर्शाती है। महिलाओं के प्रति इस तरह का नजरिया रखने की हिम्मत कैसे हुई। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और देश का नाम रोशन कर रही हैं, ऐसे में इस तरह की बयानबाजी अस्वीकार्य है।

कांग्रेस को देना होगा जवाब- अनामिकाः एमएलसी अनामिका सिंह ने इस मुद्दे को कांग्रेस के पिछले शासनकाल से जोड़ते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ घटनाओं पर कांग्रेस का इतिहास सवालों के घेरे में रहा है। कश्मीर से बहनों के विस्थापन और अन्य घटनाओं पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी रही है। अनामिका सिंह ने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी से सवाल करते हुए कहा कि आखिर इस मुद्दे पर वे क्यों नहीं बोल रही हैं।

हर लड़की खुद बनाती है अपनी पहचान- मैथिलीः विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि हर लड़की अपने दम पर अपनी पहचान बनाती है और समाज में आगे बढ़ती है। उन्होंने पप्पू यादव के बयान को "गंदी और ओछी सोच" का परिणाम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि जिस व्यक्ति के घर की महिलाएं खुद राजनीति में सक्रिय हैं, उनके ओर इस तरह की टिप्पणी करना और भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

दानापुर के आरपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

छात्राओं ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

दानापुर। पृथ्वी दिवस के अवसर पर दानापुर स्थित आरपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल में बुधवार को विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी को बचाने का संदेश देते हुए छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के तहत पृथ्वी दिवस की 56वीं वर्षगांठ मनाई गई, जिसमें इस वर्ष की थीम "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" पर विशेष जोर दिया गया। बाल वाटिका से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने चित्रकला के माध्यम से पृथ्वी संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला और स्थायी भविष्य जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की कलाकृतियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता साफ झलक रही थी।

वहीं कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और धरती को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। इस दौरान छात्राओं ने पौधों की देखभाल और हरियाली बढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाने का प्रण लिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या मधु ठाकुर ने छात्राओं को पृथ्वी संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है और छोटी-छोटी पहल से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या ने छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गतिविधियों की सराहना करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश गूंजता रहा।

एलिवेटेड रोड निर्माण में कार्रवाई

नेउरा गंज में रैयती मकान ध्वस्त, मुआवजे को लेकर विवाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहटा, पटना। दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड निर्माण परियोजना के तहत बुधवार को नेउरा गंज में प्रशासन ने एक रैयती मकान को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई पटना जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई, जिसमें अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक टीम मौजूद रही। पूरे इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ध्वस्त किया गया मकान स्थानीय निवासी भगत पंडित का बताया जा रहा है, जिसे सड़क निर्माण के लिए हटाया गया। हालांकि कार्रवाई के दौरान प्रभावित परिवार और आसपास के किसानों ने मुआवजा नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। लोगों का कहना था कि मकान तोड़ने से पहले उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए था। इस मामले में अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रभावित व्यक्ति को जल्द ही मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मकान के लिए लगभग 94 लाख रुपये का मुआवजा निर्धारित किया गया है, जबकि जमीन का मुआवजा अलग से दिया जाएगा। दूसरी ओर, मकान मालिक ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना पूर्व सूचना के उनका घर तोड़ दिया गया, जिससे परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसको लेकर स्थानीय स्तर पर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी जगदीप राणा भी मौके पर मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी कराई गई।

नाले में पलटी जेसीबी मशीन, निर्माण कार्य के दौरान सड़क धंसने से हादसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के जय प्रकाश नगर इलाके में मंगलवार देर शाम को बड़ा हादसा हो गया। जय प्रकाश नगर स्थित आशीर्वाद भवन के पास अचानक सड़क धंसने से वहां काम कर रही जेसीबी (खुदाई मशीन) असंतुलित होकर नाले में पलट गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जेसीबी चला रहा ड्राइवर भी सुरक्षित है।

निर्माण कार्य के दौरान हुआ हादसाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय इलाके में सड़क निर्माण का काम चल रहा था। इसी दौरान सड़क का एक हिस्सा अचानक कमजोर होकर बैठ गया, जिससे भारी मशीन का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नाले में जा गिरी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी। स्थानीय निवासी विशाल सिंह ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में और बड़े हादसे हो सकते हैं।

आरएलएम कार्यकर्ताओं ने निकाला मार्च

महिला आरक्षण बिल के समर्थन में प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद NDA का विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) आज पूरे बिहार में धिक्कार मार्च निकाल रही है। पटना में RLM कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला और विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की। पटना में RLM की रैली में महिलाओं से अधिक पुरुष नजर आए। महिलाएं सिर्फ 3 दिखीं। प्रदर्शन के दौरान पार्टी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश भी पहुंचे। कुशवाहा की पत्नी और बहू इस विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हुईं।

पटना के अलावा समस्तीपुर, नालंदा और औरंगाबाद में भी RLM नेताओं ने प्रदर्शन किया। लखीसराय में भाजपा युवा मोर्चा के सदस्यों ने विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, खगड़िया में RLM कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के पुतले फूंके।

महिला आरक्षण रोककर विपक्ष ने उनका हक छीनाः RLM का कहना है कि इस मार्च के जरिए वे जनता तक यह संदेश पहुंचाना चाहते हैं कि संसद में महिलाओं के अधिकार और प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दों को किस तरह रोका गया। पार्टी इसे जनजागरूकता अभियान के रूप में भी देख रही है। पार्टी नेताओं का कहना है महागठबंधन ने लोकसभा में महिला आरक्षण के खिलाफ वोट देकर महिलाओं से उनका हक छीनने का काम किया है। इससे लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33% आरक्षण मिलने का रास्ता रुक गया है।

संक्षिप्त समाचार

निर्विरोध दो पैक्स अध्यक्षों समेत सभी सदस्यों के बीच बांटे गए प्रमाण पत्र

कोचस (रोहतास)। बुधवार को कोचस पैक्स एक एवं कोचस नगर साख समिति दो के नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रखंड मुख्यालय में निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ चंद्रभूषण गुप्ता ने विजयी प्रमाण पत्र दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रमाणपत्र देते हुए बताया कि कोचस पैक्स एक के अध्यक्ष पद के लिए सुनील कुमार दूबे एवं कोचस नगर पंचायत साख समिति दो के लिए अध्यक्ष संतोष सिंह समेत सभी सदस्यों को प्रमाणपत्र दिया गया। उन्होंने बताया कि दोनों पैक्स के अध्यक्ष समेत सभी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। जिन्हे प्रमाणपत्र दिया गया। अब वें कमिटी बना किसानों के हित के लिए काम करना शुरू कर देंगे। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील दूबे ने कहा कि किसानों के हित में जो भी करना होगा उसके लिए अथक प्रयास करेंगे। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता तेजनारायण दूबे ऊर्फ छठु दूबे, पूर्व मुखिया धनंजय सिंह,बबलू दूबे, धनंजय दूबे, संतोष दूबे समेत सभी नवनिर्वाचित सदस्य मौजूद थे।

डीएम एवं एसपी के संयुक्त आदेश पर कटिहार जिले के विभिन्न स्थान पर विशेष अभियान चलाया

कटिहार। डीएम एवं एसपी के संयुक्त आदेश पर आज जिले के विभिन्न स्थान पर विशेष अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी सुवीर रंजन ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र में 105 वाहनों की जांच में 58 वाहनों से राशि 1500 रुपये,सहायक थाना क्षेत्र में 190 वाहनों की जांच हुई, जिसमें 50 वाहनों से राशि 80000 रुपये मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में 95 वाहनों की जांच में 40 वाहनों से राशि 59000 रुपये,रौतारा थाना में 50 वाहनों की जांच हुई, जिसमें 17 वाहनों से 60000 रुपये,मनसाही थाना 35 वाहनों में 13 वाहनों से 67000, डंडखोरा थाना 80 वाहन जांच में 28 वाहनों से 43000, हसनगंज थाना क्षेत्र में 70 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 25 वाहनों से 81 हजार, प्राणपुर थाना क्षेत्र में 20 वाहनों की जांच की गई। जिसमें आठ वाहनों से 8000, रोशना थाना क्षेत्र में 90 वाहनों की जांच की गई।जिसमें 44 से 56000, कोढ़ा थाना क्षेत्र में 120 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 45 वाहनों से 56000, कुरसेला थाना क्षेत्र में 115 वाहनों की जांच की जिसमें 61 वाहनों से 1,26,500, बरारी थाना क्षेत्र से 110 वाहनों की जांच की जिसमें 43 वाहनों से 90600, सेमापुर थाना क्षेत्र में 130 वाहनों की जांच की गई जिसमें 52 वाहनों से 72000, फलका थाना क्षेत्र में 95 वाहनों की जांच की गई जिसमें 49 वाहनों से 92 हजार रुपये, पोठिया थाना क्षेत्र 90 वाहनों की जांच की गई जिसमें 30 वाहनों से 46000, मनिहारी थाना क्षेत्र में 35 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 12 वाहनों से 2500 रुपए, अमदाबाद थाना क्षेत्र में 50 वाहनों की जांच की गई।जिसमें 17 वाहनों से 33,500,कचना ओपी में 45 वाहनों की जांच की गई। इसमें 16 वाहनों से 16000 रुपये,सुधानी थाना क्षेत्र में 35 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 12 वाहनों से 16000, अआवादपुर थाना क्षेत्र में 110 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 48 वाहनों से 65000, कदवा थाना क्षेत्र में 65 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 35 वाहनों से 58000, बलिया बेलोन थाना क्षेत्र में 55 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 30 वाहनों से 30000, बलरामपुर थाना क्षेत्र में 80 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 34 वाहनों से 55100,तेलता ओपी क्षेत्र में 25 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 15 वाहनों से 17000 रुपये,आजमनगर थाना क्षेत्र में 90 वाहनों की जांच की गई।जिसमें 50 वाहनों से 60000, सालमारी ओपी क्षेत्र में 25 वाहनों की जांच की गई।जिसमें 12 वाहनों से 30000 रुपये,यातायात थाना पुलिस ने 225 वाहनों की जांच की। जिसमें 138 वाहनों से 340000, पुलिस उपाधीक्षक यातायात में 52 वाहनों की जांच की। जिसमें 10 वहां से 53000, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर वन कटिहार ने 25 वाहनों की जांच की जिसमें 9 वाहनों से 15000, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर टू कटिहार ने 70 वाहनों की जांच की। जिसमें 30 वाहनों से 32000, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय कटिहार ने 85 वाहनों की जांच की। जिसमें 35 वाहनों से 51000,मनिहारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने 90 वाहनों की जांच की। जिसमें 61 वाहनों से 10500, पुलिस निरीक्षक अंचल ब कटिहार ने 80 वाहनों की जांच की जिसमें आठ वाहनों से 22000, पुलिस निरीक्षक मनिहारी आंचल ने 65 वाहनों की जांच की। जिसमें 42 वाहनों से 63,500 कोढ़ा अंचल के पुलिस निरीक्षक ने 85 वाहनों की जांच की। जिसमें 30 वाहनों से 30000, बारसोई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी 140 वाहनों की जांच की। जिसमें 70 वाहनों से 95000,जिला परिवहन पदाधिकारी सुवीर रंजन ने बताया कि थाना वार कुल 2827 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 1277 वाहनों से 22800 राजस्व प्राप्त हुआ।जिला परिवहन कार्यालय कटिहार के द्वारा 480 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 171 वाहनों से 914400 राजस्व की प्राप्ति हुई है।थाना तथा जिला परिवहन कार्यालय द्वारा कुल अधिरोपित दंड 3307 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 1448 वाहनों से 31 लाख 35200 राजस्व की प्राप्ति हुई है।

आजमनगर के गढ़वीरा सिखटिया में स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से यक्ष्मा रोगियों की हुई पहचान

कटिहार। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज, 22 अप्रैल 2026 को प्रखंड के गढ़वीरा सिखटिया में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण पहल नौरिया एग्री केयर प्राइवेट लिमिटेड, स्वास्थ्य विभाग और डब्ल्यू.एच.पी. पी.पी.एस.ए. के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुई।

इस विशेष शिविर का मुख्य केंद्र बिंदु यक्ष्मा (टीबी) के रोगियों की पहचान करना था, ताकि इस गंभीर बीमारी को फैलने से रोका जा सके और प्रभावित व्यक्तियों को समय पर उपचार मिल सके। कार्यक्रम के दौरान कुल 100 लाभार्थियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया, जिनमें से 80 व्यक्तियों की विशिष्ट जाँचें की गईं। इन जाँचों के अंतर्गत मुख्य रूप से रक्त शर्करा, रक्तचाप, एच.आई.वी. और यक्ष्मा के लक्षणों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जाँच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चिन्हित मरीजों के बीच निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग और उनकी सहयोगी संस्था डब्ल्यू. एच.पी. के प्रतिनिधि कमलेश कुमार शाह के साथ नौरिया संस्था के मोहम्मद नसीमुद्दीन एवं पवन तिवारी ने सक्रिय भूमिका निभाई। इन सभी विशेषज्ञों ने मिलकर शिविर में आए किसानों और अन्य ग्रामीणों को न केवल स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा दी, बल्कि उन्हें भविष्य में स्वस्थ रहने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव और परामर्श भी प्रदान किए।

इस पूरे आयोजन का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को गंभीर बीमारियों की समय पर जानकारी मिल सके और उन्हें बिना किसी आर्थिक बाधा के मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त हो। स्थानीय निवासियों ने स्वास्थ्य विभाग और नौरिया एग्री केयर की इस सामूहिक पहल का स्वागत किया और इसे क्षेत्र के लिए एक अत्यंत लाभकारी कदम बताया।

बिक्रमगंज एवं दिनारा के 10 बकायेदार उपभोक्ताओं पर नीलामवाद की कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास : विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज द्वारा राजस्व वसूली को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के तहत लंबे समय से विद्युत विपत्र (बिजली बिल) का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि बकायेदार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई लगातार जारी है । कनेक्शन कटने के बाद भी बकाया राशि जमा नहीं करने पर बिहार एवं उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम 1914 के तहत नीलामवाद (सर्टिफिकेट केस) दर्ज की जा रही है,ताकि बकाया राशि की वसूली कानूनी माध्यम से सुनिश्चित की जा सके । उसी क्रम में 10 बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध नीलामवाद दर्ज करने हेतु नीलामपत्र पदाधिकारी बिक्रमगंज कार्यालय को तथ्य विवरणी उपलब्ध करा दी गई है । जिन उपभोक्ताओं के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है,उनमें बिक्रमगंज सासाराम रोड के शमीम हुसैन पिता हबीब अंसारी पर 73 हजार 543, बिक्रमा राम पिता मोतिचंद्र राम पर 65 हजार 970,डेहरी रोड के तेतरा खातून पति जफर खान पर 67 हजार 109,सिकरिया रोड के नजमा खातून पति गुलाम लवी पर 27 हजार 121,अहमद नगर के हुस्न परी पति अब्दुल हलीम पर 1 लाख 65 हजार 601,अकील अहमद पिता मो. मैनुद्दीन पर 1 लाख 24 हजार 729, गुलजारबाग के मंगरा देवी पति रामा शंकर साह पर 1 लाख 35 हजार 623 व प्रखंड दिनारा के भानपुर निवासी कृष्णा कुमार सिंह पिता अयोध्या सिंह पर 83 हजार 978, दिनारा वार्ड 10 के लियाकत मियां पिता कलाम मियां पर 23 हजार 729,मुस्तफापुर के मो.हसीब खान पिता इस्तियाक खान पर 12 हजार 009 रूपये लंबे समय से बकाया रहने के कारण यह कार्रवाई की गई है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर अपने बिजली बिल का भुगतान करें ताकि अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके। समय पर भुगतान से न केवल उपभोक्ताओं को सुविधा मिलती है,बल्कि निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित होती है। उपभोक्ता अपने नजदीकी विद्युत कार्यालय अथवा ऑनलाइन माध्यम से आसानी से बिल का भुगतान कर सकते हैं ।

सड़क पर बिखरे गिट्टी पर बाइक फिशल खाई में पलटी, दो घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास) थाना क्षेत्र के गारा गांव के समीप नदी पर बने पुल पर बिखरे गट्टी पर बाइक फिसल पुल से 15 फिट खाई में जा गिरा जिसमें पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में ग्राम बसनीया जिला गाजीपुर उत्तर प्रदेश निवासी ब्रिजेश पासवान पिता राम निशांत तथा किरण देवी पति ब्रिजेश पासवान शामिल है।

घटना के बारे में बताया जाता है कि घायल दंपति बाइक पर सवार हो अपने गांव बसनीया उत्तर प्रदेश से बहन के घर शादी समारोह में शामिल होने कोचस थाना क्षेत्र के कुछीला गांव जा रहे थे, तभी गारा गांव के समीप नदी पर बने पुल पर रोड निर्माण के लिए सड़क पर बिखरे गिट्टी पैर फिसल अनियंत्रित हो गई जहां पुल से 15 फीट खाई में जागीरी जिसमें पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। गलीमत रही की नदी में पानी नहीं थे नहीं तो दोनों की मौत हो जाती। स्थानीय लोगों की पहल से दोनों घायल को खाई से बाहर निकाला गया जहां भागीरथा स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक डॉक्टर कामेश्वर सिंह के देखरेख में उपचार चल रही है। चिकित्सक ने बताया कि दोनों को काफी गंभीर चोट आई है। हालांकि रिश्तेदार सूचना के बाद उक्त हॉस्पिटल पहुंच गए हैं।

आपको बताते चले कि पूर्व मे पुल से वाहन गिरने से कई लोगो की मौतें हो चुकी है, पुल के पास हो रहे दुर्घटना मे मौत से त्रस्त स्थानीय ग्रामीणों ने पूर्व मे जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा था फिर भी कोई ठोस कदम नही उठाया गया। यहां तक कि पूर्व और वर्तमान विधायक का भी ध्यान नही है।

गंगा स्नान करते समय एक परिवार के चार लोग डूबे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत बघाड़ गांव में एक ही परिवार के चार लोग सोनपुर की गंडक नदी में डूब गए हैं। इस घटना में अब तक दो महिलाओं के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो मासूम बच्चे अभी भी लापता हैं। बघाड़ निवासी नंदू सिंह की नतनी की शादी सोनपुर के बैजलपुर गांव में 20 अप्रैल को हुई थी। इस वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नंदू सिंह अपने पूरे परिवार के साथ 18 अप्रैल को ही बैजलपुर पहुंचे थे। खुशियों का माहौल तब गम में बदल गया, जब बुधवार, 22 अप्रैल को शादी की रस्मों के बाद परिवार के सदस्य गंडक नदी में स्नान करने के लिए पहुंचे।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: स्नान के दौरान गहरे पानी का अंदाजा न होने के कारण रवि सिंह की 36 साल की पत्नी गुड़िया देवी, उनकी 45 साल कीबहन बबीता देवी, 14 साल की रिया कुमारी और 12 साल के बेटा रिशु कुमार नदी की तेज धार में बह गए। स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें गुड़िया देवी और बबीता देवी के शवों को निकाल लिया गया है। प्रशासन ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।

रिया और रिशु का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है, जिनकी तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम लगातार नदी के अलग-अलग हिस्सों में सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस भीषण हादसे के बाद बघाड़ गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा हुआ है और हर घर में शोक की लहर है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के दर्जनों लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने के लिए सोनपुर रवाना हो गए हैं।

रवि सिंह दिल्ली में एक निजी संस्थान में कार्यरत हैं, जबकि उनके पिता नंदू सिंह गांव में ही रहकर खेती-बाड़ी करते हैं। एक साथ परिवार के चार सदस्यों के साथ हुए इस हादसे ने शादी की खुशियों को गहरे शोक में तब्दील कर दिया है।

घर में सो रही मां-बेटी की हत्या, महिला के पति ने गला घोंटकर पत्नी और नाबालिग को मार डाला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरोपी मानसिक रूप से बीमार

नालन्दा। नालंदा के खुदागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जेठौना गांव में मंगलवार की रात मां-बेटी की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि वारदात को महिला के पति ने ही अंजाम दिया है। आरोपी मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। मृतकों की पहचान आरोपी संजय कुमार की 32 साल की पत्नी सनिशा देवी और 14 साल की बेटी स्नेहा कुमारी के रूप में हुई है। जेठौना गांव में देर रात हुई डबल मर्डर के बाद सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी के बाद मृतका के परिजन गया के बेलागंज से नालंदा पहुंचे हैं।

पत्नी और बेटी के साथ घर में रहता था आरोपी: घटना की जानकारी मिलते ही हिलसा डीएसपी-2 ऋषिराज और खुदागंज थाना अध्यक्ष दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि घर में केवल पति, पत्नी और बेटी ही रहते थे। मृतका सनिशा देवी की बहन सोनी देवी ने बताया कि उन्हें फोन पर दोनों के बेहोश होने की सूचना मिली थी, लेकिन जब वे घर पहुंचे तो देखा कि दोनों के शव पलंग पर रखे हुए थे। करीब से देखने पर पता चला कि स्नेहा के गले पर निशान हैं और सनिशा देवी की गर्दन मरोड़ी गई है, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी पति का चल रहा इलाज: मृतका का पति संजय महतो मानसिक रूप से अस्थिर है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संजय को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है और उसे इलाज के साथ-साथ पूछताछ के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। डीएसपी ऋषिराज ने बताया कि घटनास्थल को सुरक्षित कर दिया गया है और साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल (FSL) की टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। पुलिस इस बिंदु पर जांच कर रही है। ग्रामीण इस घटना से स्तब्ध हैं क्योंकि परिवार में पहले कभी किसी बड़े विवाद की बात सामने नहीं आई थी। इसी साल स्नेहा ने मैट्रिक की परीक्षा पास की थी।

हत्या में संजय अकेला या कोई और भी साथ था?: जेठौना गांव के एक ग्रामीण ने बताया कि बीती शाम खेत में काम कर संजय कुमार घर आया था। शाम करीब 7:30 बजे के बीच उसने अपनी पत्नी और बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। इस जघन्य वारदात में संजय अकेला नहीं है। उसके साथ कोई और भी शामिल हो सकता है, क्योंकि अकेले दो लोगों की हत्या करना संजय के बस की बात नहीं थी। वहीं, गया जिला के हवाई अड्डा के रहने वाले मृतका के पिता अजित कुमार ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि घरेलू विवाद में उनके दामाद और कुछ लोगों ने मिलकर उनकी बेटी और नातिन की गला दबाकर हत्या कर दी है।

पूछताछ में पुलिस से आरोपी ने कहा- मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा: खुदागंज थाना अध्यक्ष दुर्गेश गहलोत ने बताया कि आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल वह कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रहा है। वह बस इतना कह रहा है कि उसका दिमाग काम नहीं कर रहा है। आरोपी सनकी टाइप है। हत्या करने के बाद आरोपी अपनी बहन के घर केवाली गांव चला गया था। जहां परिवार को उसकी हरकतों से शक हुआ। इसके बाद डायल 112 एवं स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। गांव पहुंचकर आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया और उस लेकर जेठौना गांव पहुंची और घर से शव को बरामद किया गया। आरोपी के घर से डॉक्टर का परामर्श पर्चा भी बरामद किया गया है जिसमें गया के डॉक्टर का नाम पता अंकित है। जहां से इसके दिमाग का उपचार चल रहा था।

डीएम आशुतोष द्विवेदी ने सड़क सुरक्षा विशेष अभियान का लिया जायजा

डीएम ने जांच करने वाले पदाधिकारी से जानकारी लेते हुए उन्हें कई निर्देश दिया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने सड़क सुरक्षा विशेष अभियान का जायजा लिया।सड़क सुरक्षा को सुधार करने,यातायात अनुशासन को कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने, दुर्घटनाओं में गुणात्मक कमी लाने,अवैध अनियमित वाहनों परिचालन,ओवरलोडिंग, ओवर स्पीडिंग एवं खतरनाक ड्राइविंग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा जनजीवन एवं सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मोटरयान अधिनियम 1988 संशोधित केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 बिहार मोटर वाहन नियम 1993 एवं बिहार सड़क सुरक्षा परिषद नियम 2018 के प्रावधान के आलोक में पूरे जिले में व्यापक परिणाम मुख्य यातायात प्रवर्तन निरीक्षक अभियान संचालित किया गया। यह अभियान आज सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ हुआ और शाम तक चली। अभियान का जायजा जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने कटिहार जिले के विभिन्न भागों में घूम-घूम कर लिया और जांच करने वाले पदाधिकारी से जानकारी लेते हुए उन्हें कई निर्देश दिया है।

जिला परिवहन पदाधिकारी सुवीर रंजन ने बताया कि पुलिस दम एवं एसपी के संयुक्त आदेश पर आज सुबह 8:00 बजे से विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया गया। इससे किन अभियान में सभी प्रकार के वाहनों का विधि संबंध एवं तकनीकी जांच की गई। इसमें दो पहिया वाहनों पर चालक एवं पीछे बैठे सवार दोनों के लिए हेलमेट का जांच किया। प्राइमरी लाइसेंस, पंजीकरण, बीमा फिटनेस परमिट, ध्वनि प्रदूषण, सर्टिफिकेट एवं अन्य वैधानिक अभिलेखों का अनिवार्य रूप से सत्यापित किया गया। दस्तावेजों का सत्यापन विहान एवं सारथी पोर्टल पर उपलब्ध डाटा आवेश से मिलान किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी सुवीर रंजन ने बताया कि जिला अंतर्गत सभी राष्ट्रीय मार्गो, राज्य मार्गों, जिला सड़कों प्रमुख चौराहा, यातायात जकशनों, बाजार क्षेत्र, बस स्टैंड रेलवे स्टेशन तथा पूर्व में चिन्हित दुर्घटना स्थल पर अभियान चलाया गया।

भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय ग्रुप कटिहार के राष्ट्रपति स्काउट -गाइड रोवर-रेंजर,एसोसिएशन ऑफ टॉप अचीवर स्काउट कटिहार के सदस्यों के द्वारा जिला मुख्यालय कार्यालय माहेश्वरी अकादमी के परिसर में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि रीना गुप्ता जिला कला संस्कृति पदाधिकारी के द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा समाज में हरियाली के प्रति जागरूकता फैलाना ही विश्व के कल्याण के लिए सही कदम है। इस कार्यक्रम में महेश्वरी अकादमी प्रधानाध्यापक विजय प्रकाश,राजेश कुमार वर्मा जिला कोऑर्डिनेटर, रामबाबू ने भी अपना वक्तव्य रखा।इस साल का थीम 'हमारी शक्ति,हमारा ग्रह' पर भी प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अटास सदस्य डॉक्टर कुमार अमरेश ,पवन कुमार साह,रंजन कुमार ,प्रिया कुमारी एवं गाइड मुस्कान कुमारी,प्रिया कुमारी, इशिका कुमारी,अंजली कुमारी,प्रिया कुमारी स्काउट बप्पी राय,मो. अफजल, अंकित कुमार,आर्यन कुमार आदि मौजूद थे।

लोहिया नगर निवासी अनुष्का कश्यप ने सीबीएससी मैट्रिक परीक्षा में 97% अंक लाकर जिले में रही अव्वल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। शहर के लोहिया नगर, वार्ड संख्या 12 की निवासी अनुष्का कश्यप ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा में 97% अंक लाकर जिले में अव्वल रही है। अनुष्का कश्यप को 500 पूर्णांक में 485 अंक मिला है, जो 97% है। अंग्रेजी में 94,संस्कृत में 98, गणित में 94, विज्ञान में 98, सोशल विज्ञान में 95, पेंटिंग में 100 अंक प्राप्त की है। अनुष्का कश्यप यूपीएससी के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहती है और आईएफएस बनना चाहती है। अनुष्का कश्यप का जन्म 5 फरवरी 2011 को हुआ है। उनके माता पिंकी कुमारी अधिवक्ता हैं।पिता अवधेश कुमार,रेलवे विभाग में स्टेशन अधीक्षक हैं। मैट्रिक की परीक्षा का परिणाम घोषित होने पर अनुष्का कश्यप को सबसे पहले नानी चंद्रकला मिश्रा,मौसी शिखा स्नेहा,रूबी कुमारी, रिंकी मिश्रा,माता पिंकी कुमारी,मामा मनीष कुमार,सानू कुमार, मौसा रवि शेखर,राकेश कुमार,चंदन झा,मामा रोशन झा,मामी स्नेहा झा ने मिठाई खिलाकर बधाई दिया है।

अनुष्का कश्यप ने मैट्रिक परीक्षा में अच्छे परिणाम का श्रेय सबसे पहले स्वयं को देती है। उसके पश्चात नानी, माता-पिता, मौसी के साथ-साथ स्कॉटिश पब्लिक स्कूल परिवार को दी हैं।

अनुष्का कश्यप की माता पिंकी कुमारी, नानी चंद्रकला मिश्रा ने बताया कि नर्सरी से सीनियर केजी तक की पढ़ाई किडजी विद्यालय में की है।वर्ग 1 से 10 तक स्कॉटिश पब्लिक स्कूल कटिहार में पढ़ाई की है। अनुष्का कश्यप बचपन से पढ़ाई में काफी मेधावी रही है। पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न विधाओं में निपुण है। इन्होंने बचपन से अब तक दर्जनों विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं में अव्वल स्थान प्राप्त की है। आयोजन समिति के द्वारा इन्हें प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं कप एवं शिल्ड देकर पुरस्कृत किया गया है। अनुष्का कश्यप बताती है कि जब मैं पहली कक्षा में वर्ष 2016 में एस.आई. पी. प्रतियोगिता परीक्षा नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त की थी। जब मैं द्वितीय

कक्षा में पढ़ रही थी, 2017 में गणित प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त की थी। जब मैं पांचवी कक्षा में पढ़ रही थी, 2021 में लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, हैंडराइटिंग प्रतियोगिता में प्रथम, निबंध प्रतियोगिता में प्रथम,

जब मैं वर्ग सात में थी,2022 में पोस्टर एंड स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम, न्यूजपेपर राइटिंग में प्रथम, 2023 में अंग्रेजी प्रतियोगिता में प्रथम, स्टोरी टेलरिंग में तृतीय स्थान, निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, हैंडराइटिंग प्रतियोगिता में प्रथम,आर्टिकल प्रतियोगिता में प्रथम,पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम प्राप्त की थी।आयोजन समिति के द्वारा मुझे प्रशस्ति पत्र,मेडल,कप एवं शिल्ड देकर पुरस्कृत किया गया। जब मैं वर्ग 9 में 2024 में वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम,जिला स्थापना दिवस पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, गणित ओलंपियाड में प्रथम स्थान प्राप्त की।

2025 में पूरे वर्ष में प्रथम रैंक पर रही। साइंस क्विज में तीसरे स्थान पर रही। अंग्रेजी प्रतियोगिता में प्रथम,2024 में प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर रही। 2025 से 2026 तक स्कूल में कैप्टन रही। साथ ही स्टूडेंट आफ ईयर रही। अनुष्का कश्यप की रुचि संगीत,नृत्य, पेंटिंग, लेखन कार्य में है। अनुष्का कश्यप ने आने वाले वर्ष में मैट्रिक की परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राओं को संदेश में कहा कि छात्र-छात्राओं को हर दिन पढ़ना चाहिये। खुद पर भरोसा रखकर पढ़ना चाहिये। नियमित रूप से पढ़ने से परिणाम बेहतर आ सकता है। सीडब्लूसी के निःवर्तमान सदस्य, शिक्षा विद,शिक्षा प्रेमी,सीनियर एडवोकेट सह समाजसेवी प्रवीण कुमार झा ने अनुष्का कश्यप के घर पहुंच कर मिठाई खिलाकर बधाई दिया। अनुष्का कश्यप का मनोबल बढ़ाते हुए अपने लक्ष्य और उद्देश्य में सफल होने की अग्रिम शुभकामनाएं दिया।साथ ही अनुष्का कश्यप की माता पिंकी कुमारी,नानी चंद्रकला मिश्रा सहित अन्य पारिवारिक सदस्य को बधाई दिया है।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में बाजार समिति के पास मिली अधजली लाश, पेट्रोल डालकर युवक की हत्या की आशंका

नालंदा। नालंदा के लहेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार समिति कैंपस के बाहर बुधवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक दुकान के बाहर एक अज्ञात व्यक्ति का अधजला शव बरामद किया गया। मामले की जानकारी के बाद स्थानीय लोगों और व्यापारियों की घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। शव की स्थिति को देख ये अंदेशा जताया जा रहा है कि व्यक्ति की हत्या कहीं और करने के बाद साक्ष्य छुपाने की नीयत से पेट्रोल डालकर उसे दुकान के बाहर काउंटर से छुपा कर रख दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही लहेरी थाना और दीपनगर थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल को सुरक्षित कर दिया गया है और साक्ष्य संकलन के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला (FSL) की टीम को भी बुलाया गया है। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है, जिसके लिए पुलिस आसपास के थानों और स्थानीय लोगों से संपर्क साध रही है। मामले की जानकारी देते हुए बिहार शरीफ सदर डीएसपी वन नुरुल हक ने बताया कि सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि देवीसराय चौक के समीप बाजार समिति की दुकान संख्या 14 के पास एक शव पड़ा है। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तो पाया कि शव फोरलेन से करीब 50 मीटर पहले स्थित एक दुकान के काउंटर और शटर के बीच पड़ा हुआ था। उन्होंने पुष्टि की कि शव आंशिक रूप से जला हुआ है। डीएसपी ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और फिलहाल विधि व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। पुलिस हर संभावित बिंदु पर अनुसंधान कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

नालंदा में सड़क हादसे में पॉलिटेक्निक छात्र की मौत, कॉलेज से छुट्टी के बाद दोस्त के साथ लौट रहा था

नालंदा। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र अंतर्गत पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप मंगलवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में फाइनल ईयर के छात्र की जान चली गई। मृतक की पहचान गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित नगमा गांव निवासी रामाशीष चौहान के 24 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में नवादा निवासी एक अन्य छात्र अभिषेक भी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। पंकज के चाचा राम भजन चौहान ने बताया कि पंकज अस्थावां पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष का छात्र था और वहीं रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहा था। घटना उस वक्त हुई जब कॉलेज से छुट्टी होने के बाद वह पैदल ही अपने कमरे की ओर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक ऑटो और मोटरसाइकिल के बीच हुई भीषण टक्कर की चपेट में वह आ गया। पंकज और अभिषेक दोनों वाहनों के बीच में आने के कारण बुरी तरह जख्मी हो गया था। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायल छात्रों को इलाज के लिए अस्थावां रेफरल अस्पताल ले जाया गया। छात्रों की नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, सदर अस्पताल में इलाज के दौरान पंकज कुमार ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही अस्थावां थाना पुलिस सक्रिय हो गई। थाना अध्यक्ष उत्तम कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि परिजनों से आवेदन प्राप्त होते ही मामले में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस दुर्घटना में शामिल वाहनों की पहचान करने में जुटी है।

दीपनगर में होम्योपैथिक डॉक्टर के घर से लाखों की चोरी सीसीटीवी का डीवीआर भी साथ ले गए चोर

नालंदा। नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के दीपनगर बाजार में बेखौफ अज्ञात चोरों ने एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस की गश्ती व्यवस्था को चुनौती दी है। चोरों ने होम्योपैथिक चिकित्सक महेंद्र प्रसाद के बंद घर को निशाना बनाते हुए करीब 10 लाख रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी समेत अन्य कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। इस मामले में पीड़िता गीता देवी ने दीपनगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना के संबंध में पीड़िता गीता देवी ने बताया कि वह अपने पति के साथ बीते 1 अप्रैल को बेंगलुरु में रह रहे अपने बेटे से मिलने गए थे। घर बंद होने के कारण वे लगातार वहां से मोबाइल के जरिए घर में लगे सीसीटीवी कैमरों पर नजर रख रहे थे। इसी बीच 14 अप्रैल को अचानक सीसीटीवी कैमरों ने काम करना बंद कर दिया। उस वक्त उन्हें लगा कि शायद चूहों ने तार काट दिया होगा, जिसके कारण संपर्क टूट गया है। चोरी का खुलासा तब हुआ जब 20 अप्रैल को गीता देवी ने अपने घर की दाई को फोन कर पौधों में पानी देने के लिए कहा। दाई जब घर पहुंची तो उसने देखा कि मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई है और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है। बुधवार को घर लौटी पीड़िता ने बताया कि बदमाशों ने घर को पूरी तरह खंगाला है। चोरों ने अलमारी में रखे लगभग 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और 20 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए हैं। इसके अलावा मंदिर में रखी चांदी की राधा-कृष्ण की मूर्ति और बांसुरी भी गायब है। शातिर चोरों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से कमरे के अंदर लगे एक सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिया और अपने साथ सीसीटीवी का डीवीआर भी ले गए ताकि उनकी पहचान न हो सके। घटना की सूचना मिलने के बाद दीपनगर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। इस संबंध में दीपनगर थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि चोरी का आवेदन प्राप्त हुआ है और पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है। चोरों की पहचान के लिए आसपास के घरों और दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का उद्भेदन कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नालंदा बनेगा कृषि मेगा हब, स्टार्टअप से बढ़ेगा रोजगार, ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा मिलेगा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में आज नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सर्वांगीण विकास, केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और आम जनमानस की समस्याओं के निष्पादन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में पिछली कार्रवाई के अनुपालन की समीक्षा की गई, जिसके बाद जिलाधिकारी की ओर से पीपीटी के माध्यम से विभिन्न विभागों की वर्तमान स्थिति और उपलब्धियों की जानकारी साझा की गई।

सांसद ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि जन प्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए स्थानीय मुद्दों और विकास की बाधाओं को अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर दूर करें। उन्होंने मानसून से पूर्व जिले के सभी तटबंधों की मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि बाढ़ जैसी स्थिति से बचा जा सके। साथ ही, उन्होंने आगामी मलमास मेले के महत्व को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हावड़ा से राजगीर तक विशेष रेलगाड़ी के परिचालन का आश्वासन दिया।

क्रांतिकारी बदलाव लाने पर जोर दिया: बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने पर जोर देते हुए कहा कि नालंदा को कृषि का 'मेगा हब' बनाया जाएगा। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट जैसी उन्नत फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने और नूरसराय में कृषि मशीनों के निर्माण को उद्योग के रूप में विकसित करने की बात कही। किसानों के लिए संचालित 'प्रति बूंद अधिक फसल' और मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। पशुपालन के क्षेत्र में उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे टोल-फ्री नंबर 1962 का व्यापक प्रचार करें ताकि पशुपालक निःशुल्क चिकित्सा सेवा का फायदा ले सकें।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव (इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी) और नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अस्पतालों में डॉक्टरों के रोस्टर डिस्प्ले और जांच सुविधाओं की स्वयं निगरानी करने का आग्रह किया। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 285 उच्च विद्यालयों में 'नालंदा लाइव स्मार्ट क्लासेस' शुरू की गई हैं।

♦ सांसद-डीएम ने तय किए नालंदा के विकास के नए मानक

साथ ही, 'स्कूल चलो अभियान' के तहत 2 मई 2026 को आंगनबाड़ी के 16,460 बच्चों का स्कूलों में नामांकन कराने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। विद्युत विभाग को कड़े निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कृषि फीडरों का काम समय पर पूरा करने और जर्जर तार व बांस-बल्ले हटाकर स्थाई पोल लगाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं की समस्याओं के लिए हर सोमवार और शुक्रवार को सहायक अभियंता कार्यालयों में कैंप लगाए जा रहे हैं।

इसी तरह, आपूर्ति विभाग को निर्देश दिया गया कि विवाह के सीजन में गैस सिलेंडरों की किल्लत न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में 'ज्ञान भारतम' परियोजना की भी सराहना की गई, जिसके तहत जिले की 12,000 पुरानी पांडुलिपियों और पुस्तकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। इस अवसर पर जिले के पुलिस अधीक्षक, पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री के प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद, उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, विभिन्न प्रखंडों के प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष और सभी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क, बिजली और नल-जल योजना से जुड़ी समस्याओं को सदन पटल पर रखा, जिस पर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया।

वर्चस्व कायम रखने के लिए निरीह पर दबंगई, जयमाल में मारपीट, फायरिंग, महिलाओं से मारपीट और लूट का आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी के फतेहपुर थाना क्षेत्र के डुमरी गांव में एक शादी समारोह उस वक्त रणक्षेत्र में बदल गया, जब दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। आरोप है कि जयमाल के समय फायरिंग की गई, वहीं विदाई के वक्त दोबारा हमला कर लूटपाट और महिलाओं के साथ बदसलूकी की गई। मामले को लेकर थाने में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। पुलिस जांच में जुट गई है। सूत्रों का कहना है कि गांव में दो अलग अलग जातियों की बारात आई थी। दोनों बाराती एक ही रास्ते से लड़की वाले के घर किनोर जा रहे थे। इसी बीच एक पक्ष के बारातियों ने दूसरे पक्ष के बारातियों को पीछे हटने व खुद को आगे निकलने की बात कही। बस इतनी सी बात को लेकर दोनों पक्षो के बीच कहासुनी हुई फिर मारपीट और फिर जयमाल में मारपीट व फायरिंग हुई। यही नहीं सुबह और भी माहौल खराब हो गया। एक पक्ष के युवक दूसरे पक्ष के घर से लड़की की विदाई जब हो रही थी तो जानलेवा हमला बोल दिया। जमकर दोनों के बीच लाठी डंडे व रॉड चले। जिस गाड़ी से लड़की की विदाई हो रही थी उसे चकनाचूर कर दिया।

जयमाला में पहुंचे गांव के लोगों ने शुरू की गाली-गलौज, फायरिंग भी की: पीड़िता धर्मशीला देवी ने बताया कि उनकी बेटी नीतू कुमारी की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। रात करीब 10 बजे जयमाल का समय था। इसी

दौरान गांव के ही कुछ युवक अचानक पहुंचे और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि हरेराम कुमार, हरेकृष्ण कुमार और अभिषेक कुमार ने मौके पर फायरिंग कर दी। फायरिंग होते ही शादी में अफरातफरी मच गई। लोग जब जुटे तो आरोपी वहां से भाग निकले। परिवार के लोग किसी तरह शादी की रस्में पूरी कराने में जुट गए। लेकिन मामला यहीं शांत नहीं हुआ। मंगलवार की सुबह, जब विदाई और सिंदूरदान का समय चल रहा था, उसी दौरान आरोपी फिर से अपने अन्य साथियों के साथ पहुंच गए। इस बार उनका इरादा और आक्रामक था।

'आरोपी घर में घुसे, शादी में दिए सामान लूटने की कोशिश की': धर्मशीला देवी के अनुसार, आरोपी घर में घुस आए और शादी में दिए गए सामान को लूटने की कोशिश करने लगे। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया गया। गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। इसी दौरान लोहे की रॉड से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि मौके का फायदा उठाकर गले से सोने का मंगलसूत्र और टीका भी छीन लिया गया। इतना ही नहीं, बारात में आए वाहनों पर भी हमला किया गया। ईंट-पत्थर से गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए। कई बारातियों को भी चोट लगने की बात सामने आई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपियों ने जातिसूचक टिप्पणी करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

गांव की ही बेबी देवी ने भी दर्ज कराई शिकायत: इसी मामले में गांव की ही बेबी देवी ने भी अलग से शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि विदाई के बाद सुबह करीब साढ़े सात बजे आरोपी उनके घर में घुस आए। लाठी-डंडा और हथियार के साथ पहुंचे आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। बाल पकड़कर जमीन पर गिराया गया और गला दबाने की कोशिश की गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके गले से सोने का लॉकेट छीन लिया गया और कपड़े फाड़ दिए गए। बेबी देवी ने बताया कि उनके पति को भी लाठी से मारा गया, जिससे उनके हाथ में अंदरूनी चोट आई है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। इस पूरे मामले पर फतेहपुर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से शिकायत मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। देर रात केस दर्ज किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गयाजी के नीट छात्र ने पटना में किया सुसाइड

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। पटना में NEET की तैयारी कर रहे 16 साल के एक छात्र ने सुसाइड कर लिया। छात्र का नाम सौरव कुमार है, जो गयाजी के आमस थाना क्षेत्र के करमाइन बेलदार बिगहा का रहने वाला था। सौरभ की लाश मंगलवार देर रात उसके कमरे से बरामद की गई। उसी कमरे में मृतक के दो चचेरे भाई भी रहते थे। चचेरे भाई ने जब कमरे का दरवाजा खोला तो सौरभ की लाश पंखे से लटकी मिली।

कमरे से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें सौरभ ने लिखा कि रातभर पढ़ाई करने के बाद भी अच्छे रिजल्ट नहीं आते। इसलिए मजबूरी में उसने ये कदम उठाया। घटना गांधी मैदान थाना क्षेत्र के सालिमपुर की है।

पहले जानिए सुसाइड नोट में छात्र ने क्या लिखा: मेरे मम्मी-पापा चाहते थे कि मैं समाज में कुछ अच्छा करूं, लेकिन मैंने अपनी मर्जी से कुछ फैसले लिए। मैं बहुत ज्यादा परेशान हो गया था, क्योंकि लंबे समय से कोई सही परिणाम नहीं मिल पा रहा था। इसी वजह से मैंने यह कदम उठाया। मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि मेरे घर का ध्यान रखें। मेरी बहन की शादी अच्छे से करवा दें। जो भी संपत्ति है, उसे उसकी शादी में लगा दें या बेच दें, यही मेरी आखिरी इच्छा है। मुझे पता है कि आप लोगों का बुढ़ापे में सहारा नहीं रहेगा, लेकिन मेरा भी मजबूरी थी

अब सिलसिलेवार पढ़िए पूरी खबर: सौरभ कुछ महीने पहले ही पटना आकर NEET की तैयारी कर रहा था। उसके पिता महेश यादव किसान हैं और भूसा का कारोबार भी करते हैं। सौरभ एक कोचिंग संस्थान में पढ़ाई कर रहा था और जिस फ्लैट में वह रहता था, उसी में अन्य छात्र भी रहते थे।

सुसाइड नोट के अनुसार, सौरभ इन दिनों पढ़ाई के दबाव में था। कोचिंग के टेस्ट में लगातार कम नंबर आ रहे थे, जिससे वह अंदर ही अंदर टूट रहा था। घटना वाले दिन दोपहर में जब उसके चचेरे भाई

कोचिंग जाने लगे, तो उन्होंने सौरभ से भी साथ चलने को कहा।

पंखे से गमछे के सहारे लटका मिला सौरभ: सौरभ ने तबीयत खराब होने की बात कहकर कोचिंग जाने से मना कर दिया, जिसके बाद वह कमरे में अकेला रह गया। शाम करीब 8 बजे जब दोनों भाई लौटे, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज लगाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर वेंटिलेटर से झांककर देखा गया। अंदर का दृश्य देख दोनों के होश उड़ गए—सौरभ पंखे से गमछे के सहारे लटका हुआ था।

पिता से माफी मांगी: सूचना मिलते ही पटना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसमें सौरभ ने अपने पिता से माफी मांगी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार दोपहर पटना में ही पोस्टमार्टम कराया गया। सौरभ अपने पिता का इकलौता बेटा था, और उसके इस कदम से पूरा परिवार टूट गया है।

सौरभ के चाचा विजय यादव पूर्व मुखिया रह चुके हैं। बताया गया कि देर शाम शव पटना से करमाइन बेलदार बिगहा लाया जाएगा, जहां उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस मामले में पटना के गांधी मैदान थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि सौरभ एक कोचिंग संस्थान का छात्र था और घटना वाले दिन क्लास करने नहीं गया था। उसके दोनों चचेरे भाई जब कोचिंग से लौटे, तो सौरभ दरवाजा नहीं खोल रहा था। इसके बाद उन्होंने कमरे में झांककर देखा, तो वह फंदे से लटका मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

गयाजी में 24 अप्रैल को लगेगा रक्तदान शिविर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में मानव एकता दिवस के अवसर पर एक जागरूकता जुलूस निकाला गया। आज निकाले गए इस जुलूस का उद्देश्य मानव सेवा और सामाजिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था। इसमें संत निरंकारी मिशन के श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। जुलूस गया शहर के अलग-अलग मार्गों से गुजरा, जहां लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने बैनर, पोस्टर और नारों के जरिए "रक्तदान – महादान" का संदेश दिया, जिससे बताया गया कि यह कई जरूरतमंदों की जान बचा सकता है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आने वाले 24 अप्रैल को संत निरंकारी

सत्संग भवन, दुबहल (गया) में आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर के लिए लोगों को प्रेरित करना है। संगठन के जोनल इंचार्ज राकेश कुमार सिंह ने इस अवसर पर बताया कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है।

अस्पतालों में रक्त की कमी एक गंभीर समस्या: उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मिशन "मानव एकता" और "निस्वार्थ सेवा" के सिद्धांतों पर काम करता है, और यह रक्तदान शिविर इसी सेवा भावना का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।सिंह ने आगे बताया कि अस्पतालों में रक्त की कमी एक गंभीर समस्या है। उन्होंने गया के नागरिकों से 24 अप्रैल को आयोजित होने वाले शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और जरूरतमंदों की जान बचाने में सहयोग करने की अपील की। जुलूस के दौरान प्रतिभागियों ने शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से शहर में भ्रमण किया, लोगों को जागरूक करते हुए रक्तदान के लिए प्रेरित किया। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और कई लोगों ने शिविर में भाग लेने का संकल्प लिया। इस प्रकार यह जागरूकता जुलूस न केवल एक आयोजन था, बल्कि समाज को एकजुट करने और सेवा के प्रति प्रेरित करने का एक प्रभावी माध्यम भी साबित हुआ। आने वाले 24 अप्रैल को आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी की उम्मीद जताई जा रही है।

नालंदा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का धिक्कार मार्च

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। लोकसभा में महागठबंधन और विपक्षी दलों की ओर से परिसीमन सुधार तथा महिला आरक्षण के विरोध में किए गए मतदान के खिलाफ राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा के आह्वान पर बुधवार को नालंदा जिला मुख्यालय में 'धिक्कार मार्च' का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं ने विपक्षी दलों की नीतियों के प्रति अपना कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। जिला अध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने प्रोटेस्ट के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने संसद में 131वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था, जिसका उद्देश्य जनप्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देना था,

लेकिन महागठबंधन ने गंदी राजनीति के चलते इसे सदन में पास नहीं होने दिया।

'बिहार में लोकसभा सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो जाती': पार्टी नेताओं ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि यह विधेयक बिहार जैसे राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक था। यदि यह विधेयक पारित हो जाता, तो बिहार में लोकसभा सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो जाती, जिसमें 20 महिलाएं सांसद बनतीं। इसी तरह विधानसभा में भी सीटों की संख्या 243 से बढ़कर 365 हो जाती और सदन में 120 महिला विधायकों की उपस्थिति सुनिश्चित होती। विपक्ष के इस नकारात्मक रवैये को पार्टी ने 'महिला विरोधी' और 'विकास विरोधी' करार दिया है। नेताओं का मानना है कि इस कदम से बिहार के हक और अधिकार की अनदेखी की गई है, जिसके लिए जनता आगामी चुनावों में महागठबंधन को करारा जवाब देगी।

प्रखंडों और पंचायतों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया: इस धिक्कार मार्च में जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष सोनू कुशवाहा के साथ प्रेम कुमार, चंदन, चमेली वर्मा, इन्दु देवी और संजू देवी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने अपनी बात रखी। पार्टी ने स्पष्ट किया कि परिसीमन सुधार के जिस अभियान को लेकर पूर्व में मुजफ्फरपुर, पटना और गया जैसे शहरों में महारैलियां की गई थीं, उस संघर्ष को अंतिम मुकाम तक पहुँचाने के लिए उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। नेताओं ने दावा किया कि देश की आधी आबादी प्रधानमंत्री मोदी की इस ऐतिहासिक पहल के साथ खड़ी है और विपक्ष की इस बाधा का प्रभाव उनके वोट बैंक पर स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

गयाजी में बोले डिप्टी सीएम विजय चौधरी, कहा- बिहार में शराबबंदी जारी रहेगी, ढील नहीं मिलेगी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को गया का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गेवाल बिगहा स्थित खानकाह में चादरपोशी की और प्रदेश की खुशहाली की दुआ मांगी। उन्होंने मीडिया से बातचीत में शराबबंदी नीति और पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। उपमुख्यमंत्री के गया पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। यह नई सरकार बनने के बाद उनका पहला गया दौरा था। उन्होंने खानकाह में मजार पर चादरपोशी कर अमन-चैन और प्रदेश की समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

'बंगाल की जनता विकास, स्थिरता के पक्ष में मतदान करेगी': मीडिया से बातचीत के दौरान, विजय कुमार चौधरी ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विश्वास जताया कि वहां एनडीए

गठबंधन को जीत मिलेगी। चौधरी ने कहा कि जनता विकास और स्थिरता के पक्ष में मतदान करेगी, जिससे एनडीए को लाभ होगा। बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर पूछे गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार इस नीति को जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि शराबबंदी पहले से लागू है और इसे और अधिक सख्ती के साथ लागू किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है और इस दिशा में कोई ढील नहीं दी जाएगी। उन्होंने प्रशासन को कानून के पालन में और सक्रिय करने का भी संकेत दिया।

सरकार को ध्यान में रखकर नहीं किया जाता एनकाउंटर: हाल ही में पटना में हुए एनकाउंटर के संबंध में, डिप्टी सीएम ने कहा कि एनकाउंटर किसी सरकार को ध्यान में रखकर नहीं किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से परिस्थितियों और अपराधियों की गतिविधियों पर निर्भर करता है। उन्होंने जोर दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरे के दौरान स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा गया। कई कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

कंटेनरों की भिड़ंत, केमिकल लीकेज

बांका। बांका जिले के रजौन बाजार स्थित डीएन सिंह भूसिया कॉलेज के पास एक बड़ा हादसा टल गया। यहां एक तेज रफ्तार गैस कंटेनर ने केमिकल से लदे कंटेनर को पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से केमिकल कंटेनर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें से तरल केमिकल का रिसाव शुरू हो गया। लोग तेल और डीजल समझकर बर्तन लेकर दौड़ने लगे। कंटेनर चालक द्वारा लोगों को समझाया गया की या कोई डीजल नहीं है बल्कि केमिकल है। नहीं तो आसपास के लोगों ने लीकेज के पास बर्तन रखकर केमिकल भरना शुरू कर दिया था। जानकारी के अनुसार, बौसी की ओर से भागलपुर जा रहे केमिकल लदे कंटेनर को पीछे से आ रहे गैस कंटेनर ने टक्कर मारी। हादसे के बाद चालक ने तुरंत वाहन रोक दिया, लेकिन तब तक केमिकल सड़क पर बहने लगा था। कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी मचा रहा।

आसपास के लोग तेल समझकर बर्तन लेकर इकट्ठा होने लगेः सड़क पर बहते तरल पदार्थ को देखकर आसपास के लोग उसे तेल समझकर बर्तन लेकर इकट्ठा होने लगे। हालांकि, केमिकल कंटेनर के चालक ने तुरंत लोगों को बताया कि यह केमिकल है। इसके बाद लोग वहां से हट गए और एक संभावित खतरा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। चालक और खलासी ने मिलकर कंटेनर की अस्थायी मरम्मत की और केमिकल रिसाव को नियंत्रित किया। स्थिति सामान्य होने के बाद कंटेनर को भागलपुर की ओर रवाना कर दिया गया।

गैस कंटेनर पूरी तरह सुरक्षित रहाः इस घटना में गैस कंटेनर पूरी तरह सुरक्षित रहा, जिससे एक बड़े हादसे की आशंका टल गई। गनीमत रही की गैस कंटेनर क्षतिग्रस्त नहीं हुआ नहीं तो बाजार रहने के कारण बड़ी दुर्घटना घट सकती थी।

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ का धरना जारी

भागलपुर| नगर निगम परिसर में सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ का धरना दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रहा। अपनी लंबित मांगों और 24 महीनों से बकाया भुगतान को लेकर पेंशनर धरना दे रहे हैं। सफाई मजदूर संघ ने भी समर्थन दिया है। संघ के अध्यक्ष सुनील यादव ने मेयर व नगर आयुक्त से समाधान की मांग की है।

भाजपा कार्यकर्ता के निधन पर शोक जताया

भागलपुर| पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता श्रीलाल साह के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने श्रीलाल को एक निष्ठावान साथी बताते हुए कहा कि उनका निधन भागलपुर भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। बीमारी के कारण पटना में उनका निधन हुआ। अर्जित शाश्वत ने भी शोक प्रकट किया है। जिलाध्यक्ष संतोष कुमार, जिला महामंत्री योगेश पांडेय व पार्टी नेताओं ने झंडा समर्पित कर भावभीनी विदाई दी।

2 वर्ष से ब्राउन शुगर के धंधे में लिप्त है चंदन, पहले से 7 केस

भागलपुर| बबरगंज से सोमवार को गिरफ्तार चंदन पोद्दार दो वर्ष से ब्राउन शुगर के धंधे में लिप्त है। पिछले साल अगस्त में भी चंदन ब्राउन शुगर और कट्टा के साथ पकड़ा गया था। उस पर मोजाहिदपुर और बबरगंज में एनडीपीएस एक्ट, फिरौती के लिए अपहरण, हत्या का प्रयास, सहित सात मामले दर्ज हैं। प्रभारी थानेदार विशाल कुमार ने बताया कि छानबीन की जा रही है। डेढ़ माह पहले बेल पर आया और धंधा चालू आरोपी चंदन पोद्दार डेढ़ माह पहले ही बेल पर बाहर आया था। उस एनडीपीएस एक्ट लगा था। उस समय उसके पास से 7.58 ग्राम ब्राउन शुगर मिला था। लेकिन बेल पर आने के फौरन बाद ही चंदन दोबारा ब्राउन शुगर के धंधे में लिप्त हो गया। उसके गिरोह के अन्य सदस्य बाहर हैं।

नशे के खिलाफ महापंचायत पकड़े जाने पर जुर्माना

भागलपुर| वार्ड 14 के आशानंदपुर शिया टोली में समाजसेवी सैयद अरशद अली के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध बड़ा अभियान शुरू हुआ है। गांजा और स्मैक की बढ़ती बिक्री रोकने के लिए रविवार को महापंचायत बुलाई गई है। समिति ने नशा करते पकड़े जाने पर दो हजार से लेकर दस हजार तक जुर्माने और पुलिसिया कार्रवाई का निर्णय लिया है। स्थानीय लोग बाहरी छात्रों की सुरक्षा को लेकर भी सतर्क हैं।

पेंशन पर संकटः कम रह गया बजट का आकलन

भागलपुर। टीएमबीयू के पेंशनरों के मद में एक साल की जगह सिर्फ 9 महीने की राशि जारी होने को लेकर पिछले दिनों विवाद हुआ था। विश्वविद्यालय अपनी बला यह कहकर टालता रहा कि सरकार कहती है कि यहां पेंशनरों की संख्या ज्यादा है इसलिए एकमुश्त भुगतान करने में परेशानी होती है। लेकिन भास्कर की पड़ताल में सामने आया कि मामला आवंटन के आकलन और विधानसभा में पूरक बजट प्रस्तुत नहीं होने का है। दरअसल टीएमबीयू के पेंशनरों को फरवरी तक की तीन माह की पेंशन की राशि नहीं मिली। यह सिर्फ टीएमबीयू के साथ ही हुआ। पिछले दिनों जब सवाल उठा तो विवि के वित्त पदाधिकारी ब्रजकिशोर प्रसाद ने कहा था कि सरकार अधिक पेंशनर होने की बात कहती है। लेकिन नवंबर 2025 में सरकार से पेंशन मद में जारी राशि में सबसे ज्यादा आवंटन मगध विवि को 34.41 करोड़, एलएनएमयू दरभंगा को 29.66 करोड़ और मुजफ्फरपुर विवि को 29.94 करोड़ हुआ था। टीएमबीयू को 19.67 करोड़ मिले थे। यानी संख्या बल कारण नहीं है। टीएमबीयू के एक अधिकारी ने बताया कि शिक्षा विभाग से टीएमबीयू के पेंशन मद की अनुमानित राशि का प्राक्कलन कम हो गया था। इसे सुधारकर अनुपूरक बजट में रखना था। लेकिन शिक्षा विभाग के ही एक अधिकारी की गलती से तय समय पर ऐसा नहीं हो सका और यह विधानसभा में अनुपूरक बजट में प्रस्तुत नहीं हो पाया। 16 अप्रैल को शिक्षा विभाग की समीक्षा में ये बातें सामने आईं। टीएमबीयू पेंशनर संघर्ष मंच के संयोजक डॉ. पवन कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने शिक्षा विभाग में बात की थी।

करंट से या शराब पीने से वृद्ध की मौत हुई, संशय बरकरार

भागलपुर। शराब पीने के बाद संदिग्ध हालत में एक वृद्ध की मौत हो गयी। वृद्ध का शव लावारिश हालत में पड़ा था। मृतक गुलाब मंडल(62) लोदीपुर के जगरनाथपुर स्थित हरियो गांव के निवासी थे। बीते सोमवार की शाम गुलाब मंडल का शव घर से तीन सौ मीटर दूर खेत में मिला। परिजन शव को उठा कर घर ले गए। वहां किसी ने डायल 112 की टीम को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर डायल 112 और लोदीपुर थाने की पुलिस पहुंची। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम हुआ। लोदीपुर थानेदार जितेन्द्र कुमार ने बताया कि आशंका है कि वृद्ध को करंट लगी है। हालांकि जिस जगह शव मिला वहां से बिजली का कनेक्शन दूर है। लगता है कि किसी ने करंट लगने पर वृद्ध को खेत के पास फेंक दिया। मृतक पीने का आदी था। लिखित आवेदन नहीं मिला है। पिता शराब पीने के आदी थे, किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी बेटे रमेश मंडल ने बताया कि पिता को शराब की लत थी। वे खेत में खाद डालने गए थे। मैं पानी पटवन कर घर लौट गया था। कुछ देर बाद दोबारा गया तो पिता मृत हालत में खेत से 150 मीटर की दूरी पर पड़े थे। शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है।

डीएम ने निर्माणाधीन बिस्वान ऑफिस का निरीक्षण किया

भागलपुर| डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन की ऊपरी मंजिल पर बन रहे बिस्वान कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर देते हुए भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के मुताबिक, यहां एक विशेष बिस्वान वीसी कक्ष के साथ एक सामान्य वीसी कक्ष भी तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में टाइल्स और सीलिंग का काम अंतिम चरण में है। इस केंद्र के शुरू होने से प्रशासनिक बैठकों और समन्वय में सुगमता होगी। मौके पर संयुक्त निदेशक जनसंपर्क नागेंद्र कुमार गुप्ता व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शिवलिंग पर पोस्ट कर फंसे लव गुरु मटुकनाथ चौधरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में चर्चित 'लव गुरु' और प्रोफेसर मटुकनाथ चौधरी एक बार फिर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। इस बार उनका एक फेसबुक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने नया विवाद खड़ा कर दिया है। शिवलिंग और जलाभिषेक की परंपरा पर किए गए उनके पोस्ट को लेकर इंटरनेट पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। पोस्ट सामने आने के बाद यूजर्स तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ लोग उनकी भाषा और विचारों पर सवाल उठा रहे हैं, तो कुछ ने उनके मानसिक संतुलन तक पर टिप्पणी कर दी। हालांकि, कई यूजर्स ने इसे व्यक्तिगत विचार बताते हुए चर्चा का विषय भी माना है। बता दें कि मटुकनाथ चौधरी केवल एक अकादमिक व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि एक चर्चित साहित्यिक टिप्पणीकार भी हैं। वे अपने बेबाक विचारों और सामाजिक मुद्दों पर अलग दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उनके बयान अक्सर विवाद का कारण बनते रहे हैं।

जानिए यूजर्स ने क्या कहाः एक यूजर पंकज कुमार सिंह ने लिखा कि मटुकनाथ अपने विचारों में संतुलन खोते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि धर्म और आस्था जैसे संवेदनशील विषयों पर अशोभनीय टिप्पणी करना अनुचित है और इससे समाज में अनावश्यक विवाद पैदा होता है। उन्होंने पोस्ट हटाने और माफी मांगने की मांग भी की। संजीव नाम के यूजर ने धार्मिक संदर्भ देते हुए कहा कि समुद्र मंथन के दौरान विष पीने से उत्पन्न भावना को शांत करने के लिए शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है। उन्होंने मटुकनाथ से अपने दावे का स्रोत प्रस्तुत करने को कहा और उनकी व्याख्या को अधूरी बताया। अनूप श्रीवास्तव ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शिवलिंग को केवल शारीरिक दृष्टिकोण से देखना सनातन परंपरा का अपमान है। उनके अनुसार, शिवलिंग सृष्टि और चेतना का प्रतीक है, जिसकी इस तरह की व्याख्या भ्रामक है। विनोद चौबे ने भी इसे प्रतीकात्मक मानते हुए ऐसी तुलना से बचने की सलाह दी। इधर, इस पूरे मामले में सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया है। एक पक्ष इसे बौद्धिक विमर्श और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़ रहा है, जबकि दूसरा पक्ष इसे धार्मिक आस्था के खिलाफ मानकर विरोध कर रहा है। दरअसल, मंगलवार को फेसबुक पोस्ट में माटुकनाथ चौधरी ने शिवलिंग पर जलाभिषेक की परंपरा को लेकर अपनी व्याख्या प्रस्तुत की है। इसी को लेकर विवाद खड़ा हुआ और अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आने लगे। कुछ लोगों ने इसे विचारणीय बताया, तो कई ने इसे आपत्तिजनक करार दिया। लगातार बढ़ती प्रतिक्रियाओं के बीच यह पोस्ट सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है और चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

ऑटो ड्राइवर की छत से गिरकर मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में छत से गिरने के कारण ऑटो ड्राइवर की मौत हो गई। घटना, नाथनगर थाना क्षेत्र के नरगा लालूचक की है। मृतक की पहचान स्व. जयप्रकाश मंडल के पुत्र प्रवीण कुमार के रूप में हुई है। वह ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। जानकारी के अनुसार,गर्मी के कारण वह छत पर सोया हुआ था। इसी दौरान करवट लेने के क्रम में वह छत से सीधे नीचे गिर गया। सुबह जब लोगों ने उसे देखा तो तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने उसे जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया, जहां दोपहर करीब 12:45 बजे उसकी मौत हो गई।

चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था प्रवीण कुमारः मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। मृतक के बड़े भाई रवि कुमार ने बताया कि वह भाड़े पर गाड़ी लेकर बाहर गया हुआ था। इसी दौरान घर से सूचना मिली कि उसका भाई छत से गिर गया है। सूचना मिलते ही वह तुरंत वापस पहुंचे, तब तक परिजन उसे मायागंज अस्पताल में भर्ती करा चुके थे, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवीण के बड़े भाई रवि ने बताया कि हादसा कैसे हुआ, ये मुझे नहीं पता। चचेरे भाई ने घायल अवस्था में उसे अस्पताल पहुंचाया था। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि परिवार में किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। रवि ने बताया कि चार भाइयों में से दो बाहर रहकर मजदूरी करते हैं, जबकि मैं और प्रवीण भागलपुर में ही रहते हैं। हम दोनों पेशे से ड्राइवर हैं। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नाथनगर थाना अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना के बाद से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

पीडीएस दुकानों में लापरवाही पर डीएम विनोद दूहन का सख्त एक्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया में DM विनोद दूहन के निर्देश पर जिले की सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों की सघन जांच की गई। इस जांच में कुल 6 दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए 3 दुकानों के लाइसेंस रद्द करने का निर्णय लिया है, जबकि 3 अन्य विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रखंड अररिया की झमटा पंचायत में स्थित पीडीएस दुकानदार अब्दुल बारी (अनुज्ञप्ति संख्या- 119A/2016) की दुकान की जांच के दौरान उनका गोदाम नहीं खोला जा सका। जांच पदाधिकारी ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए गड़बड़ी की आशंका जताई है। उनके विरुद्ध अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है।

पिछले 6 महीने से राशन का वितरण नहीं कर रहीः इसी प्रखंड की विक्रेता सुनिता कुमारी (अनुज्ञप्ति संख्या-03A/2022) के संबंध में निरीक्षण पदाधिकारी ने रिपोर्ट दी है कि वे पिछले 6 माह से राशन का वितरण नहीं कर रही हैं। इस गंभीर लापरवाही के चलते उनके विरुद्ध भी अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई शुरू की गई है। चन्द्रदेई पंचायत के विक्रेता हेमंत कुमार (अनुज्ञप्ति संख्या- 138A/16) ने जांच के दौरान चाभी न होने का बहाना बनाकर गोदाम खोलने से इनकार कर दिया। प्रशासन ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उनके लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगीः जिन विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है, उनमें झमटा पंचायत के रामानंद रजक शामिल हैं, जिनकी दुकान जांच के समय बंद पाई गई थी। उन्होंने परिवार में मृत्यु होने का कारण बताया है। कुर्साकांटा प्रखंड की हरीरा पंचायत में ओम नाथ पासवान (अनुज्ञप्ति संख्या-49K/2016) और श्री लाल पासवान (अनुज्ञप्ति संख्या-48K/2016) की दुकानें भी बंद मिलीं। इन दोनों विक्रेताओं से भी इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

आग लगने से 25 परिवारों के घर जले

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के बखरी थाना के चकवनवार मुसहरी टोले में आज आग लग गई। इस हादसे में 25 गरीब परिवारों के आशियाने उजड़ गए। आग इतनी भयावह थी कि ग्रामीणों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। इस घटना में न केवल लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ, बल्कि मूक पशुओं को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। घटना उस समय हुई जब मुसहरी मुहल्ले की महिलाएं खेतों में मूंग तोड़ने के बाद घर लौटी थीं। दोपहर में देरी से खाना बनाने के दौरान चूल्हे से निकली एक छोटी सी चिंगारी ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने बताया कि टोले के अधिकांश लोग दिन में मजदूरी करने बाहर गए हुए थे। जब तक ग्रामीण शोर सुनकर मौके पर पहुंचे, तब तक मुकेश सदा, सुरेश सदा और राम उदगार सदा के घर आग की लपटों में पूरी तरह घिर चुके थे। जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंच पातीं, तब तक आग ने 25 घरों को अपनी चपेट में ले लिया था।

संपत्ति के साथ मवेशी का भी हुआ नुकसानः इस घटना में केवल संपत्ति ही नहीं, बल्कि जानमाल का भी नुकसान हुआ है। मुकेश सदा और नरेश सदा की एक-एक गाय और नरेश सदा की एक बकरी आग में जिंदा जल गई। घरों में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और कड़ी मशक्कत से जमा की गई नकदी जलकर राख हो गई। पीड़ित परिवारों के पास अब सिर छुपाने के लिए छत और खाने के लिए दाना तक नहीं बचा है। हादसे में बिरजू सदा, प्रकाश सदा, रामटोनी सदा, रामबिलास सदा और अशोक सदा सहित कुल 25 परिवारों के घर जल गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बखरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अग्नि पीड़ितों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से नुकसान के आकलन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे पीड़ितों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जा सके। पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बहन की शादी से पहले भाई की डूब कर मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

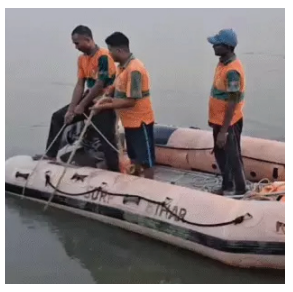

बेगूसराय। बेगूसराय में गंगा स्नान करने गए एक युवक की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान रामपुर बसवन गांव के रहने वाले भोला पंडित के बेटे सत्यम कुमार (20) के रूप में हुई है। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के छितरौर घाट की है। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने आए पड़ोसी संजीव कुमार ने बताया कि आज सत्यम के बहन की शादी के लिए तिलक होने वाली थी और 26 अप्रैल को बारात आनी थी। पूरा परिवार और सगे-संबंधी इस उत्सव की तैयारी में जुटे थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

बेंगलुरु में टाइल्स मिस्त्री का काम करता थाः सत्यम बेंगलुरु में टाइल्स मिस्त्री का काम करता था। वह अपने परिवार का सहारा था और करीब 5 दिन पहले ही अपनी छोटी बहन की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर आया था। सत्यम मंगलवार को अपने कुछ दोस्तों के साथ गंगा तट पर स्नान करने गया था। स्नान करते समय सत्यम गहरे पानी की ओर चला गया और तेज धारा की चपेट में आने से डूबने लगा। साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन देखते ही देखते वह आंखों से ओझल हो गया। सूचना मिलते ही मटिहानी के प्रभारी सीओ मनोज कुमार और थानाध्यक्ष संजीव कुमार मौके पर पहुंचे। शव की तलाश के लिए SDRF की टीम को तत्काल बुला कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसके बाद आज घटनास्थल से करीब 500 मीटर आगे शव बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

दोस्त ने नाबालिग की लाश को कूड़ेदान में फेंका था, ऑटो से दबने के कारण गई थी जान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के लललमटिया थाना क्षेत्र के कबीरपुर स्थित जैन मंदिर के पास ठेले पर मिले 12 साल के मोहम्मद शमीर की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआत में परिजनों और स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताते हुए जमकर हंगामा किया था। वहीं अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला सड़क हादसे का निकला है। मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें ऑटो पलटने के बाद समीर की मौत की बात सामने आई है। समीर की डेडबॉडी को उसके दोस्त ने ही ऑटो में भरकर कूड़ेदान में डाल दिया था। अब इस मामले में पुलिस ने यातायात थाना में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

20 अप्रैल को कूड़ा उठाने वाले ठेले पर मिली थी लाशः दरअसल, सोमवार को कबीरपुर निवासी मो. इजहार का 12 वर्षीय पुत्र शमीर का शव मुख्य सड़क किनारे कूड़ा उठाने वाले ठेले पर संदिग्ध अवस्था में मिला था। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई थी। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया था। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात करना पड़ा था। घटना की गंभीरता को देखते हुए लललमटिया थाना पुलिस ने जांच तेज कर दी थी। जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया था। इसी क्रम में पुलिस को एक अहम फुटेज हाथ लगा, जिसमें पूरी घटना कैद हुई थी। फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा गया कि शमीर एक ऑटो पलटने के बाद चपेट में आ गया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। सीसीटीवी से मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाथनगर थाना क्षेत्र के मदनीनगर गली नंबर-5 में छापेमारी की। यहां से दुर्घटना में शामिल ऑटो को जब्त कर लिया गया। साथ ही ऑटो को छिपाकर रखने वाले नाबालिग चालक को हिरासत में लिया गया।

ऑटो को मृतक समीर का दोस्त ही चला रहा थाः पुलिस जांच में ये भी सामने आया कि ऑटो चला रहा नाबालिग मृतक शमीर का ही दोस्त था। पुलिसिया पूछताछ में मृतक के दोस्त हादसे के बाद आरोपी नाबालिग घबरा गया और ऑटो को छिपाने की कोशिश की।

जमीन विवाद में घायल महिला की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया जिले में भूमि विवाद के एक मामले में घायल महिला की मौत के बाद पुलिस ने तीन फरार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बैरगाछी थाना पुलिस ने इन अभियुक्तों को कसबा थाना क्षेत्र के ग्राम बरेटा से पकड़ा। अररिया एसपी जितेंद्र कुमार के कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी पुष्टि की गई है। यह मामला 29 मार्च का है, जब बैरगाछी थाना क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। इस घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बैरगाछी थाना में कांड संख्या-39/26 दर्ज किया गया था। पुलिस ने 30 मार्च को दिनेश मंडल और सुनील मंडल नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

एसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठनः घटना ने तब गंभीर मोड़ ले लिया जब 20 अप्रैल को घायल 50 वर्षीय हंसा देवी (पति स्व. जनक लाल मंडल, निवासी रामपुर मोहनपुर, वार्ड संख्या-01, थाना बैरगाछी) की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद मामले की गंभीरता बढ़ गई। अररिया एसपी जितेंद्र कुमार के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद कांड के शेष तीन नामजद अभियुक्तों प्रमोद मंडल (पिता फुलचंद मंडल), बैजनाथ मंडल (पिता स्व. राजेंद्र मंडल) और कैलाश मंडल (पिता स्व. रमेश मंडल) को ट्रेस कर लिया। ये तीनों रामपुर मोहनपुर (थाना बैरगाछी) के निवासी हैं। मंगलवार को इन्हें कसबा थाना क्षेत्र के ग्राम बरेटा से गिरफ्तार किया गया।

ये आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थेः पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। एसपी जितेंद्र कुमार ने कहा कि भूमि विवाद से जुड़ी किसी भी हिंसक घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पुलिस की कार्रवाई तेजी से जारी रहेगी। इस घटना ने अररिया जिले में भूमि विवादों की गंभीरता को एक बार फिर उजागर किया है, जहां अक्सर छोटे-छोटे जमीन के झगड़ों को लेकर हिंसा होती रहती है। प्रशासन और पुलिस अब ऐसे मामलों में सख्ती बरतने का संदेश दे रही है। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पप्पू यादव मानसिक रूप से बीमार और विक्षिप्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मुंगेर। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव द्वारा राजनीतिक महिलाओं पर आपत्तिजनक बयान दिए जाने के मामले में मुंगेर में भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष और महिला आयोग की सदस्य पिंकी कुशवाहा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पप्पू यादव की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार महिला आयोग ने उनके बयान का संज्ञान लेते हुए उन्हें नोटिस भेजा है। पिंकी कुशवाहा ने पप्पू यादव पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में उनकी भी धर्मपत्नी हैं। उन्होंने पूछा कि उनकी पत्नी शीर्ष पदों तक कैसे पहुंचीं और क्या उन्होंने 'किसी का बिस्तर गर्म करके' ये पद हासिल किए। पिंकी कुशवाहा ने पप्पू यादव को मानसिक रूप से बीमार और विक्षिप्त बताया।

रांची स्थित अस्पताल में अपना इलाज कराने की सलाहः उन्होंने पप्पू यादव को रांची के कांके स्थित अस्पताल में अपना इलाज कराने की सलाह दी। पिंकी कुशवाहा ने चेतावनी दी कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो नारी शक्ति उन्हें नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं उनके घर को घेरकर पहले अपनी पत्नी का 'सर्टिफिकेट' मांगने के बाद ही अन्य महिलाओं के बारे में सवाल पूछेंगी। इस दौरान पिंकी कुशवाहा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को विपक्ष द्वारा पारित न किए जाने पर भी हमला बोला। उन्होंने इसे पूरे देश की महिलाओं का अपमान बताया।

विपक्ष ने संसद में बिल को पारित नहीं होने दियाः पिंकी कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को सम्मान देने के लिए इस अधिनियम के तहत बिल पास करवा रहे थे, ताकि महिलाओं को विधानसभा, संसद भवन सहित राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में अहम भूमिका मिल सके। हालांकि, विपक्ष ने संसद में इस बिल को पारित नहीं होने दिया, जिसके कारण पूरे देश की महिलाओं में विपक्ष के प्रति आक्रोश है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

सियासत के फेर में फंसा महिला आरक्षण का हक

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। इसमें कोई दोराय नहीं कि विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए सरकार और सभी विपक्षी दलों को एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए। मगर यही मुद्दा जब राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बनने लगता है, तब इस पर सवाल उठने लगते हैं। बीते हफ्ते सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संशोधन विधेयक पेश किया, लेकिन जरूरी समर्थन न मिल पाने की वजह से वह लोकसभा में गिर गया।गौरतलब है कि किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। हालांकि इस बार परिसीमन विधेयक में संशोधन के लिए जिस तरह महिला आरक्षण का मसला भी जुड़ा हुआ था, उसमें इस मुद्दे पर दो-तिहाई सांसदों को अपने पक्ष में खड़ा कर पाना सरकार के लिए मुश्किल था। यानी पहले ही यह माना जा रहा था कि लोकसभा में संशोधन विधेयक पारित कराना मुमकिन नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद यह विचित्र है कि सरकार ने इस पर जोर-आजमाइश करने की कोशिश की।दरअसल, इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, 2026 से पहले की जनगणना के आधार पर राज्यों में सीटों के परिसीमन की इजाजत दी जाएगी और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ा कर 850 की जाएगी। मगर चूंकि परिसीमन के साथ उलझे इस मुद्दे पर सरकार को जरूरी संख्या बल का समर्थन नहीं मिल सका, इसलिए अब भाजपा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान यह आरोप लगाने की कोशिश कर सकती है कि विपक्षी पार्टियां महिलाओं को भागीदारी देने का समर्थन नहीं करतीं। सवाल है कि महिलाओं की विधायिका में आरक्षण से संबंधित जो विधेयक वर्ष 2023 में ही पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका था, उसे फिर से तब क्यों लाया गया, जब कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। यह बेवजह नहीं है कि इस संशोधन विधेयक को लाए जाने के समय को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।ऐसा लगता है कि इस विधेयक की जटिलता और उसके पारित होने के सामने खड़ी चुनौतियों की तस्वीर चूंकि लगभग साफ थी, इसलिए इसे राज्यों में जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच महिलाओं का समर्थन हासिल करने वाले एक अहम मुद्दे के रूप में भी देखा गया। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन में भी यह साफ दिखा, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े इस संशोधन विधेयक के पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार बताया।मगर विधेयक में जिस तरह सरकार ने आरक्षण व्यवस्था को नए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के ढांचे से जोड़ कर पेश किया था, उसमें वह किस तरह के समर्थन की उम्मीद कर रही थी। महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ-साथ खासतौर पर परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों की जैसी प्रतिक्रिया थी, उसमें विपक्षी दलों के समर्थन या विरोध की तस्वीर एक तरह से पहले से साफ थी। अफसोस की बात है कि जहां विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की कवायद पर सबकी सहमति होनी चाहिए थी, वहीं यह सवालों के घेरे में उलझ कर रह गई। जबकि जरूरत इस बात की है कि इस मामले को राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने की कोशिश हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है।

चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा बिहार का नया 'सम्राट'

(योगेश कुमार गोयल)

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा। सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है। मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो। अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे। चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा। बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है। क्या वे बिहार को 'बीमारू' छवि से पूर्णतः मुक्त कर 'विकसित बिहार' के संकल्प को सिद्ध कर पाएंगे? यह भविष्य के गर्भ में है मगर फिलहाल बिहार की सत्ता का यह नया 'सम्राट' चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा है। सम्राट चौधरी के पास अवसर भी है और चुनौती भी, अब यह उनके नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वे इस अवसर को इतिहास में कैसे दर्ज कराते हैं।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नारी शक्ति नारा मजबूत, लेकिन महिलाओं के जीवन में बदलाव पर अब भी संशय

(तवलीन सिंह)

लोकसभा में जो महिलाएं पहुंची हैं उनमें से आधे से ज्यादा वही हैं जिनको उनके पिता, पति या भाई ने वहां पहुंचाया है। बहुत कम महिलाएं मिलेंगी आपको संसद में जो अपनी राजनीतिक समझ या सामाजिक काम की वजह के लिए चुनी गई हैं। नारी शक्ति की पिछले सप्ताह खूब चर्चा हुई लोकसभा के अंदर और बाहर भी। चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री ने खुद की दिल्ली में महिलाओं को संबोधित करते हुए विशेष सत्र से पहले। अपनी पीठ थपथपाते हुए याद दिलाया कि देश की बेटियों की हर जरूरत पर ध्यान दिया है उनकी नीतियों ने। याद दिलाया कि 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' का नारा उन्होंने दिया था और इस नारे को यथार्थ बनाने के लिए उनकी सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जैसे लखपती दीदी और ड्रोन दीदियों को गांवों में बनाना, स्कूलों में मुफ्त सेनेटरी पैड बांटना, बैंकों से कर्ज दिलवाना उन महिलाओं को जिन्होंने कभी बैंक का दरवाजा तक नहीं देखा था और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो मकान बने हैं उनको परिवार की महिलाओं के नाम करवाना। प्रधानमंत्री ने यह भाषण दिया लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर विशेष सत्र की घोषणा करने से कुछ दिन पहले। मैंने उनका भाषण ध्यान से सुना, इस बात को जांचने के लिए कि इस देश की महिलाओं के लिए उनकी चिंता राजनीतिक है या वास्तव में उनके दिल में महिलाओं के लिए खास जगह है। जब उन्होंने उज्ज्वला योजना का जिक्र किया, तो याद आया मुझे कि मैंने राजस्थान के ऐसे गांवों में महिलाओं को गैस पर खाना पकाते देखा है, जिन गांवों तक सड़क नहीं थी। सो माना जाए कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद परिवर्तन आया है महिलाओं के जीवन में, लेकिन उनकी समस्याएं राजनीतिक कदम उठाने से हल हो जाएंगी, ऐसा मैं नहीं मानती हूं। न ही मानती हूं कि लोकसभा में उनके लिए सीटें आरक्षित करने से इतना कोई खास फर्क आने वाला है। यहां याद दिलाना चाहती हूं आपको कि पंचायतों में आरक्षण है कई सालों से महिलाओं के लिए, लेकिन देहातों में उनका जीवन वैसे का वैसा है जैसे पहले था। इसलिए कि वही महिलाएं चुनाव जीतती हैं जिनको घर के किसी मर्द का सहारा मिलता है। चुनाव जीतने के बाद भी उनके घर के पुरुष ही उनका काम संभालते हैं इसलिए कि अक्सर आज भी ग्रामीण भारत में महिलाएं अशिक्षित या अर्धशिक्षित होती हैं। लोकसभा में जो महिलाएं पहुंची हैं उनमें से आधे से ज्यादा वही हैं जिनको उनके पिता, पति या भाई ने वहां पहुंचाया है। बहुत कम महिलाएं मिलेंगी आपको संसद में जो अपनी राजनीतिक समझ या सामाजिक काम की वजह के लिए चुनी गई हैं। इसलिए मुझे बिल्कुल यकीन नहीं है कि लोकसभा की सीटों में महिलाओं के लिए आरक्षण लाने से इस देश की महिलाओं के जीवन में वे सुधार आने वाले हैं जो जरूरी हैं। माना कि इस्लामी देशों के साथ तुलना की जाए, तो भारत की महिलाओं की स्थिति कहीं बेहतर है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पिछले सप्ताह एलान किया कि हमेशा के लिए लड़कियों को पढ़ने का अधिकार नहीं मिलेगा। ईरान की औरतें शिक्षित हैं, महसा अमीनी को याद कीजिए। इस चौबीस साल की महिला को इतना मारा गया कि उसकी मौत हो गई थी कुछ साल पहले। उसका 'अपराध' यही था कि उसके बाल दिख रहे थे दुपट्टा खिसक जाने की वजह से। उसकी मौत के बाद ईरान में आंदोलन शुरू हुआ था जिसमें महिलाओं ने सरेआम अपने बुर्के उतार कर जलाए थे।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6070

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6069

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन अपनी क्षमताओं को साबित करने का है. आपके अटके हुए महत्वपूर्ण मामले अब गति पकड़ेंगे. सितारों की स्थिति संकेत दे रही है कि आपका साहस और पराक्रम चरम पर रहेगा, जिससे कठिन कार्यों के परिणाम भी आपके पक्ष में मुड़ेंगे. परिवार के सदस्य हर मोड़ पर आपके मददगार बने रहेंगे. घर में अनुशासन का वातावरण रहेगा, जिससे व्यवस्था सुधरेगी।

वृष
आज का दिन थोड़ा संयम रखने का है. समय धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ रहा है, इसलिए जल्दबाजी से बचें. कामकाज की गति सामान्य रहेगी. विदेशी कार्यों में कुछ गति आ सकती है. न्यायिक मामलों में सावधानी बरतें और नियमों के अनुसार ही कार्य करें. आज आपका जोर संबंधों को संवारने पर होना चाहिए. बड़प्पन से काम लें और त्याग व सहयोग की भावना को ऊपर रखें।

कर्क
आज अपने जरूरी कार्यों को दोपहर (लंच) तक पूरा कर लें. इसके बाद सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता होगी. लाभ का प्रतिशत ऊंचा बना रहेगा. आर्थिक उन्नति आपको उत्साहित रखेगी. पेशेवर संपर्क और संवाद आपको नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे. लक्ष्य प्राप्ति में सफलता के संकेत हैं.आपमें आज प्रतिस्पर्धा का भाव रहेगा, जो आपको दूसरों से आगे रखेगा।

सिंह
आज का दिन अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने का है. आप अपने कौशल और प्रबंधन के बल पर कठिन लक्ष्यों को भी आसानी से हासिल कर लेंगे.प्रशासन और शासन से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी. उद्योग और व्यापार में सफलता के प्रबल योग हैं. विस्तार की योजनाओं पर आपका फोकस रहेगा. सहकर्मियों और वरिष्ठों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन
आज का दिन नवीनता लेकर आया है. आपकी कार्यशैली और नए तौर-तरीके आस-पास के लोगों को गहराई से प्रभावित करेंगे. करियर और कारोबार में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा. आपको आज कई आकर्षक प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं. प्रबंधन से जुड़े कार्यों में लक्ष्य साधने में सफलता मिलेगी।

कन्या
आज समय में निरंतर सुधार हो रहा है. दोपहर के बाद परिस्थितियाँ आपके और अधिक अनुकूल हो जाएंगी.आज बिना योजना के काम न करें. एक कार्यसूची बनाएं और नीति-नियमों का पालन करें. नौकरीपेशा लोग अपने सहज प्रदर्शन से सबको प्रभावित करेंगे।

तुला
आज भाग्य और कर्म का अद्भुत मेल है. आपके हितों का संरक्षण होगा और आप पेशेवर मामलों में अपनी धाक जमाएंगे.दीर्घकालिक योजनाएं आज आकार ले सकती हैं. आपकी सोच बड़ी रहेगी और आप लाभकारी योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और किसी बड़े कार्य की रूपरेखा बनेगी।

वृश्चिक
आज दोपहर के बाद का समय अधिक सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा. बड़ों का आशीर्वाद और सानिध्य आपके मनोबल को बढ़ाएगा. परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे. शोध कार्यों और गहराई वाले विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी. अहंकार और जिद से बचें. अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और किसी भी संकेत को अनदेखा न करें. सहनशीलता बनाए रखना आज जरूरी है।

मकर
आज दिन अत्यंत शुभ है. अपने सभी आवश्यक कार्यों को समय रहते निपटा लें. टीम वर्क और साझीदारी में आपको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे. उद्योग और वाणिज्यिक कार्यों में पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी. जीवनसाथी को कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है, जिससे घर में खुशहाली आएगी.घनिष्ठ मित्रों और जिम्मेदार लोगों के साथ मिलकर आगे बढ़ें. स्थायित्व के प्रयासों को बल मिलेगा।

कुंभ
आज पूरा ध्यान घर और परिवार पर केंद्रित रहेगा. भवन और वाहन से जुड़े मामले हल हो सकते हैं. परिवार में खुशहाली रहेगी, लेकिन आपको अपने आवेश और अहंकार पर काबू रखना होगा. अपनों की बातों को अनसुना न करें और विनम्रता से पेश आएं. पेशेवर संबंधों को मजबूती मिलेगी और व्यापार में सुधार होगा. किसी बाहरी व्यक्ति के बहकावे में आने से बचें।

धनु
आज अपने बौद्धिक कौशल का लाभ मिलेगा. दोपहर तक का समय विशेष कार्यों के लिए उत्तम है. विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है, बौद्धिक प्रयासों में सफलता मिलेगी. संतान की ओर से कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है. आर्थिक मामले आपके पक्ष में रहेंगे. करीबियों और मित्रों का विश्वास जीतने में आप सफल रहेंगे. मनोरंजन और भ्रमण के अवसर भी बन सकते हैं।

मीन
आज का दिन खुशियों और सूचनाओं से भरा रहेगा. सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी. आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन प्रसन्न रहेगा. लोगों के साथ आपका सामंजस्य और सहयोग बना रहेगा.वाणिज्यिक प्रयासों में तेजी आएगी. आप सबको साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे. बड़ों का आदर करें, इससे आपके कार्यों में बरकत होगी. पारिवारिक माहौल आनंददायक रहेगा।

वर्ग पहेली 6070

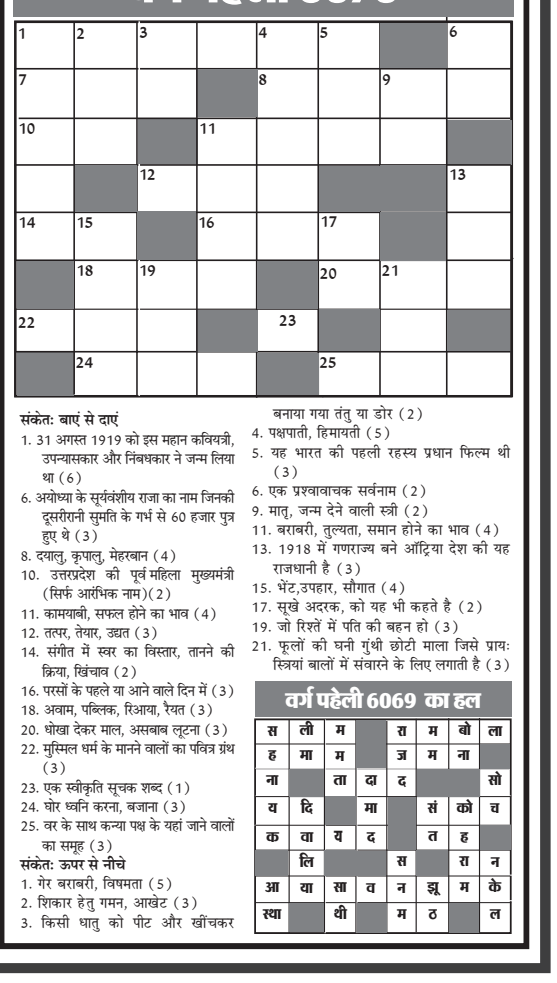

संकेत: बाएं से दाएं
1. 31 अगस्त 1919 को इस महान कवियत्री, उपन्यासकार और निंबधकार ने जन्म लिया था (6)
6. अयोध्या के सूर्यवंशीय राजा का नाम जिनकी दूसरीरानी सुमति के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
8. दयालु, कृपालु, मेहरबान (4)
10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
11. कामयाबी, सफल होने का भाव (4)
12. तत्पर, तैयार, उद्यत (3)
14. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
16. परसों के पहले या आने वाले दिन में (3)
18. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (3)
20. धोखा देकर माल, असबाब लूटना (3)
22. मुस्लिम धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3)
23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
24. घोर ध्वनि करना, बजाना (3)
25. वर के साथ कन्या पक्ष के यहां जाने वालों का समूह (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. गेर बराबरी, विषमता (5)
2. शिकार हेतु गमन, आखेट (3)
3. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तंतु या डोर (2)
4. पक्षपाती, हिमायती (5)
5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3)
6. एक प्रश्नवाचक सर्वनाम (2)
9. मातृ, जन्म देने वाली स्त्री (2)
11. बराबरी, तुल्यता, समान होने का भाव (4)
13. 1918 में गणराज्य बने ऑट्रिया देश की यह राजधानी है (3)
15. भेंट,उपहार, सौगात (4)
17. सुखे अदरक, को यह भी कहते है (2)
19. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
21. फूलों की घनी गुंथी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां बालों में संवारने के लिए लगाती है (3)

वर्ग पहेली 6069 का हल

स	ली	म		रा	म	बो	ला
ह	मा	म		ज	म	ना	
ना		ता	दा	द			सो
य	दि		मा		सं	कों	च
क	वा	य	द		त	ह	
	लि			स		रा	न
आ	या	सा	व	न	झू	म	के
स्था		थी		म	ठ		ल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चतरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 16 लाख का अफीम जब्त, तस्कर गिरफ्तार

चतरा, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कुंदा थाना क्षेत्र के टिटही भरगांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए भारी मात्रा में गीला अफीम बरामद किया है। इस कार्रवाई में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जो अपने घर से ही नशे का अवैध कारोबार संचालित कर रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक अनिमेश नैथानी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि टिटही भरगांव निवासी नंदकिशोर गंझू अपने घर में अवैध अफीम छिपाकर रखे हुए है और इसे बाहर सप्लाई करने की तैयारी में है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया, नागरगोजे शुभम भाऊ साहब के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर पर छापा मारा और पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। छापेमारी के दौरान पुलिस को घर से 3 किलो 264 ग्राम गीला अफीम बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से ही आरोपी नंदकिशोर गंझू को गिरफ्तार कर लिया। बरामद अफीम को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई में कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह, एसआई नागेश्वर पंडित समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चांडिल में सड़क हादसा, कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

चांडिल , एजेंसी। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटा-रांची मार्ग एनएच-33 पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पुरानडीह गांव के समीप तेज रफ्तार अज्ञात कार ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति की पहचान पुरानडीह निवासी 50 वर्षीय पसीन्द्र महतो के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने इस हादसे को बेहद दुखद और हृदयविदारक बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पसीन्द्र महतो ईचागढ़ के पहाड़मुड़ी गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात वे साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुरानडीह गांव के पास रांची से टाटा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सड़क पर अचानक हुई इस टक्कर से वे बुरी तरह घायल होकर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि पसीन्द्र महतो दूर जा गिरे। हादसे के तुरंत बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घटना देख तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल की मदद की और चौका थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों की तत्परता के बावजूद स्थिति गंभीर बनी रही। सूचना मिलते ही चौका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। हालांकि, रास्ते में ही पसीन्द्र महतो ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है।

जामताड़ा के नारायणपुर में दो सड़क हादसे: एक युवक की मौत, कई घायल

जामताड़ा, एजेंसी। झारखंड के जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं ने इलाके को झकझोर दिया है। इन हादसों में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे हादसे में कई लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों ही मामलों की जांच में जुट गई है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पहली घटना मंगलवार देर रात भागाबांध गांव के समीप हुई। जानकारी के अनुसार करमोई गांव निवासी 17 वर्षीय किशोर मुर्मू अपने रिश्तेदार के घर से बाइक से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। दूसरी घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क पर बरियापुरा गांव के समीप हुई। यहां एक बाइक और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में जामताड़ा थाना क्षेत्र निवासी 31 वर्षीय बाइक चालक शिशु लाल हेंब्रम गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ऑटो में सवार रंजीत दास, आर्यन दास और फूलकुमारी दास भी घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। पोस्ता पंचायत के मुखिया वीरेंद्र प्रताप हेमब्रम, दिघारी के मुखिया बबलू किस्कू समेत अन्य लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल शिशु लाल हेंब्रम को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया।

पृथ्वी दिवस: युद्ध के कारण बढ़ रहा तापमान

वृक्ष लगाने के लिए पलामू के कौशल किशोर जायसवाल चला रहे अभियान

पलामू, एजेंसी। युद्ध और प्रदूषण के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है। आज दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के कगार पर और पर्यावरण की चिंता सताने लगी है। भारत के कई इलाके में तापमान तेजी से बढ़ रहे हैं और लोगों को पर्यावरण की चिंता सताने लगी है। 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस है। इस बार पृथ्वी दिवस का थीम हमारी शक्ति हमारा ग्रह रखा गया है।

कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। हम पर्यावरण का दोहन कर रहे हैं और विकास के रूप में मानवीय भूल कर रहे हैं। ओजोन की परत कमजोर होते जा रही है। सूर्य की किरण धरती से टकराने के बाद वापस लौट जाती थी लेकिन अब हवा में इतना प्रदूषण हो गया है कि वह वापस नहीं लौट पाती है।

आज विश्व तीसरे युद्ध के कगार पर खड़ा है, युद्ध में बम और विस्फोटों का इस्तेमाल हो रहा है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। वर्तमान हालात में जो युद्ध हो रहे हैं वह तापमान बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। 190 देश आज पृथ्वी दिवस मना रहे हैं। 70 के दशक में सबसे पहले इसकी शुरुआत अमेरिका से हुई थी।

कौशल किशोर जायसवाल का कहना है कि पृथ्वी और पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे लगाना जरूरी है। पर्यावरण धर्म का भी पालन करना होगा। गांव में पौधे और शहर में आकाश बाग लगाना होगा। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने से कई फायदे हैं। पेड़ों से नगद आमदनी भी होगी और पर्यावरण भी बच पाएगा।

शहरों में आकाश बाग छतों के ऊपर लगाया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को फायदा होगा। 70 के दशक से मैं लगातार लोगों से पर्यावरण की बढ़ाने की अपील कर रहे हैं और लोगों को पौधे लगाने के बारे में जानकारी भी दे रहे हैं। कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि इस बार के पृथ्वी दिवस पर ठोस कदम उठाने की बातें हो रही है। हालात विस्फोटक होने से पहले ठोस कदम उठाना होगा, ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके।

कौशल किशोर जायसवाल पलामू के छतरपुर के डाली के रहने वाले हैं। 1966 के काल के दौरान अपने माता-पिता से पर्यावरण को बचाने के लिए उन्हें प्रेरणा मिली थी। 1977 में कौशल किशोर जायसवाल ने वनराखी मूवमेंट की शुरुआत की थी। कौशल किशोर जायसवाल ने उस दौरान पेड़ों को राखी बांधने के अभियान चलाया था जो आज भी जारी है। अब तक 32 लाख पेड़ों को वह राखी बांध चुके हैं। कौशल किशोर विश्व के कई देशों का दौरा कर चुके हैं और 52 लाख से अधिक पौधों का वितरण कर चुके हैं। कौशल किशोर जायसवाल को सीबीएसई ने अपने पाठयक्रम में भी शामिल किया है।

गिरिडीह में झारखंड बिजली वितरण निगम के गोदाम में लगी आग, एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख

गिरिडीह, एजेंसी। झारखंड के गिरिडीह शहर के स्टेशन रोड स्थित मोदी धर्मशाला के बगल में स्थित झारखंड बिजली वितरण निगम कार्यालय के गोदाम में आज सुबह अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया। इस घटना से एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई।

आग की लपटें और तेज धुंआ निकलने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए। इधर आग की लपटों की चपेट में आकर मौके पर स्थित दो झोपड़ीनुमा दुकान भी जलकर खाक हो गया।

जब स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी तो उधर से जवाब आया कि अभी दोनों गाड़ियां निकली हुई हैं। आने के बाद भेजते हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेने के बाद आग बुझाने में जुट गई।

आग लगने के बाद पास में मोदी धर्मशाला में आग बुझाने के लिए किसी तरह का कोई संसाधन मौजूद नहीं रहने की वजह से कई तरह की चर्चाएं होने लगी। मोदी धर्मशाला बिजली वितरण निगम कार्यालय से सटा हुआ है, ऐसे में अगर आग की लपटें धर्मशाला तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

गुमला के बसिया में बालू के धंधेबाजों पर कार्रवाई, अवैध भंडारण मामले में 10 पर नामजद केस

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला जिला के अंतर्गत बसिया थाना क्षेत्र में अवैध बालू भंडारण के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद अब इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जिला खनन विभाग की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 10 लोगों को नामजद आरोपी बनाते हुए कांड दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को जिला टास्क फोर्स द्वारा बसिया अंचल के मौजा बोगालोया सहित आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी कर करीब 30,000 घनफीट अवैध बालू जब्त किया गया था। इस मामले में जांच के बाद संलिप्त लोगों की पहचान करते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। नामजद आरोपियों में पार्थ सिंह, ईश्वर गोप, अजीत इंदवार, सोमरा उरांव, कुलदीप उरांव, बैजनाथ गोप, धरमा बड़िया, राजेंद्र गोप, कारू सिंह और जबर खान शामिल हैं। सभी आरोपी गुमला जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं।

खनन विभाग के अनुसार, संबंधित स्थल पर बिना किसी वैध पट्टा या अनुज्ञप्ति के बालू का उत्खनन, परिवहन और भंडारण किया जा रहा था। जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा था। यह काम खनन एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 और 21 सहित झारखंड लघु खनिज नियमावली 2004 और झारखंड मिनरल्स (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियम 2017 का उल्लंघन है। बसिया थाना में दर्ज इस कांड की जांच सब-इंस्पेक्टर संगम कुमार को सौंपी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल में चुनाव, झारखंड में हलचल: सीमावर्ती इलाकों में चर्चा और कयासों का दौर जारी

पाकुड़:, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस बार दो चरण 23 एवं 28 अप्रैल को मतदान है। झारखंड और बंगाल से सटे सीमावर्ती इलाकों के लोगों में इस बात को लेकर उत्सुकता बढ़ गयी है कि इस बार किसकी सरकार बनेगी। क्या ममता बनर्जी की सत्ता बनी रहेगी या कोई और सत्ता में आएगा

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री हैं जो लगातार तीन बार सीएम बनी हैं। पहली बार 2011 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, दूसरी बार 2016 में शपथ ली और 5 मई 2021 को लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

ममता बनर्जी लगातार तीन बार से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, इसी को लेकर लोगों में उत्सुकता है कि क्या वह चौथी बार भी सीएम बनेंगी। इस चुनाव को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ने का कारण भी है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों का अधिकांश कारोबार पश्चिम बंगाल से होता है, साथ ही उनके रिश्तेदार भी रहते हैं। यहां के लोगों का कहना है कि बंगाल में चाहे लोकसभा, विधानसभा हो या नगर निकाय या फिर पंचायत चुनाव हो, लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। चुनाव को लेकर कुछ स्थानों पर घटनाएं भी हुई थीं। इस बार हो रहे विधानसभा चुनाव में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष कराने के लिए चुनाव आयोग ने भारी संख्या में केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति की है। भारतीय जनता पार्टी के लिए देश के प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के अलावा कई केंद्रीय मंत्री, अन्य भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, बड़े-बड़े नेता कई दिनों से कैंप लगाए हुए हैं, जिस कारण चुनाव दिलचस्प हो गया है।

पश्चिम बंगाल के मतदाता इस बार टीएमसी और भाजपा के बीच बराबरी का मुकाबला बता रहे हैं और खुलकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। वहीं झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोग भी इसी तरह का अंदेशा लगा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में पढ़ाई, नौकरी या मजदूरी करने वाले मतदाता भारी तादाद में मतदान के लिए पश्चिम बंगाल लौटना शुरू कर दिए हैं। इस बीच, बॉर्डर इलाकों में, झारखंड और पश्चिम बंगाल प्रशासन ने चेक पॉइंट चालू कर दिए हैं। गाड़ियों की कड़ी जांच की जा रही है और संदिग्ध लोगों पर कड़ी नजर है। सभी चेकनाकों पर राज्य पुलिस के अलावा केंद्रीय बलों की भी तैनाती की गई है।

आधी आबादी को देकर रहेंगे अधिकार ! केंद्रीय मंत्री संजय सेठ बोले - बिल गिरने पर परिवारवादी दलों ने मनाया जश्न

पलामू, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि आधी आबादी को उनका अधिकार देकर रहेंगे। नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर वादे को पूरा किया है। इस वादे को भी पूरा करेंगे। दरअसल, संजय सेठ मंगलवार को पलामू दौरे पर थे और उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा कि 2023 महिला आरक्षण के दौरान क्लाउज जोड़ा गया था कि पहले जनगणना होगी, उसके बाद डिलिमिटेशन होगा। उसके बाद आरक्षण दिया जाएगा। सबको पता है कि 2026 तक डिलिमिटेशन बैन था। जनगणना डिलिमिटेशन में 2 साल का समय लगेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2029 में किसी भी कीमत पर बेटियों को उनका अधिकार नहीं दे सकते हैं।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि 25 अप्रैल को झारखंड में महिलाएं अपनी ताकत दिखाएंगी और रांची में एक जगह जमा होंगी। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भाग लेंगी। संसद से अधिनियम पास नहीं होने के विषय पर बोलते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस बिल से वैसे लोगों को डर था जो परिवारवाद की राजनीति करते हैं। बिल गिरने के बाद ऐसे लोगों ने जश्न भी मनाया है।

लोकसभा से लेकर हर जगह महिलाओं की भागीदारी बढ़ने वाली थी लेकिन परिवारवाद वालों को डर था कि उनके बच्चों का क्या होगा उन्हें डर था कि सत्ता उनके परिवार से खिसककर दूसरी महिलाओं के हाथ में चली जाएगी। यही वजह थी कि बहुमत का आंकड़ा पीछे छूट गया। यह कोई भारतीय जनता पार्टी का एजेंडा नहीं था बल्कि देश को फायदा होता। देश की आधी आबादी को फायदा होता।

बिल पेश करने के दौरान विपक्ष के लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर से लेकर कई बातों का मजाक उड़ाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी विधायक डॉ। शशिभूषण मेहता, आलोक चौरसिया, मेयर अरुणा शंकर, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

गढ़वा जिले के एक गांव से 17 परिवारों ने छोड़ा घर, वजह है हाथियों का डर

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले में जंगली हाथियों के डर से 17 परिवारों ने अपना घर छोड़ दिया है और जंगल के बाहर शरण ली है। मगर अब हीट वेव ने उनके लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। मामला मेराल थाना क्षेत्र के बहेरवा गांव का है, जहां पलास्टिक के झोपड़ीनुमा घर में अब यह परिवार रहने को मजबूर है, जिसके कारण बच्चे बीमार पड़ रहे हैं।

हाथियों ने हमारा घर उजाड़ दिया, जिसके चलते हमलोग बाहर रहने को मजबूर हैं, मगर हीट वेव ने बच्चों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। अब जाएं तो जाएं कहां, इतना कहते ही ग्रामीण की आंखों से आंसू बहना शुरू हो गए। कैमरे पर यह सीन देखकर किसी की भी रूह कांप जाएगी।

यह मामला मेराल वन क्षेत्र में रहने वाले बाहेरवा गांव का है। दरअसल पिछले दो वर्षों से जंगली हाथियों के आतंक से गांव के 17 परिवारों ने अपना सब कुछ छोड़कर दूसरी जगह शरण ली। मगर यहां का दृश्य तब और भयावह हो गया जब ग्रामीण यह कहकर रोने लगे कि अपने क्षेत्र में हाथी से परेशान हैं और यहां प्राकृतिक मार से।

दरसल हाथियों के डर से सभी ग्रामीणों ने मेराल प्रखंड के गेरूवासोती गांव की चट्टान के पास शरण ली है। सभी 17 परिवार झोपड़ीनुमा घर बनाकर रह रहे हैं। इधर गढ़वा का तापमान लगभग 40 डिग्री है, जिससे हीट वेव सुबह दस बजे से ही चलना शुरू हो जा रहा है। इस गर्मी के कारण झोपड़ी में रह रहे बच्चे बीमार हो जा रहे हैं। इसी कसक और मजबूरी के चलते ग्रामीण की आंखों में आंसू हैं।

हालांकि इस मुद्दे पर गढ़वा के नए उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कहा कि आपके माध्यम से यह जानकारी मुझे मिली है। मेडिकल टीम वहां जाएगी, जो परेशानी होगी हम इसे बहुत जल्द सुलझा देंगे और अबतक अगर योजनाओं का लाभ नहीं मिला होगा तो उसे भी दिलाने का प्रयास करेंगे।

निजी कार्यक्रम में शामिल होने गढ़वा पहुंचीं अक्षरा सिंह, कहा- राजनीति से अभी दूर हूं

गढ़वा, एजेंसी। भोजपुरी इंडस्ट्री की प्रसिद्ध अभिनेत्री सह गायिका अक्षरा सिंह निजी कार्यक्रम मे शिरकत करने मंगलवार को गढ़वा पहुंचीं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उन्होने मीडिया के साथ बात की।

उन्होंने कहा कि राजनीति से फिलहाल अभी दूर हूं सिर्फ काम पर मेरा फोकस है। आपको मेरा यह काम पसंद नहीं है क्या, इस तरह के कार्यक्रम में शामिल होना मुझे पसंद है। ये बातें प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने कहीं। वहीं उन्होंने अपनी अगली फिल्म के बारे में बताया और कहा कि मेरी एक अपकमिंग मूवी है जो एक बहुत ही अच्छी फिल्म है, जिसके गाने भी काफी अच्छे हैं। उन्होंने इस दौरान कैमरा के सामने गीत की दो पंक्तिया भी गुनगुनाईं। वहीं उन्होंने कहा कि गढ़वा इससे पहले भी आई हूं यहां आकर मुझे अच्छा लगा है। भविष्य की योजनाओं के सवाल पूछे जाने पर उन्होंने बस इतना कहा कि अभी वर्तमान में ही रहने दीजिए, हमको यहां बहुत सारा प्यार मिलता है। अक्षरा सिंह आज गढ़वा निजी कार्यक्रम मे शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान अक्षरा सिंह ने कई गानों पर डांस किया और गीत भी गायीं। इस मौके पर अक्षरा सिंह को देखने और सुनने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ी। इसको लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था।

सरायकेला में हाहाकार: 7 करोड़ की योजना फेल, लो-वोल्टेज की वजह से 10 गांव प्यासे

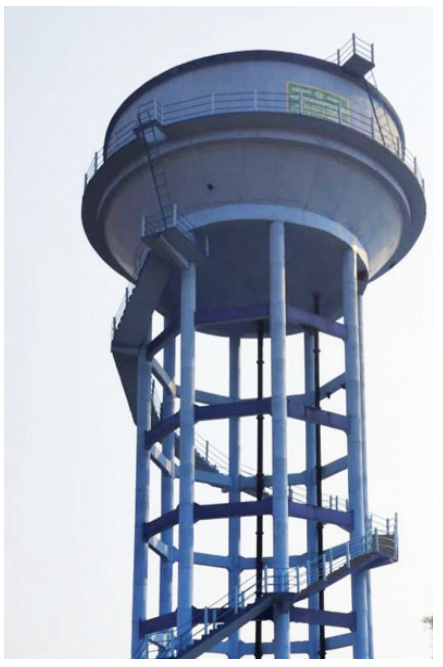

सरायकेला-खरसावां, एजेंसी। कोल्हन प्रमंडल के सरायकेला-खरसावां जिले में बढ़ती गर्मी और चढ़ते पारे के बीच पेयजल समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। क्षेत्र की महत्वपूर्ण 'गोंडामारा-सामुरसाई' जलापूर्ति योजना में आई तकनीकी खराबी के कारण पिछले तीन दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। इस योजना के बंद होने से जोरडीहा और तेलायडीह पंचायत के अंतर्गत आने वाले लगभग 1274 घरों में पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो गया है। सुबह और शाम के समय नल से पानी आने की उम्मीद में बैठे ग्रामीणों को अब दूर-दराज के चापाकलों और अन्य निजी स्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, जलापूर्ति बाधित होने का मुख्य कारण क्षेत्र में व्याप्त 'लो-वोल्टेज' की समस्या है। इस वजह से पंप हाउस में लगे शक्तिशाली मोटर सही गति से नहीं चल पा रहे हैं, जिसके चलते संजय नदी से आने वाला पानी जलमीनार तक नहीं पहुंच रहा है। बताया गया कि योजना की क्षमता लगभग 4।20 लाख लीटर है, लेकिन वोल्टेज की कमी के कारण जलमीनार में पर्याप्त जल भंडारण नहीं हो पा रहा है। इसके अतिरिक्त, योजना के संचालन के लिए लगे दो ट्रांसफॉर्मर में से एक में तकनीकी खराबी आ गई है। जलापूर्ति का जिम्मा संभाल रही कंपनी 'एसकेएस प्राइवेट लिमिटेड' ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएचइडी (क्वाश्वष्ठ) विभाग को लिखित रूप से सूचित कर दिया है।

इस जलापूर्ति योजना के ठप होने से खरसावां की दो प्रमुख पंचायतों जोरडीहा और तेलायडीह के करीब दस गांव सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सामुरसाही, गोंडामारा, छोटाबांबो, तेलांगजुडी, पिताकलांग, महादेवबुट्टा, छोटा सरगाडीह, बालियाटांड, फूचुडूंगरी, बेगनाडीह, जोरडीहा और गितीलता गांव के विभिन्न टोले शामिल हैं। इन इलाकों में रहने वाले 1274 परिवारों को पिछले 72 घंटों से एक बूंद पानी भी नल के जरिए नसीब नहीं हुआ है।

जलापूर्ति ठप होने के बाद ग्रामीण अब पारंपरिक जलस्रोतों जैसे चापाकल, कुआं और सोलर संचालित जल मीनारों पर निर्भर हो गए हैं। भीषण गर्मी में पानी भरने के लिए खासकर महिलाओं और बच्चों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। सुबह होते ही चापाकलों पर बर्तनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई चापाकल पहले से ही खराब पड़े हैं, जिससे समस्या और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। लोगों ने मांग की है कि जलापूर्ति बहाल होने तक खराब चापाकलों की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

उल्लेखनीय है कि इस महत्वकांक्षी योजना का निर्माण करीब सात करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। वर्ष 2024 की शुरुआत से ही इस योजना के जरिये संजय नदी का शुद्ध पानी ग्रामीणों के घरों तक पहुंचाने का दावा किया गया था। लेकिन बार-बार आती तकनीकी खामियों ने इस योजना की सफलता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वहीं, बड़ा सरगीडीह गांव के निवासी पिछले एक वर्ष से पाइपलाइन बिछने के बावजूद पानी का इंतजार कर रहे हैं, जहां अब तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएचइडी (क्वाश्वष्ठ) के कार्यपालक अभियंता ललित इंदूवार ने स्वीकार किया कि बिजली से संबंधित तकनीकी समस्या के कारण जलापूर्ति बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि विभाग और संबंधित कंपनी ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत और वोल्टेज सुधारने की दिशा में काम कर रहे हैं। अभियंता ने आश्वासन दिया है कि अगले 24 से 48 घंटों के भीतर समस्या का समाधान कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

अविनाश तिवारी ने फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी पर जताई चिंता

अभिनेता अविनाश तिवारी जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आएंगे। आज इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। अविनाश का मानना है मौजूदा वक्त में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी है। एक्टर का कहना है कि 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जैसी फैमिली एंटरटेनर बनती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की फिल्मों की कमी क्यों है?

संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है

'गिन्नी वेड्स सनी 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अविनाश तिवारी से बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इसके पीछे के कारणों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी फिल्में बन रही हैं और जो बन रही हैं वो हम जाकर देख भी रहे हैं और देखना भी चाहिए। लेकिन अगर मैं देखूं तो मुंबई में बहुत सारे प्रवासी हैं। लोग अलग-अलग जगहों से यहां आते हैं, दोस्तों और पार्टनर के साथ बाहर जाते हैं, इसलिए प्रवास के कारण संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है।

अविनाश के घर के बच्चों ने नहीं देखीं उनकी फिल्में

अभिनेता ने यह भी कहा कि टिकट की कीमतें भी हैं और हमने इस बैंडविड्थ में लोगों के लिए फिल्में बनाने के बारे में सोचना बंद कर दिया है। यहां तक कि अपने घर पर भी, मैंने अपनी भाभी से पूछा कि आपने बच्चों को मेरी कौन सी फिल्म दिखाई है। उन्होंने कहा, एक में तो तू पागल हो रहा है (लैला मजनू), एक में चुड़ैल आ गई (बुलबुल) तो ये बच्चे लोगों को कैसे दिखाएं। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे अपने घर के बच्चे मेरी फिल्में नहीं देख रहे हैं। इसने मुझे काफी प्रभावित किया। मैं भी बहुत दिखावा कर रहा था कि बहुत अलग-अलग काम किए हैं मैंने।

अविनाश ने याद करते हुए बताया कि आखिरी फिल्म जो उन्होंने अपने परिवार के साथ देखी थी वह 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी। उन्होंने कहा कि उसके बाद कितना समय हो गया है कोई ऐसी फिल्म आए जिसे परिवार के साथ जाकर देख सकें। मुझे नहीं पता कि हम इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। हम कहते हैं कि टिकट नहीं बिक रहे हैं, लेकिन अगर हम पारिवारिक फिल्म बनाएं, तो पूरा परिवार आने पर छह टिकट बिक जाते हैं। अगर मैं फिल्म बना रहा हूं, तो मैं इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देता, यह विचार क्यों नहीं आता, मेरी समझ से बाहर है।

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं

कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना - अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग-अलग होता है। जिन -जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।'

साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की 'तेरे मेरे सपने' और 'सनम हरजाई' जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह 'गुलमोहर' और 'रॉकेट्री-द नम्बी इफेक्ट' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री 'टूरिस्ट फैमिली' का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की 'गबरू' में नजर आएंगी।

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा

अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने 'जिद्दी गर्ल' और 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट और 'गुलमोहर' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। 'रॉकेट्री-द नम्बी' जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। 'टूरिस्ट फैमिली' भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी धमाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं।

मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है

सिमरन घर-परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड को चुनौतीपूर्ण कहूंगी , मगर साथ ही यह काफी खूबसूरत जिम्मेदारी भी है। पूरा दिन काम करने के बाद आपको घर जाने का इंतजार रहता है। घर जाकर आप पहला सवाल करते हैं, बेटा, तूने खाना खाया? कैसा था दिन?' मगर हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अपनी फैमिली और करियर के बीच संतुलन बनाए रख पा रहे हैं। मैं तो हमेशा काम करना चाहती हूं। मुझे रिटायरमेंट बहुत डरावना लगता है।'

बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में 'तेरे मेरे सपने' से की थी। इस फिल्म का , 'ओ लड़की आंख मारे' काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की 'सनम हरजाई' से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म 'गबरू' है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।'

रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं

तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, 'मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।'

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल यादव की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है। पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की। 'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन...'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

संक्षिप्त समाचार

यीडा की आवासीय भूखंड योजना को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। छह अप्रैल को लांच हुई यीडा की आवासीय भूखंड योजना में अब तक 38 हजार से अधिक लोग पंजीकरण करा चुके हैं। भूखंडों की संख्या के सापेक्ष दस गुना से अधिक लोगों ने योजना में दस प्रतिशत राशि के साथ आवेदन भी कर दिया है। योजना समाप्त होने तक आवेदनों की संख्या में और भी इजाफा होगा। इससे यीडा को राजस्व का ग्राफ बढ़ना तय है। योजना में प्राधिकरण ने 973 भूखंड शामिल किए हैं। यह भूखंड सेक्टर 18, 24 व 15 सी में हैं। इसमें वर्गमीटर से लेकर 290 वर्गमीटर तक के भूखंड शामिल हैं। सबसे

अधिक भूखंड 162 वर्गमीटर व 200 वर्गमीटर श्रेणी में ही है। इसलिए सबसे अधिक आवेदन भी इन दोनों श्रेणी में ही हो रहे हैं। योजना छह मई को समाप्त होगी। प्राधिकरण 18 जून को आवेदकों के नाम की पर्ची निकालकर भूखंडों का आवंटन करेगा। यीडा ने एक अप्रैल से अपनी आवंटन दरों में वृद्धि की है। आवासीय श्रेणी में आवंटन दर 35 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 36260 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दी हैं। इसके बावजूद यीडा की आवासीय भूखंड योजना में आवेदन करने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। आवंटन नीलामी के आधार पर करने की नीति लागू है, इससे दोनों प्राधिकरण में आवासीय संपत्ति आम लोगों की पहुंच से दूर हो चुकी है जबकि यीडा में अभी भी आवासीय संपत्ति का आवंटन लॉटरी से करने की नीति लागू है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज का जेईई मेन 2026 में शानदार प्रदर्शन

भोपाल। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड भोपाल के छात्रों ने जेईई मेन 2026 में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत शैक्षणिक तैयारी और निरंतरता को साबित किया है। जेईई मैन 2026 (सेशन 2) में आकाश इंस्टिट्यूट, भोपाल के छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए। अनुज सिंह ने 99.92 परसेंटाइल के साथ एआइआर 1193 प्राप्त कर भोपाल से टॉप किया। अनुज सिंह के अलावा अन्य टॉप परफॉर्मर्स में तनिष्क सिंघल ने 99.92 परसेंटाइल और अंशिका धाकड़ ने 99.48 परसेंटाइल हासिल किए। इसके साथ ही अन्य कई छात्रों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा 20 अप्रैल 2026 को जारी किए गए परिणामों के अनुसार, आकाश इंस्टिट्यूट, भोपाल के 3 छात्रों ने जेईई मैन 2026 (सेशन 2) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर एइएसएल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच. आर. राव ने कहा, देशभर में हमारे छात्रों का प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन और आकाश के मजबूत लर्निंग सिस्टम को दर्शाता है। संरचित शैक्षणिक कार्यक्रमों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ उनके निरंतर प्रयासों ने उन्हें उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने में मदद की है। हम सभी छात्रों को बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, कड़ी ट्रेनिंग, समय-समय पर मार्गदर्शन और निरंतर मूल्यांकन को दिया। इन सभी ने उन्हें अपनी कमजोरियों को समय रहते पहचानने और लगातार सुधार करने में मदद की। एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, अनुभवी शिक्षकों और नियमित मॉक टेस्ट के माध्यम से उन्होंने अपनी तैयारी को मजबूत किया और परीक्षा के लिए खुद को बेहतर तरीके से तैयार किया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित जेइइ मैन परीक्षा देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों जैसे NITs, IIITs और अन्य केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों में प्रवेश का माध्यम है।

दो साल में 2.77 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ा ग्रीन कवर

अर्थ-डे पर नोएडा से खुशखबरी

नोएडा, एजेंसी। पृथ्वी दिवस के मौके पर नोएडा से पर्यावरण के लिए उत्साहजनक और राहत देने वाली तस्वीर सामने आई है। बीते कुछ वर्षों में सामान्य के मुकाबले वर्षा में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसका सीधा असर शहर की हरियाली और भूजल स्तर पर पड़ा है। बढ़ी हुई बारिश से पौधों की जीवित रहने की दर बेहतर हुई है, साथ ही तापमान में भी आपेक्षाकृत संतुलन देखने को मिला है। बीते दो वर्षों में 2.77 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र का बढ़ना यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध प्रयासों से विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन संभव है। इसका सीधा लाभ शहरवासियों को स्वच्छ हवा, कम होते प्रदूषण और अपेक्षाकृत संतुलित तापमान के रूप में मिल रहा है। नियोजित शहर नोएडा की पहचान प्रदेश में अलग है। एक ओर ऊंची-ऊंची इमारतों के कारण इसे कंक्रीट का जंगल कहा जाने लगा, तो दूसरी ओर हरित क्षेत्र के विस्तार ने इसकी छवि को संतुलित किया है। शहरीकरण के दबाव के बीच वन क्षेत्र के साथ-साथ

हरित क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हुई है। यही वजह है कि हरित क्षेत्र के मामले में नोएडा प्रदेश में दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। वर्ष 2021 में वन क्षेत्र 20 वर्ग किमी से 2023 में बढ़कर 22.77 वर्ग किमी हो गया। मंत्रालय द्वारा कराए गए फारेस्ट सर्वे आफ इंडिया की रिपोर्ट में यह वृद्धि दर्ज की गई है। वन विभाग के मुताबिक जिले में 1719.356 हेक्टेयर, यानी करीब 17.19 वर्ग किमी वन क्षेत्र है, जो कुल क्षेत्रफल का 1.56 प्रतिशत है। दादरी रेंज के अंतर्गत मुबारिकपुर गांव में 74.73 हेक्टेयर का आरक्षित वन क्षेत्र इस हरियाली की रीढ़ बना हुआ है। नोएडा के मास्टर प्लान में 17 प्रतिशत हरित क्षेत्र निर्धारित है, जिसे प्राधिकरण ने ग्रीन बेल्ट, सड़कों के किनारे पौधारोपण, सेंट्रल वर्ज और पार्क विकसित कर साकार किया है। पिछले आठ वर्षों में गौतमबुद्धनगर में 67.48 लाख पौधे लगाए गए, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। वर्ष 2021 में 8.87 लाख, 2022 में 13 लाख और 2023 में 10.81 लाख पौधे रोपे गए। इसमें आम लोगों की भागीदारी भी लगातार बढ़ी है, जिससे हरियाली का यह अभियान जन आंदोलन बनता जा रहा है।

158 हेक्टेयर के वन क्षेत्र पर खतरा: जेवर के करौली खादर में 158.09 हेक्टेयर वन क्षेत्र मौजूद है, जिस पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण का खतरा मंडरा रहा है। यदि अधिग्रहण होता है, तो हजारों पेड़ों की कटाई संभव है। यह क्षेत्र कुल वन क्षेत्र का 9.19 प्रतिशत है और इसके विकल्प के रूप में नया वन विकसित करने में करीब 10 वर्ष लग सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में 90% जिम और पूल बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे, 80% जिम में नहीं हैं महिला कोच; जल्द चलेगा अभियान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जिले में स्विमिंग पूल और जिम सेंटर संचालकों की मनमानी लगातार जारी है। विभागीय मानकों की अनदेखी कर ये सुविधाएं बिना पंजीकरण के जारी हैं। इससे सदस्यों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। जिले में करीब एक हजार से अधिक जिम और करीब इतने ही स्विमिंग पूल संचालित हो रहे हैं लेकिन इनमें से मात्र पांच से सात प्रतिशत ही पंजीकृत हैं। शेष सभी बिना किसी मानक के अनौपचारिक रूप से चल रहे हैं। नियमों के तहत इनके पंजीकरण अनिवार्य है, जिसमें सुरक्षा उपकरण, योग्य कोच, सीसीटीवी कैमरे और स्वच्छता मानक शामिल हैं, लेकिन ज्यादातर संचालक इनकी परवाह नहीं कर रहे। विभाग की कार्रवाई भी सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित है। हाल ही में खेल विभाग ने 30 जिम व तरणताल का किया निरीक्षण। जांच में 8 स्थानों पर बिना मानक स्विमिंग पूल और जिम संचालित होते मिले, जिन्हें बंद करा दिया गया, लेकिन व्यापक अभियान की कमी साफ दिख रही है। महिला कोच की अनिवार्यता को लेकर भी बड़ी लापरवाही

सामने आई है। महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर हर जिम और तरणताल में कम से कम एक महिला ट्रेनर या लाइफगार्ड रखना जरूरी है। तरणताल में पुरुष और महिला दोनों लाइफगार्ड की तैनाती अनिवार्य है। इसके बावजूद करीब 80 प्रतिशत केंद्रों में केवल पुरुष कोच हैं। महिलाएं ट्रेनिंग लेने पर असुरक्षित महसूस करती हैं।

जल्द सख्त अभियान चलाने की चेतावनी

जिला प्रभारी क्रीड़ाधिकारी डॉ. परवेज अली का कहना है कि नए वित्तीय वर्ष में एनओसी के लिए महिला कोच अनिवार्य शर्त है। बिना इसके नवीनीकरण नहीं होगा। फिर भी कई संचालक नियम तोड़ रहे हैं। सदस्यों को सलाह है कि केवल पंजीकृत और मानक पूर्ण केंद्रों का ही चुनाव करें। विभाग ने चेतावनी दी है कि जल्द सख्त अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बिना पंजीकरण वाले केंद्र बंद किए जा सकते हैं। 'क्रीड़ा विभाग लगातार अभियान चलाकर स्विमिंग पूल और जिम की जांच कर रहा है। अभी तक 18 जिम, 20 स्कूल, 12 होटल और 148 ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को जांच के उपरांत एनओसी जारी किया गया है। '

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में 36 घंटे तक नहीं आएगा पानी, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पर जोड़ी जाएगी लाइन

बल्लभगढ़, एजेंसी। एफएमडीए की ओर से रेनीवेल से जुड़ी जलापूर्ति की लाइन नंबर एक को जोड़ने के लिए दो दिन तक काम करेगा। इस दौरान बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर 23 अप्रैल सुबह-नौ बजे से 25 अप्रैल की रात के नौ बजे तक 36 घंटे तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। यह शटडाउन सेक्टर-64-65 डिवाइडिंग रोड के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के नजदीक 600 मिमी व्यास की डीआइ पाइप लाइन को जोड़ने के लिए किया जाएगा। एफएमडीए के जलापूर्ति प्रभारी कनिष्ठ अभियंता प्रवीन सिंह ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के साथ-साथ 600 मिमी डायमीटर की पाइपलाइन बिछाने का कार्य कर रहा है। इसका सेक्टर-64-65 के डिवाइडिंग पर कनेक्शन करने के लिए 36 घंटे तक सेक्टर-22,23, 25, 55, 58, गौंछी, शहीद पार्क, जेसीबी चौक, पंचायत भवन क्षेत्र, जैन कॉलोनी, भीम बाग, सुभाष कॉलोनी, ऊंचा गांव मिल्क प्लांट तथा प्रेम नगर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रशासन ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से कहा है कि वह इस अवधि को ध्यान में रखते हुए पहले से ही पानी का जरूरी भंडारण कर लें ताकि किसी तरह की असुविधा पैदा न हो। यदि किसी को परेशानी आती है तो वह इस मामले में कनिष्ठ अभियंता प्रवीन सिंह से संपर्क कर सकते हैं।

ममता की जागीर नहीं है बंगाल, राहुल गांधी की रैली को नहीं मिली इजाजत; भड़की कांग्रेस

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा, क्योंकि कोलकाता में राहुल गांधी की एक चुनावी रैली को प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दी गई। कांग्रेस सूत्रों ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन और विशेष रूप से पुलिस पूरी तरह से ममता बनर्जी सरकार के इशारे पर काम कर रही है। पार्टी का कहना है कि उन्होंने अनुमति के लिए शाम 6:00 बजे तक इंतजार किया। लेकिन इजाजत न मिलने के कारण अंत समय में रैली की तैयारियां करना संभव नहीं रह गया था। कांग्रेस अब 25 या 26 अप्रैल के लिए प्रशासन के सामने एक नया आवेदन और संशोधित कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने दावा किया कि मालदा और मुर्शिदाबाद में राहुल गांधी की रैलियों में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर टीएमसी और भाजपा दोनों घबरा गए हैं। इसी बौखलाहट में अब रैलियों के लिए जगह की अनुमति भी नहीं दी जा रही है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़े शब्दों में लिखा- बंगाल ममता बनर्जी या टीएमसी की निजी जागीर नहीं है! राहुल गांधी के चुनाव प्रचार दौरे को रोकना प्रशासन की आड़ में छिपी उनकी राजनीतिक असुरक्षा है। अगर आपका जनादेश इतना मजबूत है, तो एक जनसभा से कैसा डर? बंगाल असली लोकतंत्र का हकदार है, पुलिस द्वारा नियंत्रित राजनीति का नहीं। पश्चिम बंगाल की मंत्री और टीएमसी नेता शशि पांजा ने कांग्रेस के इन आरोपों को खारिज किया और प्रशासनिक नियमों का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में राज्य की कार्यवाहक सरकार किसी भी रैली के रद्द होने के लिए जवाबदेह नहीं है। इसका जवाब चुनाव आयोग ही दे सकता है। पांजा ने स्पष्ट किया कि किसी भी जनसभा की अनुमति के लिए चुनाव आयोग के सुविधा पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होता है और यह प्रक्रिया रैली से 2 से 7 दिन पहले पूरी करनी होती है। यह नियम सभी राजनीतिक दलों पर समान रूप से लागू होता है।

बाड़मेर में सड़क किनारे खड़ी स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर

बाड़मेर , एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर जिले में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक स्कूल बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक बस को करीब 50 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। इस हादसे में बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे बच्चों को गंभीर चोटें आईं।

10 से ज्यादा बच्चे घायल, 5 की हालत गंभीरत्न हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हुए हैं, जिनमें 5 बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बच्चों को बालोतरा के बड़े अस्पताल में रेफर किया गया। डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सुबह 8 बजे पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा: जानकारी के अनुसार, यह हादसा बायतु थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-25 पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब 8 बजे हुआ। उस समय सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल की बस गांवों से बच्चों को लेकर बायतु स्थित स्कूल की ओर जा रही थी। बस में कुल 36 बच्चे सवार थे।

टक्कर से बस का पिछला हिस्सा हुआ तबाह: बायतु थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया कि ट्रक ने

बस को पीछे से टक्कर मारी, जिससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह टूट गया। बस के पीछे बैठे बच्चों को सबसे ज्यादा चोटें आईं। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बस का ढांचा बुरी तरह मुड़ गया और कई बच्चे उसमें फंस गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। बस के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंसे बच्चों को निकालने के लिए जेसीबी मशीन की मदद ली गई। काफी मशक्कत के बाद बच्चों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया।

सिर, हाथ-पैर और दांतों में चोटें: घायल बच्चों में कई के सिर पर गंभीर चोट लगी है, जबकि कुछ बच्चों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर हुआ है। इसके अलावा कुछ बच्चों के दांत भी टूट गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ बच्चों को अंदरूनी चोटें भी आई हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

ड्राइवर मौके से फरार, पुलिस जांच में जुटी: हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में हो रही एकनाथ शिंदे की तारीफ

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते साल 22 अप्रैल को ही भीषण आतंकी हमला हुआ था। इस हमले में हिंदू पर्यटकों को नाम और मजहब पूछकर मार डाला गया था। पाकिस्तानी आतंकियों की इस कायराना हरकत का जवाब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया था और कई दिनों तक पाकिस्तान के साथ संघर्ष चला था। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकाने तबाह हो गए थे। आज उसी पहलगाम आतंकी हमले की बरसी है और जम्मू-कश्मीर में मारे गए तमाम लोगों के साथ ही सेना के शौर्य को भी याद किया जा रहा है। इस बीच एक और नाम की चर्चा है, वह है महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का। ऐसा इसलिए क्योंकि इस हमले में पर्यटकों की जान बचाते हुए आतंकियों के हमले में एक स्थानीय शख्स सैयद आदिल हुसैन शाह मारा गया था। आदिल की वीरता को नमन करते हुए एकनाथ शिंदे ने उसके परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। इसीलिए उन्हें याद किया जा रहा है और आदिल का परिवार एकनाथ शिंदे की सराहना करते नहीं थक रहा। इस संबंध में जब मीडिया ने बात की तो आदिल के पिता हैदर शाह ने कहा, हम तो एकनाथ शिंदे के बहुत शुक्रगुजार हैं कि जब 22 अप्रैल 2025 को यह घटना हुई तो उनके सारे लोग हमारे साथ खड़े रहे।

जयपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया

नए प्लांट पर आग असंभव; रिफाइनरी जैसे कई मुद्दों पर जमकर गरजे अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशो गेहलोत ने पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले लगी आग को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इतनी नई रिफाइनरी में आग लगने का सवाल ही नहीं उठता और इस पूरे मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए। गहलोत ने मंगलवार को जयपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया।

नई रिफाइनरी में आग असंभव, कहीं न कहीं चूक: गहलोत ने कहा कि उन्होंने एक ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ से इस मामले में चर्चा की है, जिसके अनुसार आमतौर पर 20-25 साल पुरानी रिफाइनरियों में इस तरह की घटनाएं होती हैं, लेकिन नई रिफाइनरी में आग लगना बेहद असामान्य है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है, जिससे स्पष्ट है कि कहीं न कहीं गंभीर चूक हुई है या जल्दबाजी में फैसले लिए गए हैं।

सरकार पर जल्दबाजी और दबाव के आरोप: पूर्व मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि संभव है सरकार पर किसी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव रहा हो, जिसके चलते जल्दबाजी में उद्घाटन की तैयारी की गई। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार रिफाइनरी में उत्पादन शुरू करने से पहले सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन जरूरी होता है, लेकिन

यहां उस स्तर की सावधानी नहीं बरती गई होगी। गहलोत ने कहा कि रिफाइनरी से जुड़े वीडियो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सामने आते हैं, ऐसे में इस घटना से देश की छवि पर असर पड़ सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वायरल वीडियो का इस घटना से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन फिर भी सरकार को बेहद गंभीरता से जांच करनी चाहिए। गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने असम और पश्चिम बंगाल में अपने हिसाब से परिसीमन किया, जिससे चुनावी परिणाम प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि इसी तरह का मॉडल पूरे देश में लागू करने की योजना थी ताकि सत्ता में बने रहने का रास्ता आसान हो सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में भी कुछ भाजपा नेता इसी तरह के परिसीमन की तैयारी में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इसे गुपचुप तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना चाहती है, जबकि 2021 की जनगणना अब तक नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा साफ नहीं है और जनता अब इन रणनीतियों को समझ चुकी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा चीन और रूस की तरह चुनाव कराना चाहती है, जहां चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। गहलोत ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक सोच बताया। गहलोत ने राजस्थान की भजनलाल सरकार पर भी चुनाव नहीं कराने का आरोप लगाया।

श्रमिकों में असंतोष रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी

गाजियाबाद, एजेंसी। औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों में किसी तरह का असंतोष न पनपे, इसके लिए शासन-प्रशासन के साथ ही श्रम विभाग की ओर से निर्देश जारी किए हैं।

औद्योगिक इकाइयों को नए वेतनमान की पूरी जानकारी श्रमिकों को देना अनिवार्य कर दिय गया है। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में 40 हजार से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालित हो रहीं हैं। यूपीसीडा, जीडीए और निजी विकासकर्ताओं द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों को मिलाकर यहां करीब 28 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र हैं, जहां करीब डेढ़ लाख से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। नोएडा में हुए श्रमिक आंदोलन के बाद शासन स्तर से कुशल और अकुशल श्रमिकों के वेतन में बढ़ोतरी की है। अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 से बढ़ाकर 13,690, अर्धकुशल का 12,445 से बढ़ाकर 15,059, और कुशल का 13,940 से बढ़कर 16,868 कर दिया गया। यह वेतनमान अप्रैल 2026 से लागू किया गया है, जो मई माह में श्रमिकों को बढ़कर मिलेगा।

इसकी जानकारी देने के लिए श्रम विभाग की ओर से उद्यमियों और औद्योगिक संगठनों के साथ ही श्रमिकों को जागरूक किया जा रहा है। श्रम उपायुक्त अनुराग मिश्रा ने बताया कि सभी उद्यमियों को नए वेतनमान के अनुसार श्रमिकों को स्पष्ट जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। आइआइए के मंडल अध्यक्ष राकेश अनेजा ने बताया कि शासनादेश की जानकारी सभी उद्यमियों को है।

14 साल के यागिज़ काआन ने रचा इतिहास

● शतरंज में 2700 रेटिंग पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

चोरलू तुर्की (एजेंसी)। तुर्की के 14 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी यागिज़ काआन एरदोगमुस ने विश्व शतरंज में इतिहास रचते हुए 2700 एलो रेटिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन वेसलिन टोपालोव को छह मैचों की श्रृंखला में 5-1 से हराकर लाइव रेटिंग 2709.4 तक पहुंचा दी। इस उपलब्धि के साथ वह 2700 क्लब में शामिल होने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एरदोगमुस ने यह उपलब्धि 14 वर्ष, 10 महीने और 27 दिन की उम्र में हासिल की, जिससे उन्होंने चीन के वेई यी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 15 वर्ष, 8 महीने और 27 दिन में यह मुकाम पाया था। इससे पहले अलीरेज़ा फिरोज़ा, डी गुकेश और मैग्नस कार्लसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी 16 वर्ष की उम्र के आसपास ही 2700 तक पहुंचे थे।

दिलचस्प बात यह है कि एरदोगमुस ने 16 अप्रैल 2026 को ही लाइव रेटिंग में 2700 का आंकड़ा पार कर लिया था, जब वह सिर्फ 14 वर्ष, 10 महीने और 13 दिन के थे। अब सवाल यह है कि क्या वह दुनिया के टॉप-10 खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन सकते हैं? फिलहाल यह रिकॉर्ड गाटा काम्स्की के नाम है, जिन्होंने 16 वर्ष और 29 दिन की उम्र में विश्व रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया था। एरदोगमुस के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए जुलाई 2027 तक का समय है। वर्तमान में वह लाइव रैंकिंग में लगभग 29वें स्थान पर हैं और टॉप-10 में पहुंचने के लिए उन्हें करीब 2755-2760 रेटिंग तक जाना होगा। यानी उन्हें लगभग 45-50 रेटिंग अंकों की और जरूरत है, जो 2700 स्तर पर हासिल करना बेहद कठिन माना जाता है। हालांकि जिस गति से एरदोगमुस आगे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि वह यह करिश्मा भी कर सकते हैं।विश्व शतरंज में उभरती यह नई प्रतिभा आने वाले समय में खिताबों की दौड़ को और रोमांचक बना सकती है।

आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो

शौर्य बिनु का जलवा, 9-अंडर खेलकर लीड पर कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय युवा गोल्फर शौर्य बिनु ने अफ्रीकन स्विंग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एएम ग्रीन आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो में बढ़त हासिल कर ली है। पहले राउंड में 1-अंडर 72 खेलने के बाद बिनू ने दूसरे राउंड में शानदार 9-अंडर 64 का स्कोर किया और कुल 10-अंडर के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए।

शानदार फॉर्म में हैं बिनू

21 वर्षीय बिनू हाल के हफ्तों में बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने मॉरीशस में सातवां और जोहान्सबर्ग में चौथा स्थान हासिल किया था। पढ़ाई और गोल्फ के बीच संतुलन बनाते हुए उनका यह प्रदर्शन काफी प्रभावशाली माना जा रहा है।

सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले

ऑटोग्राफ दिया, पत्नी अंजलि, बेटी सारा और बहू सानिया ने बच्चों संग बिताया समय

जगदलपुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे। जहां आदिवासी बच्चों और खेल में रुचि रखने वाले बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने जगदलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि दंतेवाड़ा में 50 से ज्यादा खेल मैदान का 5 हजार बच्चों को फायदा मिलेगा। वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे। यहां भीषण गर्मी में बच्चों को अलग-अलग गांव से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। टीचर ने बताया कि एक बस में 100 से ज्यादा बच्चों को बैठाकर लाया गया। जबकि बस 50 सीटर है। जगदलपुर में सचिन ने बच्चों को बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया। सचिन को सिहाड़ी बीज की माला पहनाई गई। बेटी सारा और बहू सानिया भी साथ दिखे।

अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की। मैं समझता हूं जो एक सही दोस्त होता है वो आईना दिखता है, परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती, इसलिए ऐसे दोस्त रखो जो ऐसे ही बनकर रहे। मेरे पिता ने एडवाइस दी कि क्रिकेट कितने साल चलेगा, मैंने कहा 10 से 15 साल, मेरे पिता ने कहा था उसके बाद क्या? आप अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें।

बच्चों के साथ समय, ग्रामीण जीवन को समझने की कोशिश

परिवार ने बच्चों को खिलौने दिए और उनके साथ समय बिताया। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जीवनशैली, जरूरतों और समस्याओं को समझने पर खास फोकस रहा। इससे यह दौरा सिर्फ औपचारिक न रहकर जमीनी जुड़ाव का प्रयास नजर आया।

ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी जुटाई

इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। तेंदुलकर परिवार ने वनांचल में ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी जुटाई। इस दौरान सारा तेंदुलकर ने एक आदिवासी बच्चे को गोद में लेकर प्यार और दुलार करती हुई भी नज़र आई।

जन स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर डॉक्टरों से चर्चा की

बुधवार सुबह नाश्ते के बाद तीनों गनियारी प्राइमरी हेल्थ सेंटर पहुंचीं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया और फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया गया। डॉक्टरों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने बताया कि, गनियारी जन स्वास्थ्य समिति वनांचल के विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रम संचालित करती है। तेंदुलकर परिवार ने समिति की तरफ से संचालित फुलवारी केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम बम्हनी में जनस्वास्थ्य उपकेंद्र और बालवाड़ी में वनक्षेत्र के गरीब बच्चों के रहन-सहन और उपस्वास्थ्य केंद्र के संचालन को करीब से देखा। फुलवारी केंद्र में बैगा बच्चों के पोषण और शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। समिति की चिकित्सकीय टीम ने उन्हें स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में बताया।

सैफ महिला चैंपियनशिप 2026

भारत ग्रुप बी में, बांग्लादेश और मालदीव से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के लिए ढाका में हुए ड्रॉ के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना बांग्लादेश और मालदीव से होगा। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा।

ग्रुप और फॉर्मेट पर एक नजर

टूर्नामेंट में कुल दो ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान को शामिल किया गया है, जबकि ग्रुप बी में मेजबान भारत के साथ बांग्लादेश और मालदीव हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

गोवा में होगा पूरा टूर्नामेंट

सभी मैच गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह दूसरी बार है जब भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2016 में सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में भारत ने खिताब अपने नाम किया था।

रैंकिंग के आधार पर हुआ ड्रॉ

इस बार ड्रॉ फीफा महिला विश्व रैंकिंग के आधार पर किया गया। भारत (69वें स्थान) और नेपाल (87वें स्थान) को पॉट 1 में रखा गया था। बांग्लादेश और श्रीलंका पॉट 2 में, जबकि भूटान और मालदीव पॉट 3 में शामिल थे।

भारत का दमदार रिकॉर्ड

भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन किया है और 2022 व 2024 के संस्करण अपने नाम किए हैं, जिससे इस बार मुकाबला कड़ा रहने वाला है।

टी20 के कप्तानी की चर्चा के बीच बोले जहीर -

श्रेयस पहले प्लेइंग-11 में जगह तो बनाएं....

मुंबई। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर शानदार फॉर्म में हैं। उनकी कप्तानी में टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और इस सीजन में अब तक अजेय बनी हुई है। पिछले सीजन (2025) में भी उन्होंने टीम को 11 साल बाद फाइनल तक पहुंचाया था। ऐसे में अब अय्यर को लेकर काफी चर्चा शुरू हो चुकी है। उन्हें भारतीय टी20 में वापस बुलाने और सूर्यकुमार यादव की जगह कप्तानी सौंपने को लेकर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि अय्यर को अभी कप्तानी के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि सबसे पहले टीम इंडिया में अपनी जगह मजबूत करना जरूरी है। जहीर खान ने क्रिकबज से कहा, 'सबसे पहले उनके दिमाग में टी20 सेटअप का हिस्सा बनना होगा। कप्तानी के बारे में वह अभी सोच रहे हैं या नहीं, मुझे नहीं पता। वह भविष्य में दावेदार हो सकते हैं, क्योंकि उन्होंने फ्रेंचाइजी टीमों की कप्तानी की है और सफल भी रहे हैं। इसलिए उनके पास वह मानसिकता है।'

टी20 विश्वकप टीम में नहीं थे अय्यर

इसी साल मार्च में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप की विजेता भारतीय टीम में श्रेयस अय्यर शामिल नहीं थे। ऐसे में उनके लिए सबसे बड़ा लक्ष्य अब टीम में वापसी करना है। पंजाब किंग्स ने हाल ही में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 54 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में टीम ने 254/7 का विशाल स्कोर बनाया, जो इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर है। इस दौरान प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों के बीच 182 रन की साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने अपनी टीम की रणनीति और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास पर बात की। उन्होंने कहा, 'शानदार साझेदारी रही, कुछ शॉट्स तो देखने लायक थे। तेज गेंदबाजों के खिलाफ बैकफुट पर सीधे शॉट लगाना कमाल था। मिडिल ओवर्स में संयम शानदार था।'

दिग्गज मुक्केबाज डोप टेस्ट में फेल

करियर पर मंडराया खतरा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के दिग्गज मुक्केबाज लॉरेंस ओकोली एक बड़े विवाद में फंस गए हैं, क्योंकि टॉनी योका के खिलाफ होने वाली फाइट से पहले उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया है। यह मुकाबला पेरिस में आयोजित होना था, लेकिन इस खुलासे के बाद इसकी स्थिति पर संशय बन गया है। प्रमोटर क्वीनबेर4 ने इस खबर की पुष्टि की है, जिससे बॉक्सिंग जगत में हलचल मच गई है।

डोप टेस्ट में फेल, करियर पर खतरा – ओकोली का डोप टेस्ट वीएडीए द्वारा किया गया था और रिपोर्ट के बाद उन पर कड़ी कार्रवाई की संभावना है। नियमों के तहत उन्हें चार साल तक के प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है, यदि वे खुद को निर्दोष साबित नहीं कर पाते। फिलहाल जांच जारी है और सभी की नजर इस मामले के नतीजे पर टिकी हुई है।

ओकोली का बयान और सफाई – इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए ओकोली ने कहा, मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगा और मुझे भरोसा है कि सच्चाई सामने आएगी।

अंडरटेकर-केन में भी तो लड़ाई...

हार्दिक से अनबन की खबरों पर बोले क्रुणाल पांड्या

बेंगलुरु। आईपीएल 2026 के दौरान क्रुणाल पांड्या और उनके भाई हार्दिक पांड्या के रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों पर आखिरकार विराम लग गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल ने इन चर्चाओं को मजाक में उड़ाते हुए साफ कर दिया कि दोनों भाइयों के बीच सबकुछ ठीक है। हाल ही में आईपीएल 2026 के एक मुकाबले में आरसीबी और मुंबई इंडियंस आमने-सामने थे, जहां क्रुणाल और हार्दिक एक-दूसरे के खिलाफ खेलते नजर आए। सोशल मीडिया पर दोनों के बीच मुकाबले के कुछ वीडियो वायरल हुए, जिसके बाद फैंस ने उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

क्रुणाल ने हंसी में उड़ाई अफवाह

आरसीबी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जब होस्ट ने उनसे पूछा, 'क्या सब ठीक है या कोई लड़ाई चल रही है?' तो क्रुणाल हंस पड़े। इस पर होस्ट ने कहा- डब्ल्यूडब्ल्यूई में अंडरटेकर और केन में भी लड़ाई होती है।' इसके बाद होस्ट द्वारा दोबारा पूछे जाने पर क्रुणाल ने साफ कहा, 'सब ठीक है।' उनका यह जवाब काफी स्पष्ट था कि भाइयों के बीच किसी तरह की अनबन नहीं है और सोशल मीडिया पर चल रही बातें सिर्फ अफवाह हैं।

स्लेजिंग विवाद पर भी दी सफाई

इसी बातचीत में क्रुणाल ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के युवा खिलाड़ी मुकुल चौधरी को लेकर उठे 'स्लेजिंग' के आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'लोग कह रहे थे कि मैंने एक युवा खिलाड़ी को स्लेज किया। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। मैंने बस उससे कहा कि तुम बड़े शॉट्स खेल सकते हो, लॉन्ग ऑन या लॉन्ग ऑफ के ऊपर मारो। वह हंस रहा था, यह सिर्फ मजाक था।' क्रुणाल ने यह भी जोड़ा कि उनके हेयरस्टाइल की वजह से लोग उन्हें गंभीर और गुस्सैल समझ लेते हैं, जबकि असल में वह ऐसे नहीं हैं। इस सीजन में क्रुणाल पांड्या आरसीबी के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं।

नहीं देख पाएंगे फुटबॉल विश्व कप! प्रसारण अधिकार अब तक नहीं बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब 50 दिन का समय बचा है। इस बड़े टूर्नामेंट के करीब आते ही दुनिया भर के फुटबॉल फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है, लेकिन भारत में एक बड़ा सवाल अब भी अनसुलझा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा इवेंट के ब्रॉडकास्ट राइट्स यानी प्रसारण अधिकार आखिर अब तक क्यों नहीं बिक पाए हैं?आमतौर पर इतने बड़े टूर्नामेंट के लिए टीवी और डिजिटल अधिकारों को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है, लेकिन इस बार हालात थोड़े अलग नजर आ रहे हैं। फीफा विश्व कप का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट के इतिहास में इस बार सबसे ज्यादा 48 टीमें हिस्सा लेंगी और यह अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल 19 जुलाई को खेला जाएगा।

भारतीय फैंस के लिए चिंता की वजह

भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। यूरोपीय लीग्स से लेकर वर्ल्ड कप तक, दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ी है। ऐसे में जब फीफा वर्ल्ड कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट

के प्रसारण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, तो यह भारतीय फुटबॉल समुदाय के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस स्थिति ने उस दौर की याद भी दिला दी है जब इंडियन सुपर लीग के आयोजन को लेकर भी असमंजस पैदा हो गया था, जिससे देश में फुटबॉल कल्चर को झटका लगा था। अगर इस बार भी ब्रॉडकास्ट डील समय पर नहीं होती, तो यह खेल के प्रचार-प्रसार पर असर डाल सकता है।

आखिर क्यों अटकी हुई है डील?

इस पूरे मामले की जड़ में सबसे बड़ा कारण है ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की ऊंची कीमत। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीफा ने भारत के लिए जो कीमत तय की है, वह स्थानीय ब्रॉडकास्टर्स की अपेक्षाओं से काफी ज्यादा है। फीफा ने ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की कीमत में भारी कटौती करते हुए लगभग 100 मिलियन डॉलर से घटाकर करीब 35-40 मिलियन डॉलर कर दिया है, फिर भी कोई भी ब्रॉडकास्टर डील के लिए आगे नहीं आया है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोस्टार जैसे बड़े खिलाड़ी इस रेस में जरूर हैं, लेकिन वे फिलहाल पीछे हटे हुए हैं। इससे साफ है कि कम रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट , क्रिकेट पर भारी निवेश, जैसी समस्याएं बड़ी बाधा बनी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

विजय दिवस पर याद किए गए वीर कुंवर सिंह, याहया खान को भी सम्मान देने की उठी मांग

आरा। 23 अप्रैल को महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती विजय दिवस के रूप में मनाई जाती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रथम कार्यकाल से ही इसे राजकीय समारोह का दर्जा दिया गया है। इस अवसर पर वीरता और देशभक्ति की उनकी गाथाओं को याद किया जाता है। वीर कुंवर सिंह को ऐसे योद्धा के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में कभी हार नहीं मानी। 26 अप्रैल को उनका देहावसान हुआ था। इतिहास के अनुसार, जब उन्होंने शाहाबाद को अंग्रेजों से मुक्त कराया, तब बैरिस्टर याहया खान को वहां का कलेक्टर नियुक्त किया गया था। बाद में अंग्रेजों ने दोबारा कब्जा कर लिया और याहया खान को फांसी की सजा सुनाई गई। बताया जाता है कि अंतिम इच्छा के रूप में उन्होंने सार्वजनिक स्थान गोपाली चौक पर फांसी देने की मांग की, जहां उन्हें फांसी दी गई। वीर कुंवर सिंह स्मारक समिति के महामंत्री सरफराज अहमद खान ने मांग की है कि आरा स्थित वीर कुंवर सिंह पार्क में याहया खान को भी उचित स्थान दिया जाए, ताकि उनके बलिदान को सम्मान मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि वीर कुंवर सिंह की सेना में गाजीपुर जिले के कामसार क्षेत्र के कई पठान योद्धा शामिल थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर लोगों ने वीर कुंवर सिंह के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

तीन पीडीएस दुकान का किया निरीक्षण

गड़हनी। गड़हनी प्रखंड गड़हनी के तीन पीडीएस दुकानदारों के यहां आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया। प्रखंड के कुरकुरी पंचायत के दुलारपुर गांव के पीडीएस दुकानदार अविनाश कुमार, पिपरा गांव में पीडीएस दुकानदार गुप्तेश्वर साह व कुरकुरी गांव में पीडीएस दुकानदारों के यहां दुकान का जांच किया गया। आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान समय पर दुकान खुला था वहीं उपभोक्ताओं से भी गांवों में जाकर पूछ ताछ किया गया। उपभोक्ताओं ने कहा कि समय पर सही मात्रा में अनाज मिलता है। वहीं आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि और दुकानदारों की जांच करनी है। जांच के क्रम में यदि कोई कमी या उपभोक्ताओं के द्वारा शिकायत मिली तो दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पॉक्सो के केस में 10 वर्ष का सश्रम कारावास, 55 हजार रुपया अर्थ दंड

आरा। षष्ठम जिला सत्र न्यायाधीश सह पॉक्सो विशेष न्यायाधीश आशुतोष कुमार उपाध्याय के न्यायालय ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में एक आरोपी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास और 55 हजार रुपया अर्थ दंड लगाया है। आरोपी मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सारंगपुर गांव के निवासी आशुतोष कुमार दुबे पिता सुरेंद्र दुबे है। पीड़िता आरा सदर प्रखंड के एक गांव की है। पीड़िता के पक्ष से पोक्सो एक्ट की विशेष लोक अभियोजक सरोज कुमारी ने कोर्ट में बहस की थी। विशेष लोग अभियोजक सरोज कुमारी ने बतायाने बताया, घटना वर्ष 2023 की है। पीड़िता की मां ने आरा मुफ्फसिल थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई। आवेदन में पीड़िता की मां ने लिखी थी कि मेरी पुत्री के साथ डरा- धमका कर शारीरिक संबंध बनाया गया।इसके बार मेरी नाबालिग पुत्री का गर्भपात भी कराया। डर और लोक-लाज से मेरी पुत्री किसी को घटना के बारे में बताती नहीं थी। अंत में जब गर्भपात की घटना हुई, इसके बाद घटना की जानकारी हुई। तब थाना में एफआईआर दर्ज कराय गयाा। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभियोजन पक्ष से विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सरोज कुमारी ने न्यायालय में इस घटना में मजबूती के साथ अ5 गवाहों की गवाही कराई। जिसके बाद न्यायाधीश आशुतोष कुमार उपाध्याय के न्यायालय ने गवाहों द्वारा दी गई गवाही के आधार पर आरोपी को दोषी पाते हुए 10 वर्ष का सश्रम कारावास और 55 हजार रुपया अर्थ दंड की सजा सुनाई है।

नगरी में हुई गोलीबारी में एक गिरफ्तार

आरा। चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरी बजार में हुई गोलीबारी की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद को गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब हो कि सोमवार की सुबह नगरी बजार पर हथियारबंद अपरराधीयो ने सरपंच पति मनोज शर्मा और एक युवक को गोली मारकर जख्मी कर दिया था। इस घटना में लिखित आवेदन पर तीन नामजद और तीन अज्ञात पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी।

योग्य अभ्यर्थियों को अब मिलेगा निःशुल्क टूल किट

बक्सर। जिला नियोजनालय बक्सर द्वारा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग्य अभ्यर्थियों के बीच निःशुल्क टूल किट वितरण की योजना शुरू की गई है। यह पहल श्रम संसाधन विभाग के तहत नियोजन सेवा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जा रही है। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी के अनुसार, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मोबाइल रिपेयर, ब्यूटिशियन, प्लम्बर और इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयर जैसे विभिन्न तकनीकी एवं व्यवसायिक ट्रेड में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को उनके कार्य से संबंधित टूल किट उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे स्वरोजगार स्थापित कर सकें। योजना का लाभ उठाने के लिए अभ्यर्थी का बिहार का निवासी होना अनिवार्य है तथा उसकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही, अभ्यर्थी का नियोजनालय में कम से कम छह माह पूर्व से निबंधन होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया में निबंधन की वरीयता को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में न्यूनतम 3 माह का प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए तथा उसकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयन में दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। विशेष रूप से यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्टडी किट और टूल किट योजना में से किसी एक का ही लाभ दिया जाएगा। पहले से इन योजनाओं का लाभ ले चुके अभ्यर्थी पुनः पात्र नहीं होंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेजों की स्व-अभिप्रमाणित प्रतियों के साथ जिला नियोजनालय बक्सर में आवेदन जमा करना होगा। आवेदनों की जांच एवं लाभुकों का चयन त्रिसदस्यीय समिति द्वारा किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता उप निदेशक नियोजन, पटना प्रमंडल करेंगे। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 8210044587 पर संपर्क कर सकते हैं।

अब छात्रों को मिलेगी मुफ्त पढ़ाई सामग्री

बक्सर| जिले के युवाओं और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर है। जिला नियोजनालय बक्सर द्वारा स्टडी किट योजना के तहत आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह योजना पूरी तरह निःशुल्क है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग देना है। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) और बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को स्टडी किट उपलब्ध कराई जाएगी। किट में आवश्यक पुस्तकें, नोट्स, डायरी, मानचित्र, कलम आदि शामिल होंगे। इसके साथ ही किसी सरकारी नौकरी के लिए आवेदन का प्रमाण, बिहार का निवासी होना, वार्षिक पारिवारिक आय तीन लाख रुपये से कम होना तथा उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होना जरूरी है।

श्मशान घाट पर अपशिष्ट इकाई की छत उड़ी

आरा। सदर आरा प्रखंड के कड़ारी पंचायत में गंगासागर श्मशान घाट में निर्मित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई की छत तेज हवा में उड़ गई। इस घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भारतीय जवान किसान पार्टी, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष पेटी ऑफिसर अशोक कुमार सिंह ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग क है। पेटी ऑफिसर अशोक कुमार सिंह ने बताया कि वह सुबह टहलने के दौरान गंगासागर श्मशान घाट पहुंचे, जहां उन्होंने अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई की स्थिति देखी। पाया गया कि हाल ही में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत बनाए गए इस ढांचे का कर्कट (टिन) का छत मामूली आंधी में ही पूरी तरह उड़ गया।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव भक्ति और सामाजिक एकता के रूप में मना

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव भक्ति और सामाजिक एकता के संगम के रूप में मनाया गया। युवा सम्राट गैधारा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं और परशुराम वंशियों ने भाग लिया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम में श्री राजकुमार चौबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि निरंजन पाठक ने अध्यक्षता की। पवन पाठक ने कार्यक्रम का संचालन किया। मंच से वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला, समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और संघर्ष के जीवंत उदाहरणः अपने संबोधन में मुख्य अतिथि राजकुमार चौबे ने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और संघर्ष के जीवंत उदाहरण हैं। उनका जीवन हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने, धर्म की रक्षा करने और समाज में एकता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भगवान परशुराम के आदर्शों

को आत्मसात कर राष्ट्र और सनातन संस्कृति के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं। चौबे ने यह भी कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक ताकत उसके संगठन और संस्कारों में निहित होती है। ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईंः कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिन्होंने माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया। कलाकारों ने भक्ति

♦ मुख्य अतिथि बोले- वे न्याय, धर्म और संघर्ष के लाइव एग्जाम्पल हैं

गीतों और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और भगवान परशुराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर हिंदू पुत्र नागेश सम्राट, रमेश पाठक, डॉ. मुना पाठक, प्रकाश बिहारी पाठक, रामदेव जी यादव, नंद जी पाठक, भोलू पाठक, अमित राय, कपिल मुनि पांडे, बलराम मिश्रा, गोलू दुबे, चुनमुन चौबे, विनोदानंद ओझा, रितेश चौबे, विजय शंकर दुबे, अशोक तिवारी, मनीष महाराज, गोपाल जी पांडे,विकास तिवारी, मदन पाठक और मोहित दुबे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने की दिशा में भी एक सार्थक पहल साबित हुआ।

मानवता की मिसाल, रक्तदान शिविर में आगे आए लोग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का अनोखा उदाहरण देखने को मिला, जहां मारवाड़ी महिला समिति और ब्लड बक्सर के संयुक्त प्रयास से आयोजित रक्तदान महादान जीवनदान शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 16 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए उम्मीद की नई किरण जगाई।गोयल अतिथि भवन में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन रेड क्रॉस के चेयरमैन सुरेश अग्रवाल तथा महिला मारवाड़ी समिति की अध्यक्ष लीना गोयल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में रेड क्रॉस के उपाध्यक्ष सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, सचिव डॉ श्रवण कुमार तिवारी, महिला समिति की सचिव सुनीता केजरीवाल, अंचल प्रमुख ज्योति अग्रवाल, रक्तदान प्रमुख किरण सर्राफ, निशि पोद्दार, उषा गोयल, रुना गोयल, दीपा केजरीवाल, शालिनी सर्राफ सहित ब्लड बक्सर के प्रियेश, रविशंकर शर्मा और भाजपा के सुमित मानसिंहका सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर में तीन महिला रक्तवीरांगनाएं शालिनी सर्राफ, सुविधा करोटिया और दीपा केजरीवाल सहित कुल 16 लोगों ने रक्तदान किया।

कायमनगर अंडरपास पर नो-एंट्री फेल, भारी वाहनों से रोज जाम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कोईलवर। आरा-पटना नेशनल हाईवे-922 फोरलेन पर कायमनगर अंडरपास है। लेकिन अंडरपास पर भारी वाहनों के लिए लागू नो-एंट्री नियम पूरी तरह बेअसर साबित हो रहा है। कागजों पर प्रतिबंध होने के बावजूद हकीकत यह कि ट्रक और अन्य भारी वाहन बेधड़क इस रास्ते से गुजर रहे हैं। इसका खामियाजा आम लोगों को रोजाना जाम और अव्यवस्थित ट्रैफिक के रूप में भुगतना पड़ रहा है। अंडरपास के पास सुबह और शाम के समय हालात सबसे ज्यादा खराब हो जाते हैं। जैसे ही भारी वाहनों की संख्या बढ़ती हैं, पहले निकलने की होड़ में ट्रकों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि जाम एनएच-922 तक फैल जाता है। वाहनों की दो से तीन लाइन लग जाती हैं। इससे बाइक सवार, छोटे वाहन चालक, साइकिल सवार,

पैदल यात्री और स्कूली बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ाः ट्रक चालक राजेश यादव ने बताया, हम लोग जान-बूझकर नियम नहीं तोड़ते हैं। दूसरा रास्ता लंबा है, जिससे समय और डीजल दोनों ज्यादा लगता है। मजबूरी में यहां से आना पड़ता है। चालक मुन्ना सिंह ने कहा, नो-एंट्री का पालन सख्ती से होना चाहिए और सबके लिए बराबर होना चाहिए। कई बार पुलिस भी जाने देती है। एक गाड़ी घुसती है, तो बाकी सब पीछे-पीछे आ जाते हैं। जाम लग जाता है। ट्रक चालक शंभू पासवान ने कहा, "शयहां कोई तय व्यवस्था नहीं है।

महिला आरक्षण बिल में संशोधन जरूरी, हमें उचित प्रतिनिधित्व मिले

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दूबे मंगलवार की देर शाम भोजपुर के आरा शहर पहुंची। आम्रपाली ने यहां के गोपाली चौक स्थित कुल्हाड़ियां कॉम्प्लेक्स में A.S ज्वेलर्स एंड KISNA के नए शोरूम का उद्घाटन किया। आम्रपाली दूबे के आने की जानकारी के बाद शाम करीब 5 बजे से ही उनके फैंस भीड़ के रूप में शोरूम के बाहर जुटे रहे। आम्रपाली के आने के बाद आयोजकों ने उनका स्वागत किया। फूलों का बुके के साथ भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की प्रतिमाओं समेत राम मंदिर का स्मृति-चिन्ह भी भेंट की गई। गोल्डन कलर की साड़ी और मिनिमलिस्टिक बॉर्डर वाले ब्लाउज में आम्रपाली बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं, जिसने फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया। करीब पांच घंटे से अधिक समय तक सड़क पर इंतजार कर रहे फैंस जैसे ही आम्रपाली को सामने देखा, उनमें खुशी की लहर दौड़ गई।

मंच पर पहुंचते ही आम्रपाली ने भोजपुरी में फैंस का अभिवादन कियाः मंच पर पहुंचते ही आम्रपाली ने भोजपुरी में दर्शकों का अभिवादन करते हुए पूछा, "का हो आरा जिला ठीक बा नूं... आरा जिला घर बा त कौन बात के डर बा... रउआ सबे पवन सिंह जी घर के बानी, का हाल बा?" उनके इस अंदाज ने माहौल में जोश भर दिया। इसके बाद आम्रपाली ने अपने लोकप्रिय गीतों "हटे हटवले, ना हटे नजरिया हो..." और "जान मारे हो मरून कलर सड़िया..." को गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। साथ ही "टूट जाई राजा जी पलंग सागवान के..." जैसे गानों पर ठुमके लगाकर उन्होंने समां बांध दिया।

फैंस ने पावर स्टार पवन सिंह के गाने पर डांस की डिमांड कीः फैंस की ओर से पवन सिंह के गानों पर डांस की मांग उठी, जिस पर आम्रपाली ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं आरा में ही रुक जाउंगी और घर किराए पर ले लूंगी। इस पर मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों से स्वागत किया और साथ में हूटिंग भी की।

आम्रपाली बोली- आरा आकर बेहद सकून मिलता है, अपनापन लगता हैः शोरूम उद्घाटन समारोह के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां आकर उन्हें बेहद सुकून और अपनापन महसूस होता है। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। यह ज्वेलरी शॉप A.S ज्वेलर्स बहुत ही खूबसूरत है और अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर इसका शुभारंभ हुआ है। आरा के लोग हर बार इतना प्यार देते हैं कि मन खुशी से भर जाता है।

चेन स्नैचिंग गैंग का पर्दाफाश, छह बदमाश गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के आरा शहर में झपट्टा मारकर गहना और नकदी छीनने की घटनाओं पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज के समीप की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने एक संगठित गैंग का खुलासा किया है, जो शहर में लगातार चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दे रहा था। गिरफ्तार सभी आरोपित पटना जिले के विभिन्न इलाकों के निवासी बताए जा रहे हैं। सदर एसडीपीओ-वन राज कुमार साह ने इस पूरे मामले का खुलासा किया।

गिरफ्तार आरोपियों में ये शामिलः पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में आर ब्लॉक रोड निवासी रोहित कुमार, ऋतिक मिश्रा, अमन कुमार मिश्रा, वीरचंद पटेल रोड निवासी दीपक मिश्रा, विकास मिश्रा तथा कोतवाली थाना क्षेत्र के लाटनगंज निवासी नेहाल नट शामिल हैं। छापेमारी के दौरान इनके पास से एक पिस्टल, दो कारतूस और दो बाइक बरामद की गई है। सभी आरोपी तिवारी गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं और शहर में सक्रिय होकर राह चलते लोगों को निशाना बनाते थे।

20 अप्रैल को बीएसएफ जवान से हुई थी छिनतईः एसडीपीओ ने बताया कि 20 अप्रैल को टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंगा नगर (मझौंवा) निवासी बीएसएफ जवान राहुल कुमार से बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर सोने की चेन छीन ली थी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा था, जिसमें अपराधियों के चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। मामले में जवान की पत्नी पूनम कुमारी ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई शुरू की। इंस्पेक्टर देवराज राय और दारोगा निशांत कुमार के नेतृत्व में महावीर टोला और शिवगंज मोड़ के पास छापेमारी कर छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि उनका गैंग सुनसान इलाकों में लोगों को निशाना बनाकर चेन छीनने की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में जुटी है, साथ ही लूटी गई सोने की चेन की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। इस मामले में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर सात लोगों को आरोपित बनाया गया है।

कैंप में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लिए आए 34 नये आवेदन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने के उद्देश्य से मंगलवार को शहर के गोलंबर पर नए आवेदन, लोन निस्तारण को लेकर विशेष कैंप का आयोजन किया गया। प्रचंड गर्मी के बावजूद काफी संख्या में उपभोक्ता पहुंचे। कैम्प में बिजली कंपनी के विद्युत कार्यपालक अभियंता सूर्य प्रकाश सिह, सहायक विधुत अभियंता, राम लखन राम, अग्रणी जिला प्रबंधक, बक्सर समेत अन्य बैंक के प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यपालक अभियंता सूर्य प्रकाश सिंह ने कैम्प के माध्यम से लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने उपभोक्ताओं को बताया कि 1kW के लिए 30,000, 2 kW के लिए 60,000, और 3 kW से अधिक

के लिए 78,000 रुपए का अनुदान देने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि 3 kW का सोलर सिस्टम प्रति माह 300 यूनिट से अधिक बिजली उत्पन्न कर सकता है, जिससे बिजली बिल शून्य हो सकता है। उन्होंने बताया कि कैम्प में 34 नए प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लिए आवेदन आए तथा सैकड़ो की संख्या में लोगो ने योजना के बारे में जानकारी लिया। कैम्प में दो लोगों का लोन का भी निस्तारण किया गया। विद्युत कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि अगला कैम्प कलेक्ट्रेट कैम्पस में 25 25 अप्रैल को लगाया जाएगा।

संघ शताब्दी वर्ष, बक्सर में पंच परिवर्तन पर विचार मंथन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर स्थित गोयल धर्मशाला में एक विशेष जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पंच परिवर्तन के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. ए.के. दुबे ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने संबोधन में प्रो. दुबे ने पंच परिवर्तन की अवधारणा को विस्तार से समझाते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के स्तर पर समन्वित प्रयास जरूरी हैं। प्रोफेसर एके दुबे ने बताया कि यह परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी इसका प्रभाव दिखना चाहिए। उन्होंने सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी अपनाने,

कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्यों के पालन को 'पंच परिवर्तन' के प्रमुख स्तंभों के रूप में रेखांकित किया। संगोष्ठी में संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। वक्ताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए समाज में सकारात्मक पहल को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी विषय से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ते हुए जागरूकता फैलाना और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था।

सड़क हादसे के बाद विवाद में गोलीबारी केस में प्राथमिकी, जबरन जब्त बाइक ले जाने को लेकर हुआ था विवाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के अंतर्गत चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरी बाजार में सड़क हादसे के बाद उपजे विवाद में सरपंच पति समेत दो लोगों को गोली मार मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। घायल सरपंच पति मनोज शर्मा के बयान पर दर्ज केस में नगरी निवासी ब्रजेश कुमार, नीरज कुमार उर्फ मंगनी पांडेय तथा मलौर गांव निवासी शनि शर्मा को नामजद किया गया है, जबकि तीन अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक नामजद आरोपी नीरज कुमार उर्फ मंगनी को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जानिए, दर्ज एफआईआर में क्या कहा? प्राथमिकी के अनुसार, घटना की शुरुआत 19 अप्रैल की

रात हुई, जब मनोज शर्मा की बड़ी मां लखमुना देवी टहलने के लिए आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर निकली थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बाइक चालक शनि शर्मा को पकड़ लिया था, लेकिन आरोप है कि गांव के ही नीरज कुमार ने धक्का देकर उसे मौके से भगा दिया। इसके बाद दुर्घटना में प्रयुक्त बाइक को मनोज शर्मा ने अपने फर्नीचर की दुकान पर रख लिया था। अगले दिन 20 अप्रैल की सुबह हालात उस समय बिगड़ गए, जब तीन अज्ञात लोग उनकी दुकान पर पहुंचे और जबरन बाइक लेकर जाने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने हथियार निकालकर करीब 12 राउंड फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में मनोज शर्मा की जांघ में गोली लगी, जबकि पास में बैठे गोरख पासवान भी गोली लगने से घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए और जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। प्राथमिकी में यह भी उल्लेख किया गया है कि एक दिन पहले ही हरेन्द्र कुमार ने बाइक नहीं छोड़ने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के अनुसार, मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।